



# भारतीय सचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी, चित्तूर

(संसद के अधिनियम के अंतर्गत राष्ट्रीय महत्व का संस्थान)

## वार्षिक प्रतिवेदन

### 2022-23



**आईआईआईटी श्री सिटी चित्तूर**  
**वार्षिक प्रतिवेदन 2022–23**  
(1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक)

## विषय-वस्तु

क्रम संख्या	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	निदेशक की रिपोर्ट	4-15
2	संस्थान के रूप में आईआईआईटीएस	16
2.1	संस्थान के बारे में	16
2.2	लक्ष्य, दृष्टिकोण और उद्देश्य	16
	2.2.1 लक्ष्य	16
	2.2.2 दृष्टिकोण	16
	2.2.3 उद्देश्य	17
2.3	अभिशासन	17
	2.3.1 शासी मंडल(बीओजी)	17-28
	2.3.2 वित्तीय समिति	29
	2.3.3 भवन एवं कार्य समिति	29
	2.3.4 सीनेट	30-31
2.4	परिसर और स्थल	32
2.5	अवसंरचना	33-38
3	प्रवेश	39
3.1	अवर स्नातक प्रवेश नीति	39-40
3.2	स्नातकोत्तर प्रवेश नीति	40-41
3.3	पीएच.डी प्रवेश नीति	41-43
4	शैक्षिक कार्यक्रम	44
4.1	अवरस्नातक	44-50
4.2	स्नातकोत्तर	50
4.2.1	एआई और एमएल में एम.टेक	50-52
4.2.2	साईबर सुरक्षा में एम.टेक	52-54
4.3	पीएच.डी	54-56
4.4	शैक्षिक निष्पादन	57-59
5	प्लेसमेंट और इंटरनशिप (ग्रीष्म इंटरनशिप और सेमेस्टर की परियोजनाएं)	60
5.1	ग्रीष्म इंटरनशिप	60
5.2	सेमेस्टर की परियोजना	61

क्रम संख्या	विवरण	पृष्ठ संख्या
5.3	परिसर प्लेसमेंट	61–64
6	छात्र विकास गतिविधियां (एसडीसी)	65–133
7	लोग (मानव संसाधन)	134
7.1	संकाय	134–135
7.2	विजिटिंग संकाय	135–136
7.3	कर्मचारी	136–137
7.4	परामर्शदाता	137
8	शोध और विकास	138
8.1	शोध प्रकाशन	138–140
8.2	सम्मेलन की कार्रवाई / प्रस्तुतियां	140–142
8.3	जारी प्रायोजित परियोजनाएं	142–143
8.4	पेटेंट दायर करना	143
9	नवाचार और उद्यमिता विकास	144–147

## 1. निदेशक की रिपोर्ट



हमारी यात्रा आईआईटी हैदराबाद के साथ आईआईआईटी हैदराबाद की योग्य मेंटरशिप के साथ आरंभ हुई। हम सुनिर्मित सहयोग के माध्यम से हमारे सभी शैक्षिक और शोध कार्यक्रमों में उन संस्थानों की सर्वोत्तम पद्धतियों को अपनाना जारी रखे हुए हैं।

हमारे नए परिसर में उच्च गुणवत्तापरक अधिगम को सहायता प्रदान करने के लिए सर्वोत्तम अवसंरचना मौजूद है। भवन के प्रत्येक तल में अत्याधुनिक वातानुकूलित शिक्षण कक्ष, प्रयोगशालाएं और संकाय केबिन एवं छात्र गतिविधि केंद्र को शामिल करते हुए निर्दिष्ट स्थान है। वर्तमान में हमारे छात्रावासों के दो ब्लॉक और एक बड़ी भोजनशाला सुविधा हैं। एक भोजनशाला के साथ दो और छात्रावास ब्लॉकों का निर्माण प्रगतिरत है। इसके अतिरिक्त हमने श्री सिटी शहर में पीएच. डी. और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अपार्टमेंट किराये पर लिए हैं। हमारे उद्योग भागीदार श्री सिटी प्रा. लि. श्री सिटी शहर में 30 देशों की प्रमुख 200 एमएनसी के साथ सबसे बड़े समेकित औद्योगिक टाउनशिप तक पहुंच रखते हैं। हमारे औद्योगिक भागीदार के समर्थन से आईआईआईटी श्री सिटी इन कंपनियों के साथ हमारी सहयोगी परियोजनाओं के संचालन हेतु नियमित संपर्क में हैं जिसमें हमारे छात्रों के नियमित रूप से इन कंपनियों में दौरे किए जाते हैं और वे इंटरशिप की संभावनाओं का लाभ भी उठाते हैं।

हमारा इस विचारधारा में दृढ़ विश्वास है कि अच्छे संकाय छात्रों के शिक्षण में दिशा-निर्देश प्रदान कर सकते हैं और उनके करियर को मूर्तरूप दे सकते हैं। इस प्रकार हमने हमारे संकाय सदस्यों की सावधानीपूर्वक आयोजना एवं भर्ती की है जो कि विश्व में विख्यात संस्थानों के पूर्व छात्र रहे हैं। हमारे सभी संकाय सदस्यों ने आईआईटी/आईआईएससी अथवा विश्व भर के सर्वोच्च विश्वविद्यालयों से पीएच.डी. की है। उल्लेखनीय है कि यह सभी गहन शोध एवं औद्योगिक अनुभव के साथ युवा एवं उत्साही संकाय है। ये संकाय अपने शोध में काफी सक्रिय हैं और महत्वपूर्ण रूप से ये अपने ज्ञान एवं अनुभव को हमारे छात्रों के लिए शैक्षिक अधिगम में परिवर्तित करने योग्य है।

हमारे बी.टेक. कार्यक्रम में ईसीई और सीएसई दोनों छात्रों के लिए समर्पित विषय और पाठ्यक्रम हैं जिन्हें नियमित रूप से उद्योग जगत से प्राप्त निरंतर फीडबैक के आधार पर अद्यतन बनाया जाता है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2019 से हमारे पास एआई एवं मशीन लर्निंग, साइबर सिक्यूरिटी और साइबर फिजिकल सिस्टम में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. कार्यक्रम हैं। इन विशेषज्ञताओं के अंतर्गत कई पाठ्यक्रम कार्यशालाओं सहित औद्योगिक विशेषज्ञों द्वारा पढ़ाए जाते हैं।

युजी-शोध का संवर्धन करने के लिए हमारा एक योग्यता आधारित बी.टेक. ऑनर्स कार्यक्रम हैं जिसमें छात्रों 2 वर्ष की अवधि के लिए किसी संकाय अथवा संकायों के समूह के अंतर्गत किसी विशिष्ट क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं। वे शोध प्रकाशन अथवा बौद्धिक संपदा अथवा कोई सॉफ्टवेयर/हार्डवेयर प्रस्तुत करते हुए अपनी ऑनर्स डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।

## 1. इंटरनशिप और प्लेसमेंट

उद्योग के लिए तैयार स्नातकों हेतु राष्ट्रीय वरीयता को देखते हुए और साथ ही संस्थान के दृष्टिकोण और लक्ष्यों के अनुरूप नियोजनीय स्नातकों को तैयार करना संस्थान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्ष 2019 में, संस्थान ने विशिष्ट उद्देश्यों के साथ निम्नलिखित लघु-कालीन और दीर्घ-कालीन लक्ष्य निर्धारित किए थे:

**3-वर्षीय लक्ष्य:** संस्थान को उद्योग अग्रणियों के और उनकी प्रतिभाशाली टीमों के संज्ञान में लाने के लिए इंटरनशिप/प्लेसमेंट हेतु विविध कंपनियों को तैयार किया जाना महत्वपूर्ण है। इसके उद्देश्य थे: (1) पात्र छात्रों की 100 प्रतिशत नियोजनीयता प्राप्त करना (2) औसत वेतन में महत्वपूर्ण वृद्धि (3) भर्ती के लिए कंपनियों की विविधता (उत्पाद, स्टार्ट-अप, सेवाएं इत्यादि) (4) बहुमूल्य नौकरियों के लिए छात्रों को तैयार करने हेतु समग्र प्रयास करना।

**5-वर्षीय लक्ष्य:** उद्योग के लिए तैयार स्नातकों के निर्माण हेतु भागीदार के रूप में गहन तरीके से उद्योग के साथ कार्य करना, ये स्नातक अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर संगठनों के लिए अन्नय और अति मूल्यवान योगदान प्रदान करेंगे। इसके उद्देश्य थे: (1) उद्योग को बोर्ड/सीनेट इत्यादि में मार्गदर्शन में रणनीतिगत स्तर पर शामिल करना (2) उद्योग को पाठ्यचर्या डिजाइन और डिलीवरी, संकाय विकास, कार्यशालाओं/सेमीनारों, नियोजनीयता के लिए तैयार मूल्यांकन इत्यादि के माध्यम से विभिन्न स्तरों पर शामिल करना। कार्यक्रम की प्रभावित को प्राप्त करने के लिए आंतरिक और बाह्य प्रतिभागियों के साथ संचार स्थापित किए जाने की योजना बनाई गई थी।

### प्रमुख घटक:

- उद्योग को शामिल करने के लिए निर्मित दृष्टिकोण
- प्रैक्टिकल और कौशल उन्मुखीकरण पर मजबूत फोकस
- पाठ्येत्तर और सह-पाठ्येत्तर गतिविधियों का बाधारहित समेकन
- संकाय सदस्यों को परिवर्तन में शामिल करना
- ग्रामीण और सामाजिक रूप से पिछड़े छात्रों पर ध्यान केंद्रित करना

संकाय सदस्यों और छात्रों को शामिल करते हुए यह टीम दो भाग में बांटी गई है – रणनीतिगत और संचालन। रणनीतिगत टीम में निदेशक, एसोसिएट डीन (आईई) और संकाय सलाहकार शामिल हैं। संचालन टीम में संकाय सलाहकार, टीपीओ और छात्र समिति शामिल हैं। यह दृष्टिकोण सभी भागीदारों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए अपनाया गया था।

**प्रभाव** नौकरियों और उच्च अध्ययन के लिए छात्रों की तैयारी में सहायता हेतु एक परामर्शदाता कार्यक्रम है। छात्रों के एक समूह को कैम्पस प्लेसमेंट और इंटरनशिप में केंद्रित सहायता हेतु किसी संकाय को सौंपा जाता है। छात्रों के साथ विमर्शों के आधार पर संकाय सदस्य आवधिक रूप से छात्रों के किसी बैच हेतु प्लेसमेंट के लिए रणनीति को निखारने हेतु टीम के साथ साझा करते हैं।

**नियोजनीयता तैयार मूल्यांकन** औपचारिक तंत्र है जिसके माध्यम से छात्रों के नियोजनीयता स्तरों को मापा जाता है। आरंभ में उद्योग विशेषज्ञों को तकनीकी और अन्य पहलुओं के मूल्यांकन के माध्यम से नियोजनीयता तैयारी के आकलन हेतु शामिल किया गया था। छात्रों की बड़ी संख्या को देखते हुए एप्टीट्यूट और रीजनिंग तथा तकनीकी कौशल के मूल्यांकन हेतु एक व्यावसायिक संगठन को नियुक्त किया गया था। छात्रों के साथ फीडबैक को साझा करने के अतिरिक्त छात्रों को सही सहायता सुनिश्चित करने हेतु फीडबैक के साथ प्रभाव परामर्श भी दिए गए थे। नियोजनीयता तैयारी मूल्यांकन संकाय सदस्यों के लिए एक केआरए है और इसका संकाय निष्पादन मूल्यांकन और प्रोत्साहन प्रणाली के भाग रूप में प्रयोग किया जाता है।

**सेमेस्टर-लंबी उद्योग परियोजना** नियोजनीयता तथा अवसरों के नेटवर्क में विस्तार में सुधार हेतु एक अन्य पहल थी। छात्र VII/VIII सेमेस्टर लंबी परियोजनाएं (इंटरनशिप) लेते हैं और 8 क्रेडिट प्राप्त करते हैं। एक क्रेडिट अर्जन घटक होने के नाते एसएलपी की प्रगति को निकटता से मॉनीटर किया जाता है। उद्योग परामर्शदाताओं और संकाय सदस्यों की समिति द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाता है। समीक्षा बैठकें न केवल उद्योग तैयारी हेतु विचारों का अवसर प्रदान करती हैं और संस्थान को तकनीकी स्तर पर अपने उद्योग संबंधों का विस्तार करने में सहायक होत हैं।

**कैरियर दिशा-निर्देश कार्यशालाएं:** प्रत्येक वर्ष कुछ कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। उद्योग जगत के विशेषज्ञ प्रौद्योगिकी की प्रवृत्तियों और कैरियर संभावनाओं का परिदृश्य प्रदान करते हैं। ये कार्यशालाएं विभिन्न उद्योग विशेषज्ञ के साथ नेटवर्क में महत्वपूर्ण होती हैं।

**कैंपस प्लेसमेंट रिकॉर्ड:** पुडिंग का साक्ष्य उसको चखने से पता चलता है। छात्रों के चार वर्ष कैंपस में रहने जिसमें पाठ्येत्तर, सह-पाठ्येत्तर और अन्य पाठ्यक्रम शामिल होते हैं वे सर्वोच्च विश्वविद्यालयों में अच्छी प्लेसमेंट अथवा प्रवेश पाने में परिवर्तित होते हैं। प्लेसमेंट के बारे में हम काफी अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। विगत चार वर्षों से हमने सफलतापूर्वक बड़ी संख्या में स्टार्ट-अप सहित विविध कंपनियों के लिए 8 एलपीए से 20 एलपीए तक का औसत वेतन प्राप्त किया है। वर्ष 2023-24 के हमारा लक्ष्य 25 एलपीए है जो कठिन है परंतु असंभव नहीं है। मैं यूजी-4 छात्रों से इस उपलब्धि को प्राप्त करने के लिए सर्वोत्तम प्रयास करने की कामना करता हूं। प्रत्येक वर्ष कुछ छात्र सर्वोच्च कंपनियों में इंटरनशिप प्राप्त करते हैं और उन्हें प्लेसमेंट में परिवर्तित करते हैं, जो काफी अच्छे वेतन पैकेज के साथ शामिल होता है। मैं 2023 बैच की साथविक वीरामनेनी को बधाई देता हूं जिन्होंने 120 एलपीए के साथ नौकरी प्राप्त की। ये छात्र हमारे आदर्श हैं और हमारे भविष्य के राजदूत हैं।

## 2. उद्योग-संस्थान संबंध

आईआईआईटी श्रीसिटी मुख्यतः आईटी और इलेक्ट्रॉनिक पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक विशिष्ट संस्थान है। वृद्धि और निरंतरता के मद्देनजर उद्योग के संबंध एक महत्वपूर्ण अनिवार्यता रही है। इस चरण में उद्योग संबंधों के निम्नलिखित स्तर योजनागत पहल के माध्यम से प्राप्त किए गए

है:

**शासी बोर्ड** – संस्थान के उद्योग भागीदारों के अतिरिक्त तीन प्रमुख उद्योग अग्रणी बोर्ड के भाग हैं। वे संस्थान के लिए अभिशासन नेतृत्व प्रदान करते हैं। बोर्ड द्वारा संस्थान के लिए सरकार, उद्योग जगत, उद्यमिता पारिस्थितिकी सामाजिक संगठनों इत्यादि से प्रख्यात नेताओं के साथ 15-वर्षीय दृष्टिकोण 5-वर्षीय नीतिगत योजना तैयार करने के लिए एक रणनीति योजना समूह गठित किया गया है।

**शैक्षिक सीनेट** – आईआईआईटीएस संभवतः उद्योग भागीदारी के इस स्तर को प्राप्त करने वाला भारत सरकार का एकमात्र संस्थान है। सीनेट का प्रतिनिधित्व आईबीएम, इंटेल, टीसीएस, पेपाल इत्यादि द्वारा किया जाता है।

**कार्यक्रम सलाहकार समूह** – इन समूहों का गठन विशेषकर समकालीन क्षेत्रों में पाठ्यचर्या विकास हेतु विचार प्रदान करते हुए संस्थान की सहायता के लिए किया गया है। गूगल, टीसीएस, आईबीएम, ईवाई, केपीएमजी, डीएससीआई इत्यादि जैसी संस्थाओं के वरिष्ठ विशेषज्ञों के माध्यम से उद्योग भागीदारी प्राप्त की जाती है।

**संकाय के लिए उद्योग इंटर्नशिप** – सतत उद्योग अनुरूपतः वृद्धि एवं निरंतरता के लिए अत्यधिक अनिवार्य होती है। संस्थान ने उद्योग इंटर्नशिप सहित संकाय विकास की योजना आरंभ की है। संकाय सदस्य 2-3 माह की अवधि के लिए वित्तीय सहायता के साथ कार्य के रूप में ग्रीष्म अवकाश के दौरान इंटर्नशिप करते हैं। कुछ संकाय सदस्यों ने पैडामिक जैसी चुनौतियों के बावजूद ऐसी इंटर्नशिप पूरी की हैं।

**संकाय भर्ती में उद्योग विशेषज्ञ पैनल** – आईआईआईटीएस नए भर्ती संकाय सदस्यों में उद्योग जगत के न्यूनतम स्तर को सुनिश्चित करने के लिए संकाय भर्ती समितियों के भाग के रूप में उद्योग विशेषज्ञों को सह-शामिल करने वाला एकमात्र संस्थान है।

**उद्योगों को शामिल करते हुए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग** जो कि यूके इंडिया ब्रिटिश काउंसिल प्रोजेक्ट के तहत मिडलसेक्स यूनिवर्सिटी के सहयोग से नियोजनीयता में सुधार करने के लिए गठित किया गया है। यह सहयोग उद्योगों के साथ संबंधों से और अधिक मजबूत होता है। वर्तमान संगठनों, जैसे कि आईबीएम सीमेंस, मैथवर्क्स, एनविडिया इत्यादि निरंतर पाठ्यचर्या डिजाइन और डिलीवरी में सुधार करने में शामिल हैं।

**पीएचडी कार्यक्रम में उद्योग भागीदारी** – पीएचडी के साथ विशेषज्ञ और लंबे अनुभव वाले व्यक्तियों को संकाय चयन समितियों का भाग बनने के लिए आमंत्रित किया जाता है। उद्योग विशेषज्ञ पीएचडी छात्र चयन समितियों के भाग के रूप में कार्य करते हैं और डाक्टरल समितियों के सदस्य भी होते हैं।

**नासकोम डीएससीआई के साथ सहयोग:** संस्थान ने कार्यशालाओं, हैकाथन और ऐसी अन्य



गतिविधियों के माध्यम से कौशल विकास हेतु नासकोम डीएससीआई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

### 3. पाठ्यचर्या विकास

संस्थान का फोकस महत्वपूर्ण प्रतिभागी नामतः उद्योग जगत पर था। एक बढ़ते हुए संस्थान होने के नाते जो उद्योग जगत के लिए तैयार स्नातक प्रदान करता है, यह हमारे संस्थान की सर्वोच्च वरीयता रही है। संस्थान के लिए अत्यधिक गुणवत्तावान छात्रों को कार्यक्रमों में आकर्षित करने में यह कार्यक्रम सहायक होगा जिससे विश्व स्तर की संस्था बन सकेगी।

उद्देश्य, आकार और कार्यक्षेत्र: संस्थान ने शुरुआत से ही पाठ्यचर्या डिजाइन और डिलीवरी के लिए अभ्यास-थ्योरी-अभ्यास के सिद्धांत को अपनाया है। तथापि, उद्योग जगत को सक्रिय रूप से शामिल करते हुए कौशल विकास पर फोकस के साथ पाठ्यचर्या को परिवर्तित करने की आवश्यकता है।

**हार्ड स्किल और सॉफ्ट स्किल:** छात्रों को जेईई (मैन) के रैंकों के आधार पर प्रवेश दिया जाता है और यूजी कार्यक्रम के लिए उनकी तैयारी सदैव परिवर्तित होती रहती है। हार्ड और सॉफ्ट स्किल सुनिश्चित करने के लिए एक चरणबद्ध दृष्टिकोण तैयार किया गया। हार्ड स्किल (तकनीकी कौशल) के लिए, बाधारहित पाठ्यचर्या और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों को शामिल करते हुए एक नई पहल आरंभ की गई।

फुल स्टॉक डेवलपमेंट (एफएसडी) ट्रेक – नौकरियों की संभावनाओं पर विचार करते हुए उत्साही तरीके से पाठ्यचर्या तैयार की गई। पाठ्यचर्या की परिकल्पना और डिजाइन के लिए गहन विचार-विमर्श किए गए। उदाहरण के लिए उद्योग में कौशल अंतर को भरने के लिए तीन पाठ्यक्रमों के साथ एक क्षेत्रीय एफएसडी ट्रेक आरंभ किया गया। उद्योग विशेषज्ञों और आंतरिक संकाय की टीम द्वारा ये परियोजना आधारित पाठ्यक्रम पढ़ाये जा रहे हैं। निरंतरता को ध्यान में रखते हुए संकाय सदस्यों को लोकप्रिय प्रशिक्षण कंपनियों के जरिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस पहल ने छात्रों की नियोजनियताओं में अत्यधिक सुधार किया है।

**उद्योग-केंद्रित बीटेक विशेषज्ञता:** उभरते हुए क्षेत्रों में बड़ी संख्या में नौकरियों की संभावनाएं देखी गई थी। यह महसूस किया गया कि इन क्षेत्रों में एक अथवा दो पाठ्यक्रमों के साथ वनीला बीटेक कार्यक्रम अपेक्षित कौशल तैयार करने के लिए पर्याप्त नहीं था। एआई और एमएल, साइबर सुरक्षा, डाटा साइंस, साइबर फिजिकल प्रणाली और तीन पाठ्यक्रमों के ट्रेक के साथ नेक्स्टजैन वायरलैस संचार एवं उद्योग आधारित परियोजना में वर्टिकल विशेषज्ञता। उन वर्टिकल विशेषज्ञताओं को समय के साथ बीटेक कार्यक्रमों में विकसित किया जाना है।

**सेमेस्टर-लंबी उद्योग परियोजना (एसएलआईपी):** हार्ड स्किल विकसित करने का मुख्य लक्ष्य एसएलआईपी के माध्यम से प्राप्त किया जाना रहा है जो न केवल कौशल वृद्धि के अवसर तैयार करता है बल्कि छात्रों की क्षमताओं के उद्योगों में दोहन में सहायक होता है। उद्योग

परामर्शदाताओं सहित 8-क्रेडिट परियोजना का मूल्यांकन उद्योग के घटनाक्रमों और आवश्यकताओं को समझने का अवसर प्रदान करता है।

**फोकस यूजी रिसर्च:** ऐसे बीटेक नौकरियों की संख्या में वृद्धि हुई है जिनमें शोध कौशल की मांग होती है। आईआईटी/एनआईटी सहित कई संस्थाएं इस आवश्यकता को पूरा नहीं करती हैं। आईआईआईटीएस शोध आधारित 16-क्रेडिट बीटेक ऑनर्स कार्यक्रम आरंभ करने वाली पहली संस्था है जिसमें छात्रों को एक शोध पत्र अथवा पेटेंट अवस्था प्रदर्शन योग्य कार्यरत प्रोटोटाइप तैयार करना आवश्यक होता है। अधिकांश छात्र एक सेमेस्टर उद्योग में व्यतीत करते हैं। इन ऑनर्स छात्रों को अन्नय प्रोफाइल के लिए अग्रणी संगठनों द्वारा वरीयता दी जाती है।

**सॉफ्ट स्किल डेवलपमेंट** को पाठ्यचर्या में तकनीकी कौशल के समान रखा गया था। पहले चार सेमेस्टर में संचार कौशल पर चार पाठ्यक्रमों का ट्रैक, नियोजनीयता के लिए सॉफ्ट कौशल संबंधी पाठ्यक्रम और मात्रात्मक एवं रीजनिंग रुझान संबंधी पाठ्यक्रम छात्रों के लिए आवश्यक कौशल प्राप्त करने में सहायक होता है। योग के संबंध में एक क्रेडिट पाठ्यक्रम (आर्ट ऑफ लिविंग के माध्यम से) और व्यक्तिगत वृद्धि कार्यक्रम (एमबीटीआई का प्रयोग करते हुए व्यक्तित्व) के संबंध में एक क्रेडिट पाठ्यक्रम ने स्व-विश्लेषण के माध्यम से छात्र निर्माण विश्वसनीयता में सहायता की। यह सभी पाठ्यक्रम अधिकांशतः उद्योग के बाह्य विशेषज्ञों द्वारा पढ़ाये जाते हैं।

#### 4. एनईपी 2020 कार्यान्वयन

उद्योग-तैयार स्नातक करने के लिए बनाई गई परिणाम आधारित शिक्षा (ओबीई) पाठ्यचर्या 2021-22 शैक्षिक वर्ष से आरंभ की गई।

144 क्रेडिट के साथ बीटेक पाठ्यक्रम आरंभ किया जो छात्रों को अन्य पाठ्यक्रम, सह-पाठ्यक्रम और पाठ्येत्तर गतिविधियों के माध्यम से अपेक्षित नियोजनीयता अथवा शोध कौशल तैयार करने की अनुमति प्रदान करता है।

मानव मूल्यों और नीति में स्थापना, मैक्रो इकॉनामिक्स और व्यक्तिगत वित्त, मौसम परिवर्तन तथा जटिलता, व्यक्तित्व वृद्धि विकास, विकास हेतु आईसीटी, नवाचार और उद्यमिता जैसे पाठ्यक्रमों के माध्यम से छात्रों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए समग्र शिक्षा प्राप्त की जा रही है। छात्रों के लिए *उन्नत भारत अभियान* के अंतर्गत अपनाए गए गांव सामाजिक रूप से संगत प्रौद्योगिकी उन्मुखी समाधान हेतु "यूबीए परियोजना" के क्रेडिट अर्जन हेतु अवसर प्राप्त होता है।

छठे सेमेस्टर में *क्रेडिट हस्तांतरण* योजनाओं के साथ अन्य प्रख्यात संस्थाओं में सेमेस्टरदृलंबा छात्र आदान-प्रदान कार्यक्रम।

एआई और मशीन लर्निंग, साइबर सुरक्षा, डाटा साइंस, साइबर फिजिकल प्रणाली और नेक्स्टजैन वायरलैस संचार जैसे समकालीन क्षेत्रों में 14 अतिरिक्त क्रेडिट प्राप्त किए जाने वाली बीटेक विशेषज्ञता को उद्योग द्वारा विशिष्ट इंजीनियरों की मांग को पूरा करने के लिए आरंभ किया गया

है।

फोकस यूजी रिसर्च – बीटेक ऑनर्स कार्यक्रम में 4-सेमेस्टर शोध के जरिए प्राप्त किए जाने वाले अतिरिक्त 16 क्रेडिट आवश्यक होते हैं जिनसे आईपी अथवा प्रोटोटाइप अथवा प्रकाशन प्राप्त होते हैं।

में वर्तमान छात्रों को स्वयं को सफल कैरियर और जीवन के लिए तैयार करने हेतु हमारे शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया की सर्वोत्तम विशिष्टताओं का लाभ उठाने की कामना करता हूँ।

## 5. शोध एवं विद्वत् प्रकाशनों का संवर्धन

एक सकारात्मक शोध संस्कृति का शोध हेतु पर्याप्त सहायता के साथ संस्थान में सृजन किया गया है। संस्थान ने विगत पांच वर्षों में 10 करोड़ से अधिक मूल्यों की 26 से अधिक शोध/परामर्शी परियोजनाएं प्राप्त की हैं। जर्नल/सम्मेलन प्रकाशनों की संख्या 200 से अधिक हैं और संकाय सदस्यों द्वारा 11 पेटेंट दायर किए गए हैं।

संस्थान आंतरिक राजस्व से पीएचडी और एमटेक फेलोशिप प्रदान करता है। संस्थान से इन वर्षों में 8 पीएचडी छात्र और 10 एमएस छात्र स्नातक हुए हैं। वर्तमान में 26 पीएचडी छात्र पीएचडी कार्यक्रम में अध्ययनरत हैं।

डीआरडीओ, इसरो, इत्यादि जैसी भारत सरकार की प्रयोगशालाओं से आईटी व्यावसायिक और वैज्ञानिकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक अन्नय अंशकालीन पीएचडी कार्यक्रम आरंभ किया गया है। हमने अग्रणी संगठनों के 13 अंशकालीन पीएचडी छात्रों को प्रवेश प्रदान किया है।

## 6. नवाचार और उद्यमिता

एमईआईटीवाई की टीआईडीई-2 योजना के माध्यम से 3.12 करोड़ रुपए के निधियन के साथ वर्ष 2020 में एक प्रौद्योगिकी व्यापार इंक्यूबेटर, ज्ञान सर्कल वेंचर (सीआईडीआई) का गठन किया गया है। श्री रमेश पोखरियाल, माननीय शिक्षा मंत्री द्वारा स्वास्थ्य देखभाल, कृषि और ऊर्जा इत्यादि सहित विभिन्न क्षेत्रों में पहले ही 20 स्टार्ट-अप के संबंध में जीसीवी आरंभ किए गए हैं।

राष्ट्रीय महत्व के साथ जीवीसी संस्थाओं और संभावित उद्यमियों के लाभार्थ अन्य पारिस्थितिक विकास गतिविधियां संचालित कर रहा है।

स्थापित ई-प्रकोष्ठ, एक छात्र-संचालित समूह और संस्था एआईसीटीई, शिक्षा मंत्रालय के संस्थान नवाचारी प्रकोष्ठ का संचालन करता है।

## 7. छात्र केंद्रीकरण का संवर्धन

छात्रों को अगली पीढ़ी की संस्थाओं में केंद्र के चरण में लाना और उनका सशक्तिकरण मूल मुद्दा बन गया है। छात्रों को एक निर्मित पहल के माध्यम से संस्थान की सभी गतिविधियों के साथ समेकित किया जाता है। इस दृष्टिकोण से छात्र सशक्त हुए हैं और संस्थान के एकीकृत वृद्धि प्राप्त करने में समर्थ हुए हैं।

छात्र शैक्षिक परिषद् (एसएसी) द्वारा शैक्षिक प्रणालियों प्रक्रियाओं के संबंध में निरंतर एवं पूर्वगामी विचार एवं फीडबैक प्रदान किए जाते हैं।

छात्र विकास परिषद् (एसडीसी) द्वारा तकनीकी, सांस्कृतिक और सामाजिक क्लबों के माध्यम से सभी विकास गतिविधियों का नेतृत्व किया जाता है।

छात्र जीवन परिषद् (एसएलसी) संसाधनों की आयोजना और कार्यान्वयन में भागीदारी के माध्यम से भोजनशाला और छात्रावास तथा खेलों के क्षेत्र में प्रशासन की सहायता करता और प्रभावी कार्यकरण के लिए समुचित एवं समयबद्ध फीडबैक प्रदान करता है।

## 8. अत्यधिक योग्य संकाय संसाधन

संस्थान का दृढ़ विश्वास है कि अच्छे संकाय छात्रों के अधिगम में मार्गदर्शी हो सकते हैं और इस प्रकार उसने सर्वोत्तम संकाय सदस्यों को भर्ती करने और बनाए रखने के प्रयास किए हैं जो भारत (सर्वोच्च आईआईटी सहित) और विदेशों की वैश्विक रूप से ज्ञात संस्थाओं के पूर्व छात्र रहे हैं।

प्रत्येक छः माह में आगामी सेमेस्टर को ध्यान में रखते हुए संकाय चयन प्रक्रिया संचालित करते हुए चरणबद्ध भर्ती की प्रक्रिया अपनाई गई थी। विदेशी विश्वविद्यालयों के पीएचडी और पोस्ट डॉक्टोरल अर्हक अभ्यर्थियों को वापस लाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। संकाय सदस्यों में क्षेत्रीय और जेंडर विविधता सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट ध्यान दिया जाता है।

सरकारी संस्थाओं में संकाय सदस्यों के लिए निर्मित निष्पादन मूल्यांकन और प्रोत्साहन योजना आरंभ की गई है ताकि भारत और विदेशों के अत्यधिक उत्पादक संकाय सदस्यों को आकर्षित किया है और उन्हें बनाए रखा जा सके।

नए संकाय सदस्यों को उद्योगों में ग्रीष्म इंटर्नशिप करने के अवसर प्रदान किए जाते हैं और इंटर्नशिप अवधि को ऑन-ड्यूटी माना जाता है तथा वार्षिक निष्पादन के भाग के रूप में उसे लिया जाता है।

हमें उन संकाय साथियों का धन्यवाद और समर्थन करने की आवश्यकता है जिन्होंने आयोजना का सफल बनाया है और विगत पांच वर्षों में सभी अन्नय पहलों के कार्यान्वयन का नेतृत्व किया है।

## 9. संकाय विकास योजना

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों के संकाय विकास हेतु 2.50 करोड़ रुपए प्रदान करता है। अधिकांश आईआईआईटी इस अनुदान का व्यावसायिक विकास भत्ते (पीडीए) के कार्यान्वयन करने का उपयोग करते हैं।

एनईपी 2020 की नई पहलों और अपेक्षित लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण घटकों को समर्थ बनाने और उनमें सहयोग करने के उद्देश्य से संकाय विकास हेतु एक अन्नय और विशेष कार्यक्रम विकसित और कार्यान्वित किया गया है।

विकास के क्षेत्रों में शामिल हैं – शिक्षण और अधिगम, शोध एवं विकास, नवाचार और उद्यमिता तथा प्रशासन एवं सामाजिक विकास।

उद्योग, शोध प्रयोगशालाओं, विदेशी विश्वविद्यालयों, सामाजिक संगठनों को शामिल करते हुए चार क्षेत्रों में विकास की विशिष्ट मदों ने निष्कर्ष और प्रभावों को लक्षित किया है।

युवा संकाय विकास कार्यक्रम में चुने गए क्षेत्रों में हाल ही के घटनाक्रमों के लिए ग्रीष्म के उद्योग इंटरनशिप शामिल हैं।

## 10. स्कूली बच्चों के लिए फ्यूचर ब्राइट इनोवेटर्स कैंप

एफबीआई कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार का परिदृश्य प्रदान करना और सृजनात्मकता एवं नवाचार को प्रोत्साहित करना है।

एक 3-दिवसीय शिविर का आयोजन जिसमें चेन्नई, बंगलौर और नेल्लोर के विभिन्न स्कूलों के 50 से अधिक बच्चों ने इस शिविर में भाग लिया।

जबकि 2020 में, कोरोना महामारी के कारण संस्थान ने "सीएसई और ईसीई ने प्रौद्योगिकीय प्रवृत्ति – कैरियर और उच्च अध्ययन अवसर" शीर्षक के फ्यूचर ब्राइट इनोवेटर्स कार्यक्रम श्रृंखला के भाग के रूप में वेबीनार कार्यक्रम का आयोजन किया।

आईआईआई श्री सिटी के संकाय सदस्यों को ऐसे भविष्य के छात्रों की झलक देखने को प्राप्त हुई जिन्होंने सीखने में काफी उत्सुकता दिखाई और विचार-विमर्शों में अत्यधिक ऊर्जा का प्रदर्शन किया।

## 11. समावेशी अधिगम वातावरण

धीमी गति से सीखने वाले उन छात्रों के लिए 'फेवराइट-25' परामर्श कार्यक्रम आरंभ किया जो

मुख्यतः अल्प सामाजिक-आर्थिक और ग्रामीण पृष्ठभूमि से संबंध रखते हैं। संकाय, छात्रों, कर्मचारियों और अन्यो ने इन छात्रों की उनके निष्पादन में सुधार करने के लिए स्वैच्छिक रूप से सहायता के प्रयास किए। यह कार्यक्रम छात्रों को सक्षमताओं के अपेक्षित स्तर प्राप्त करने में सहायक होता है और इससे छात्र उच्च सेमेस्टर की ओर अग्रसर होने के लिए पूर्णतः तैयार होते हैं।

इसके अतिरिक्त, प्रत्येक परियोजना आधारित गतिविधि में छात्रों का सम्मिश्रण होता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि धीमी गति से सीखने वाले छात्र प्रमुख अधिगम के माध्यम से लाभान्वित हो सके। इसके साथ ही, फॉर्मेटिव मूल्यांकन धीमी गति से सीखने वाले छात्रों की पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण होने में और विश्वास के साथ ऊंचे सेमेस्टर की ओर अग्रसर होने में सहायक होता है।

छात्र विकास पहलों की पहचान और सहायता के लिए "उन्नत भारत अभियान" गांव के जरिए समुदाय के साथ शामिल होते हैं जिससे गांव में निरंतर विकास होता है। ये पहलें छात्रों को उनके शुरूआती वर्षों में सामाजिक फोकस विकसित करने में सहायक होती है।

## 12. सामाजिक विकास – उन्नत भारत अभियान

वर्ष 2018 में पास-पड़ोस में उन्नत भारत अभियान के तहत 5 गांव अपनाए गए और विगत चार वर्षों में इन गांव में कई सामाजिक विकास गतिविधियां संचालित की गईं। छात्रों को उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत अपनाए गए गांव में सामाजिक रूप से संगत प्रौद्योगिकी उन्मुखी हल निर्माण के लिए एक क्रेडिट-अर्जन "यूबीए प्रोजेक्ट" परियोजना लेने का अवसर प्राप्त होता है। स्थानीय अस्पतालों के साथ चिकित्सा शिविरों, डिजिटल जागरूकता सृजन, ग्रामीण खेल, स्वास्थ्य-स्वच्छता जागरूकता, स्कूली बच्चों के लिए कंप्यूटर प्रशिक्षण, सड़क सुरक्षा जागरूकता शिविर, इत्यादि की श्रेणी में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। ये गतिविधियां संस्थान के उद्योग भागीदार श्री सिटी की सीएसआर टीम द्वारा समर्पित होती है।

बीटेक के छात्रों के लिए "मानवीय मूल्यों में नींव" के संबंध में एक क्रेडिट पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए आर्ट ऑफ लिविंग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता ज्ञापन आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया।

200 वाट की ईआरपी समुदाय रेडिया स्टेशन (सीआरएस) की स्थापना हेतु प्रस्ताव सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की समीक्षाधीन है। आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के 60 गांव और पुलिकट लेक (बंगाल खाड़ी) में स्थित 2 द्वीप समूह (इरुकम और वेनाडू) में रहने वाले सुदूर समुदायों तक पहुंच के लिए इस रेडियो का प्रस्ताव किया गया है। प्रस्तावित सीआरएस से स्थानीय क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक विकास होने की संभावना है और इससे उन्नत भारत अभियान के तहत अपनाए गए गांवों में संस्थान की बेहतर सहभागिता का अवसर प्राप्त होगा।

### 13. वित्तीय एवं संसाधन प्रबंधन

संस्थान के लिए वित्तीय संसाधनों का प्रबंधन काफी महत्वपूर्ण है जिसकी पीपीपी मॉडल में स्थापना की गई है। राजस्व सृजित करने वाले अवसरों को तैयार करने और साथ ही लघु एवं दीर्घकालीन दोनों तरीके से संस्थान के संचालन व्यय को ईष्टतम बनाने की आवश्यकता है।

राजस्व में वृद्धि जेईई मैग, डीएएसए के माध्यम से अधिक छात्रों को प्रवेश देने, स्टडी इन इंडिया कार्यक्रम और अंशकालीन पीएचडी छात्रों के प्रवेश से प्राप्त की जाती है।

गैर-मूल्यवर्धन गतिविधियों को हटाने और संसाधनों तथा मौजूदा शैक्षिक अवसंरचना का प्रभावी रूप से प्रयोग करते हुए ईष्टतम संचालन लागत को प्राप्त किया जाता है।

मैं हमारे छात्रों से अत्यधिक प्रसन्न हूँ। उन्होंने इस तथ्य के बावजूद सदैव प्रशासन का सहयोग किया है कि अवसंरचना पर्याप्त नहीं रही है। उदाहरण के लिए, छात्रों के बैच समुचित खेल सुविधाओं, कार्यशालाओं, विश्राम स्थलों इत्यादि के बगैर स्नातक हुए हैं। मैं विभिन्न प्रशासनिक बाधाओं के कारण इन अवसंरचनात्मक घटकों को सृजित न कर पाने के लिए उनसे क्षमा मांगता हूँ। तथापि, दो बड़े छात्रावास ब्लॉकों और एक भोजनशाला कक्ष के अतिरिक्त जोकि वर्तमान शैक्षिक वर्ष में तैयार हो जाएंगे, अब हम बहु परियोजनाओं की ओर अग्रसर हो गए हैं (छात्रावास ब्लॉक, इंडोर स्टेडियम, कैंटीन सह छात्र गतिविधि केंद्र, संकाय अपार्टमेंट, चार-दीवारी इत्यादि) जिसका परिव्यय 100 करोड़ रुपए हैं और आगामी 12 से 15 माह में हमारे पास पूर्णतः सुरक्षित और संरक्षित वातावरण होगा।

### 14. संस्थान को उसके भविष्य के लिए तैयार करना – रणनीतिगत सलाहकार समूह

संस्थान के लिए एकीकृत दिशा और वृद्धि की नीति तैयार करने के लिए मैंने 15-वर्षीय दृष्टिकोण और 5-वर्षीय रणनीतिगत योजना आरंभ करने के लिए शासी निकाय के प्रयास शुरू किए हैं। इस संबंध में मैंने भारत और विदेश दोनों से उद्योग, सरकार, शैक्षिक, सिविल सोसाइटी इत्यादि जैसी ईकाइयों के विभिन्न प्रतिभागियों से प्रख्यात विशेषज्ञों के साथ एक रणनीतिगत सलाहकार समूह (एसएजी) का गठन भी आरंभ किया है। यह एसएजी 15-वर्षीय दृष्टिकोण और 5-वर्षीय लक्ष्य-सह-नीति योजना तैयार करने में मूल्यवान विचार और दिशा-निर्देश प्रदान करेगा। संस्थान के आगामी दशकीय समारोह में इस दृष्टिकोण और रणनीति को आरंभ किए जाने का प्रस्ताव है।

### 15. राष्ट्रीय रूप से संगत और अंतर्राष्ट्रीय रूप से मान्यता प्राप्त उद्यमिता संस्था

यह संस्थान उद्योग और समाज पर अप्लाइड शोध पर ध्यान केंद्रित करते हुए, आईटी के उभरते हुए क्षेत्रों में नौकरियों के लिए अत्यधिक कुशल स्नातक तैयार करने, नवाचार और उद्यमशीलता का संवर्धन करने और पास-पड़ोस में निरंतर समुदायों को समर्थ बनाने हेतु राष्ट्रीय वरीयताओं पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगा। इसी के साथ ही, शोध एवं शैक्षिक के माध्यम से प्रसिद्ध

अंतर्राष्ट्रीय स्थान प्राप्त करने हेतु चरणबद्ध प्रयास भी करता रहेगा। ये सभी प्रतिभागियों विशेषकर उद्योग भागीदारों की सक्रिय भागीदारी के साथ अनिवार्य रूप से पूरे किए जाएंगे।

इस संस्थान के उद्यमशील होने के नाते, इसके अवसरों का लाभ उठाने और चुनौतियों का प्रबंधन करने, गैर-पारंपरिक पहलों को समाविष्ट करने के लिए समझदारीपूर्ण, सक्षम, लोचशील और अपनाए जाने वाले प्रयासों की आवश्यकता है।

संस्थान को शिक्षण पर वर्तमान फोकस के अतिरिक्त शोध संस्थान के रूप में परिवर्तित होने की आवश्यकता है। शोध अवसंरचना तैयार करने, संकाय सदस्यों के लिए आंतरिक प्रतियोगी शोध का पता लगाने, यूजी शोध के संवर्धन पर नवीन फोकस स्थापित करने, संकाय स्टार्ट-अप, सक्रिय उद्योग-आधारित शोध, इत्यादि की आवश्यकता है।

संस्थान के पहले 10 वर्षों में सक्षमता और संस्कृति की मजबूत नीति स्थापित की गई है। 15-वर्षीय दृष्टिकोण और 5-वर्षीय नीति योजना संस्थान को एक स्वायत्त, गैर-लाभकारी, आत्मनिर्भर, शोध-संचालित शिक्षा संस्थान के दृष्टिकोण की ओर परिवर्तित कर देगी।

मैं इस अवसर पर शासी मंडल के अध्यक्ष और सदस्यों का पिछले पांच वर्षों के दौरान उनके मूल्यवान सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता हूँ।

प्रो. जी. कन्नाबिरन  
निदेशक



## 2. संस्थान के रूप में आईआईआईटीएस

### 2.1 संस्थान के बारे में

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी, चित्तूर जिसे आईआईआईटी श्री सिटी के रूप में जाना जाता है, की स्थापना शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी में नए ज्ञान को विकसित करने और सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के लिए वैश्विक मानक के श्रमिक प्रदान करने और ऐसी संस्थाओं के साथ जुड़े अन्य मामलों अथवा उस प्रकार की संस्थाओं की सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से संसद के अधिनियम द्वारा राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में 2013 में की गई थी। इसके भागीदार भारत सरकार, आंध्र प्रदेश सरकार और श्री सिटी फाउंडेशन है। इस योजना के अंतर्गत संस्थान की स्थापना वर्ष 2013 में भारत सरकार (50% योगदान), आंध्र प्रदेश की सरकार (35% भागीदारी) और श्री सिटी फाउंडेशन (15%) भागीदारी के बीच भागीदारी के साथ की गई थी।

वर्ष 2011 में भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) पद्धति से 20 नए भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) की स्थापना की योजना की घोषणा की थी। इस योजना में स्वायत्त, नॉट फॉर प्रोफिट, आत्म निर्भर, शोध संचालित, शैक्षिक संस्थानों की परिकल्पना की गई है जो भारत की अर्थव्यवस्था और उद्योग जगत महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वैश्विक प्रतिस्पर्धा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इन संस्थानों से चुने हुए क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त सूचना प्रौद्योगिकी अनप्रयुक्त शोध एवं शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने की आशा की जाती है। आईआईआईटी श्री सिटी चित्तूर को दिनांक 02 सितंबर, 2013 को सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के अंतर्गत सोसाइटी रजिस्ट्रार के पास पंजीकृत किया गया। तदंतर, इसे 09 अगस्त, 2017 को भारत के राजपत्र द्वारा संसद के एक अधिनियम के माध्यम से इसे राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया।

### 2.2 लक्ष्य, दृष्टिकोण और उद्देश्य

#### 2.2.1 लक्ष्य

आईआईआईटी का लक्ष्य सूचना प्रौद्योगिकी और अन्य संबद्ध इंजीनियरिंग विषयों में ज्ञान के सृजन एवं प्रसार में उत्कृष्टता के उच्च मानक प्राप्त करना है।

#### 2.2.2 दृष्टिकोण

राष्ट्रीय रूप से संगत और अंतर्राष्ट्रीय रूप से मान्यता प्राप्त उद्यमिता संस्थान।

### 2.2.3 उद्देश्य

- सूचना प्रौद्योगिकी तथा ज्ञान के संबद्ध क्षेत्रों में अग्रणी संस्थानों में से एक बनना
- सूचना प्रौद्योगिकी तथा संबद्ध क्षेत्रों में नए ज्ञान एवं नवाचार को आगे बढ़ाना ताकि राष्ट्र वैश्विक संदर्भ में सशक्त बन सकें;
- सक्षम एवं मजबूत युवा तैयार करना जो देश की ज्ञान आवश्यकताओं को पूरा करने और सूचना प्रौद्योगिकी एवं संबद्ध क्षेत्रों में वैश्विक नेतृत्व प्रदान करने के लिए सामाजिक और पर्यावरणीय अभिमुखीकरण के साथ नवाचार एवं उद्यमिता की भावना से युक्त हो;
- विभिन्न पदों, शैक्षिक मूल्यांकन, प्रशासन और वित्त के लिए प्रवेश, नियुक्ति के मामले में अधिकतम स्तर की पारदर्शिता का संवर्धन करना और उसे प्रदान करना।

## 2.3 अभिशासन

### 2.3.1 शासी मंडल (बीओजी)



श्री एम बालासुब्रमण्यम  
बोर्ड निदेशक और प्रौद्योगिकी लीडर  
संस्थापक और सीईओ, सट्रेटइन्फिनिटी इंक  
अध्यक्ष, आईआईआईटी श्रीसिटी, चित्तूर दिनांक 26 अगस्त, 2020 से

श्री बाला का नीतियां बनाने और उन्हें प्रभावकारी बनाने में सिद्ध विशेषज्ञता और नेतृत्व के साथ प्रौद्योगिकी समर्थित व्यापार परिवर्तन के माध्यम से संगठनकारी क्षमताओं के निर्माण और मूल्यों के सृजन का शानदान ट्रैक रिकार्ड है जिसका उद्देश्य बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं, बीमा, सॉफ्टवेयर विकास, दूरसंचान, उच्च शिक्षा कार्यों में बहुराष्ट्र – वैश्विक क्षमता केन्द्रों का निर्माण और प्रबंधन करना है और बीएफएसआई तथा उच्च शिक्षा कार्यों के क्षेत्र में सफलतापूर्वक प्रबंधित आमेलन और अर्जन तथा वैश्विक रूप से संयुक्त उद्यमों को तैयार करना है।

उन्हें आईटी उद्योग में दो दशकों का अनुभव है और उन्होंने सिटीबैंक, पोलारिस, डन एंड ब्रैडस्ट्रीट यूएसए, ट्रांसयूनियन यूएसए सहित कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ काम किया है। वे बाला हायर वन इंडिया एनवाईएसई सूचीबद्ध वित्तीय सेवा कंपनी के संस्थापक निदेशक और ब्लैकबोर्ड इंक यूएसए के संस्थापक प्रबंध निदेशक थे, जो दुनिया की सबसे बड़ी शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी है, और दुनिया के 90 देशों में 20000+ विश्वविद्यालयों को कवर करते हुए 120 मिलियन छात्रों की सेवा करती है, भारत में आर एंड डी केंद्र का प्रबंधन करती है। एक्सपोनेंशियल

टेक्नोलॉजी का उपयोग करके उत्पाद विकास के लिए जिम्मेदार बाला ने उच्च शिक्षा के छात्रों, संकाय सदस्यों और विश्व स्तर पर विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के निदेशकों के साथ घनिष्टता से बातचीत की है, छात्रों और संकाय सदस्यों के आकलन के लिए सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन प्रदान करके सफलता की स्थापना की है। वह वैश्विक संगठनों के लिए भारत में प्रौद्योगिकी और उत्पाद इंजीनियरिंग केंद्रों के निर्माण में एक सफल परिवर्तनकारी नेता हैं।

श्री बाला ने सीआईबीआईएल (भारतीय क्रेडिट ब्यूरो) और श्रीलंका, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात-दुबई और नाइजीरिया के क्रेडिट ब्यूरो के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने तमिलनाडु राज्य में कैप्टिव कंपनी के पारिस्थितिकी तंत्र (एमएनसी कंपनियों) के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

वर्तमान में बाला एक वैश्विक परामर्श फर्म स्ट्रैटिनिफिनिटी के संस्थापक और सीईओ हैं जिसका मुख्यालय संयुक्त राज्य अमेरिका में है और इसके कार्यालय लंदन यूके, चेन्नई भारत में हैं। बाला पॉन्टेक यूके में जनरल पार्टनर और चीफ डिजिटल ऑफिसर भी हैं। बाला चेंज पॉन्ड टेक्नोलॉजीज, एडसिक्स ब्रेन लैब, थिंकइनफिनिटी इंक, यूबिकिटी इंक सहित कुछ आईटी/आईटीईएस/स्टार्टअप कंपनियों के बोर्ड सलाहकार हैं।

उपरोक्त उपलब्धियों के अलावा, बाला ने तमिलनाडु सरकार की प्रौद्योगिकी पहल और तमिलनाडु राज्य में टेक कैप्टिव ग्लोबल कंपनी इको सिस्टम के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री बाला ने तमिलनाडु पुलिस विभाग की विभिन्न प्रौद्योगिकी पहलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री बाला ने निम्नलिखित को शामिल करते हुए मानद और सलाहकार भूमिकाओं पर कई असाइनमेंट के संबंध में शिक्षा मंत्रालय और एमईआईटीवाई, भारत सरकार के साथ मिलकर काम किया है:

- 2017–2019 के बीच नासकॉम जीसीसी परिषद के अध्यक्ष और जीसीसी राष्ट्रीय परिषद के सदस्य।
- बाला ने 2015–2017 के बीच टीएन और केरल के लिए नासकॉम जीसीसी परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया।
- सदस्य सीवाईसीओआरडी – गृह मंत्रालय, भारत सरकार।
- सदस्य अध्ययन बोर्ड, रामानुजम गणित संस्थान, मद्रास विश्वविद्यालय।
- बोर्ड निदेशक, सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (सीआईईडीआई), एमईआईटीवाई, भारत सरकार द्वारा।
- बाला मद्रुरै कामराजर विश्वविद्यालय में सीनेट सदस्य थे, जिन्हें तमिलनाडु के महामहिम राज्यपाल द्वारा नियुक्त किया गया था।

- राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड, एमएसएमई और स्टार्टअप फोरम – भारत।
- राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा और एमसीएचएम की मानव संसाधन समिति के सदस्य (2015–2020)।
- समिति सदस्य, मानव संसाधन, शिक्षा और कौशल विकास, सीआईआई एंड टीएन क्षेत्र (2016–2019)
- जून 2021 में आयोजित एनईटीएफ प्रारंभिक चर्चा मंच का हिस्सा।

मद्रास विश्वविद्यालय से प्रबंधन में स्नातक और स्नातकोत्तर के अलावा, वे आईआईएम-कोलकाता के पूर्व छात्र हैं, टेक्सास विश्वविद्यालय से एआई/एमएल में पीजी धारी और उन्होंने लंदन के इंपीरियल कॉलेज से ग्लोबल मर्जर एंड में कार्यकारी कार्यक्रम भी किया है। उनकी रुचि के क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, ब्लॉक चेन और डेटा एनालिटिक्स सहित सभी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां शामिल हैं और उनकी परिणाम आधारित शिक्षा के लिए मार्ग प्रशस्त करने वाले उद्योग-अकादमिक सहयोग के निर्माण के प्रति गहरी रुची हैं।

रुचि के क्षेत्र: एआई/एमएल, साइबर सुरक्षा, डिजिटल ट्विन, क्वांटम कंप्यूटिंग, डेटा गवर्नेंस, डिजिटल गोपनीयता, एक्सए (सेवा के रूप में सब कुछ) और आईओबी (इंटरनेट ऑफ बिहेवियर) हैं।

फोकस के क्षेत्र: स्टार्टअप- उद्योग – अकादमिक सहयोग, भारत में नए कैप्टिव सेंटर (आर एंड डी जीसीसी), भारत में उच्च शिक्षा में ओबीई, उद्योग की तैयारी के लिए छात्रों के बीच अपस्किलिंग और रीस्किलिंग, भारत दुनिया का डिजिटल समाज बनने के लिए।

#### सदस्यगण:



**श्री राकेश रंजन**  
अपर सचिव (तकनीकी शिक्षा)  
उच्चतर शिक्षा विभाग, एमएचआरडी  
नई दिल्ली

वह आईआईटी कानपुर से यांत्रिक इंजीनियरिंग स्नातक है। उन्होंने 1992 में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) ज्वाइन की। पिछले 25 वर्षों के दौरान उन्होंने 14 से अधिक वर्षों में भारत के कुछ अत्यधिक कठिन क्षेत्रों (त्रिपुरा, झारखंड और मणिपुर राज्यों) तथा भारत सरकार के 05 (पांच) मंत्रालयों/विभागों – रक्षा, विदेश कार्य, संस्कृति, उच्चतर शिक्षा और फार्मासियुटिकल में कार्य किया है।



श्री जे. श्यामला राव,  
आईएस सचिव,  
सरकार उच्च शिक्षा  
विभाग, आंध्र प्रदेश  
सरकार

श्री जे. श्यामला राव आंध्र प्रदेश सरकार, उच्च शिक्षा विभाग / प्रधान सचिव (एचई) आंध्र प्रदेश सरकार के सचिव हैं। वह 1997 बैच कैंडिडेट के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं।



श्री श्रीनिवास सी. राजू  
अध्यक्ष, श्रीसिटी फाउंडेशन

श्री चिंतालापति श्रीनिवास राजू श्री सिटी के अध्यक्ष हैं जो कि दक्षिण भारत में सबसे बड़ा समेकित व्यापार शहर है।

श्री चिंतालापति श्रीनिवास राजू जिन्हें वृहत रूप से श्रीनि राजू के रूप में जाना जाता है, एक भारतीय उद्यमी और निजी इक्विटी निवेशक हैं। श्रीनि राजू दून एंड ब्राड स्ट्रीट सत्यम सॉफ्टवेयर, 1994 में स्थापित दून एंड ब्राड स्ट्रीट की इनहाउस टेक्नोलॉजी यूनिट जो दून एंड ब्राड स्ट्रीट के व्यापार के लिए बड़े स्तर की आईटी परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करती है, के संस्थापक सीईओ और एमडी है। डीबीएसएस को बाद में कॉग्नीजेंट का नाम दिया गया।

तत्पश्चात् श्रीनिवास पीपल कैपिटल (आईलेब्स वेंचर्स कैपिटल फंड), हैदराबाद तथा चेन्नई में स्थित एक निजी इक्विटी (पीई) फर्म के सह-संस्थापक तथा अध्यक्ष बने। अगली पीढ़ी के उद्यमियों को वित्त-पोषण तथा परामर्श के अतिरिक्त वे उच्च शैक्षिक शिक्षण संस्थाओं के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

श्रीनिवास उटाह स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए से सिविल तथा पर्यावरण इंजीनियरिंग में एमएस तथा आरईसी (एनआईटी), कुरुक्षेत्र से ऑनर्स के साथ सिविल इंजीनियरिंग में बीएस है।

श्रीनिवास शिक्षा और कौशल विकास के प्रति अति समर्पित है। वे अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), हैदराबाद की शासी परिषद के संस्थापक सदस्य और सदस्य; भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्री सिटी के भागीदार (डोनर) तथा शासी मंडल के सदस्य; इंडियन स्कूल ऑफ बिजिनेस (आईएसबी) के एक्जीक्यूटिव बोर्ड सदस्य तथा श्रीनि राजू सेंटर फॉर नेटवर्क इकनॉमी (एसआरआईटीएनई) के बेनीफैक्टर; केआरईए विश्वविद्यालय के सह-प्रायोजक

(डोनर) और बोर्ड सदस्य; तथा टी-हब, हैदराबाद के संस्थापक सदस्य एवं बोर्ड सदस्य हैं।



**श्री रवींद्र सन्नारेड्डी**  
प्रबंध निदेशक, श्री सिटी (प्रा.) लिमिटेड

श्री रवींद्र सन्नारेड्डी श्री सिटी के प्रबंध निदेशक हैं जो कि दक्षिण भारत में सबसे बड़ा समेकित व्यापार शहर हैं। वे लगभग 2 दशकों से हाईटेक उद्यमों के सृजन और अनुरक्षण में रत रहे हैं। आज रवी अवसंरचना विकास एवं अन्य संबद्ध व्यापार में विविध रुचि के साथ एक स्थापित उद्योग-कप्तान हैं।

रवी एक प्रथम पीढ़ी के युवा उद्यमी की सफलता की कहानी को भी समाहित करते हैं जिनकी जड़े ग्रामीण पृष्ठभूमि की हैं और जिन्होंने थोड़े समय में गहन अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप और आकार में अपने व्यक्तिव एवं अपने व्यापार का विकास किया है।

“माटी के बेटे”के रूप में उनन्होंने समाज को वापस देने और आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्र जहां वे पैदा हुए थे, का उत्थान करने का निर्णय लिया। उन्होंने श्री सिटी के निर्माण में स्थानीय समुदायों में उनकी मजबूत जड़ों के साथ विदेश में रहने और व्यापार करते हुए प्राप्त किए गए गहन अनुभव को समेकित किया, जो कि भारत में नए शहरीवाद का एक अनूठा उदाहरण है। वे अपनी टीम का विश्व की सर्वोत्तम कंपनियों के गंतव्य के रूप में श्री सिटी को अपने लक्ष्य बनाने हेतु नेतृत्व करने में सफल रहे हैं।

वे जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी, बाल्टीमोर, मेरीलैंड, यूएसए से पर्यावरण इंजीनियरिंग में एम.एस.ई. डिग्री तथा उठा स्टेट यूनिवर्सिटी, लोगान, उठा, यूएसए से जल संसाधन प्रबंधन में एम.एस. डिग्री तथा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (पूर्व आरईसी), तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु, भारत सरे सिविल इंजीनियरिंग में बी.एस. डिग्री धारी हैं। वे भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, श्री सिटी के शासी मंडल के सदस्य हैं।



**श्री. श्रीनिवास पेदाडा**  
वरिष्ठ सलाहकार  
जनरल अटलांटिक, हैदराबाद

श्रीनिवास पेदाडा जनरल अटलांटिक में एक वरिष्ठ सलाहकार हैं, जो भारत और दक्षिण पूर्व एशिया में प्रौद्योगिकी क्षेत्र में फर्म की निवेश टीमों और पोर्टफोलियो कंपनियों को रणनीतिक समर्थन और सलाह प्रदान करने के लिए आईटी अनुप्रयोगों और बुनियादी ढांचे में 25 से अधिक वर्षों के अनुभव पर आधारित हैं। 2020 में जनरल अटलांटिक में शामिल होने से पहले, श्रीनिवास

निम्नलिखित पदों पर थे।

- मुख्य सूचना अधिकारी—भारत वित्तीय समावेशन लिमिटेड 2012—2020:
- मुख्य सूचना अधिकारी—डी एंड बी दक्षिण एशिया, मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका समूह 2007—2012
- मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, एआईजी (2006 – 2007)
- मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, जीई फाइनेंस इंडिया रीजन और जीई ग्लोबल सपोर्ट टीम (2005—2006)—प्रौद्योगिकी रणनीति और संचालन का प्रबंधन
- मुख्य वास्तुकार, आईबीएम: 1995 – 2005
- वरिष्ठ प्रणाली विश्लेषक, टीसीएस (1992—1995)



**सुश्री शालिनी कपूर**  
अध्यक्ष एवं मुख्य प्रौद्योगिकीविद्  
एडब्ल्यूएस भारत

शालिनी कपूर एआई के संचार को अधिकतम करने के लिए अनुसंधान, रणनीति और विकास को आगे बढ़ाती हैं। वह आईबीएम की एआई बाजार—अग्रणी क्षमताओं का नेतृत्व कर रही है, लगातार, पुनः प्रयोज्य कार्यान्वयन पैटर्न, व्यवसाय परिवर्तन और मूल्य चला रही है, और एआई को व्यावसायिक उपयोगकर्ताओं के लिए सुलभ और उपयोग करने योग्य बना रही है, न कि केवल डेटा वैज्ञानिकों के लिए। वह संज्ञानात्मक अनुप्रयोगों के भीतर और पूरे भारत में एआई कौशल और अपनाने के लिए अभिनव और आकर्षक कार्यक्रमों का नेतृत्व करती है। वह 23 साल के कार्य अनुभव के साथ एक नवप्रवर्तनक और प्रौद्योगिकी रणनीतिकार हैं। उनकी विशेषज्ञता व्यावसायिक अनिवार्यताओं को आगे बढ़ाने के लिए उत्पाद रणनीति विकसित करने, अग्रणी सॉफ्टवेयर उत्पाद विकास और उच्च प्रदर्शन करने वाली वैश्विक टीमों के निर्माण में निहित है। वह उद्योगों में जटिल समाधान विकास में सिद्ध वास्तु कौशल के साथ प्रौद्योगिकी दृष्टि और व्यावसायिक कौशल का एक शक्तिशाली मिश्रण है। वह ग्राहकों की आवश्यकताओं के आधार पर नेक्स्ट-जेन समाधानों को इनक्यूबेट और इनोवेशन करने के लिए व्यापक रूप से जानी जाती हैं।



**श्री भुवन आनंदकृष्णन**  
निदेशक एवं केंद्र प्रमुख  
कैटरपिलर प्रौद्योगिकी केंद्र—भारत, चेन्नई

भुवन आनंदकृष्णन कैटरपिलर इंडिया के भीतर इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी के निदेशक हैं। भुवन ने मद्रास विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री हासिल की और ग्रेट लेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर डिग्री हासिल की। उन्होंने अमेरिका की ब्रैडली यूनिवर्सिटी से मैनेजमेंट डिप्लोमा भी किया है। भुवन को एंबेडेड फर्मवेयर डेवलपमेंट, मशीन एंड इंजन कंट्रोल सिस्टम्स, एचएमआई, टेलीमैटिक्स, ऑटोनॉमी एंड ऑटोमेशन, क्लाउड टेक्नोलॉजीज, एज कंप्यूटिंग और एडवांस्ड एनालिटिक्स के क्षेत्रों में उद्योग का 21 वर्ष का अनुभव है। उन्होंने कैटरपिलर इंक के भीतर कई तरह की इंजीनियरिंग, रणनीति विकास और नेतृत्व की स्थिति में काम किया है और भारत में इसकी इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टवेयर विकास योग्यता स्थापित करने में एक प्रमुख सदस्य रहे हैं। वे ज्छ और केरल क्षेत्र में नासकॉम जीसीसी परिषद के अध्यक्ष के रूप में उद्योग नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं।



**प्रो. पी.जे. नारायणन**  
निदेशक  
अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद

प्रो. पी जे नारायणन आईआईआईटी, हैदराबाद के निदेशक हैं और 3डी विजन, कम्यूटेशनल कैमरा और समानांतर कंप्यूटिंग के क्षेत्रों में शोधकर्ता हैं। उन्होंने 1990 के दशक के मध्य में कार्नेगी मेलॉन विश्वविद्यालय में 3डी ज्यामिति और गतिशील घटनाओं की उपस्थिति को पकड़ने के लिए वर्चुअलाइज्ड रियलिटी सिस्टम का निर्माण किया। वह कई कंप्यूटर विजन और सामान्य कंप्यूटिंग कार्यों के लिए जीपीयू के शुरुआती अपनाने वाले भी थे। उन्होंने आईआईटी खड़गपुर से स्नातक (1984), मैरीलैंड विश्वविद्यालय से परास्नातक और पीएचडी (1992), सभी कंप्यूटर विज्ञान में प्राप्त किया। वह 1992 से 1996 तक सीएमयू के रोबोटिक्स संस्थान में एक शोध संकाय सदस्य थे और 1996 से 2000 तक सेंटर फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड रोबोटिक्स, बेंगलोर के विजन और वर्चुअल रियलिटी समूहों का नेतृत्व किया। वह 2000 से आईआईआईटी हैदराबाद के साथ रहे हैं और रहे हैं इसके पीजी समन्वयक, अनुसंधान के डीन, और, 2013 से, निदेशक। वह 2009 से 2014 तक एसीएम इंडिया के अध्यक्ष थे और एसीएम की विभिन्न गतिविधियों जैसे पुरस्कार, प्रौद्योगिकी नीति आदि में शामिल रहे हैं।



**प्रो. पार्थ पी. चक्रवर्ती**  
सीएसई के प्रोफेसर और पूर्व निदेशक  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर



पार्थ प्रतिम चक्रवर्ती ने 1985 में बी.टेक और 1988 में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर से पीएचडी पूरी की। वह 1988 में एक संकाय सदस्य के रूप में उसी विभाग में शामिल हुए और वर्तमान में एक वरिष्ठ प्रोफेसर हैं। जुलाई 2013 से वह 30 जून, 2019 तक आईआईटी खड़गपुर के निदेशक थे। वह अत्याधुनिक वीएलएसआई डिजाइन प्रयोगशाला के प्रोफेसर-इन-चार्ज थे, जिसे उन्होंने स्थापित करने में मदद की और प्रायोजित अनुसंधान और औद्योगिक परामर्श के डीन रहे। आईआईटी खड़गपुर में और उन्नत प्रौद्योगिकी विकास केंद्र के प्रमुख। वह इलेक्ट्रॉनिक्स, नियंत्रण और सॉफ्टवेयर पर रणनीतिक जनरल मोटर्स-आईआईटी खड़गपुर सहयोगी अनुसंधान प्रयोगशाला के सह-निदेशक भी थे। उन्होंने निदेशक आईआईटी पटना और आईआईआईटी कल्याणी के रूप में अतिरिक्त प्रभार संभाला। उन्होंने उद्योग और सरकार के साथ मिलकर काम किया है और एमएचआरडी, डीएसटी, सीएसआईआर एनएमआईटीएलआई एमईआईटीवाई डीएचआई आईएनएस, वॉक्सवेगन के साथ कई सौ करोड़ से अधिक की परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है। फाउंडेशन, इंटेल, सिनोप्सिस, गूगल। नेशनल सेमीकंडक्टर्स, जनरल मोटर्स ऐसे कुछ नाम हैं। वह नेशनल इनिशिएटिव्स जैसे नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया (<https://ndl-iitkgp-ac-in>), ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर एकेडमिक नेटवर्क्स या जीआईएएन ([www-gian-iitkgp-ac-in](http://www-gian-iitkgp-ac-in)) के आर्किटेक्ट और समग्र समन्वयक हैं। एसपीएआरसी ([sparc-iitkgpac-in](http://sparc-iitkgpac-in)), इम्प्रिंट आदि भारत के उच्च शिक्षा परिदृश्य में गेम चेंजर के रूप में उभर रहे हैं।



**प्रो. के.एन. सत्यनारायण**  
निर्देशक  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति, आंध्र प्रदेश

डॉ. कालीडिंडी एन. सत्यनारायण वर्तमान में आईआईटी तिरुपति, आंध्र प्रदेश के निदेशक हैं। वह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नई, भारत में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के भवन प्रौद्योगिकी और निर्माण प्रबंधन प्रभाग में प्रोफेसर रहे हैं। उन्होंने आईआईटी मद्रास से सिविल इंजीनियरिंग में बी.टेक की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने अमेरिका के क्लेम्सन विश्वविद्यालय से निर्माण इंजीनियरिंग और प्रबंधन में विशेषज्ञता के साथ एमएस और पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। वे 1991 से आईआईटी मद्रास में संकाय सदस्य रहे हैं। 2009 में वे लोवा स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए में विजिटिंग प्रोफेसर थे। आईआईटी मद्रास में उन्होंने सलाहकार – पूर्व छात्र मामले (2004–2009) और अध्यक्ष – इंजीनियरिंग यूनिट (2010–2013) के रूप में कार्य किया। वह वर्तमान में आईआईटी मद्रास अनुसंधान पार्क – चरण II (दस लाख वर्ग फुट की सुविधा) के लिए कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष हैं। उन्होंने आईआईएम त्रिची, आईआईटी इंदौर और आईआईटी जोधपुर सहित नए परिसरों की स्थापना के लिए समितियों में काम किया है। वह अकादमिक सलाहकार समूह, परियोजना प्रबंधन संस्थान (पीएमआई) के अध्यक्ष हैं। ग्लास

अकादमी के सलाहकार बोर्ड के उपाध्यक्षय भवन निर्माण सामग्री और संवर्धन परिषद (बीएमटीपीसी) के प्रबंधन बोर्ड में विशेषज्ञ सदस्य, और पांच कंपनी बोर्डों में स्वतंत्र निदेशक के रूप में कार्य करता है।



**प्रो. के. शिव प्रसाद**  
एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईआईटी श्री सिटी

प्रो. शिव कोटमराजू वर्ष 2010 सिस्सीसिप्पी स्टेट यूनिवर्सिटी से विद्युत अभियांत्रिकी में पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। उनकी पीएचडी एमओसीवीडी का प्रयोग करते हुए अल्प ताप पर सिलिकॉन कार्बाइड की वृद्धि पर केंद्रित थी। 2011 से 2012 तक उन्होंने एक्सट्रॉन, इंक, केलीफोर्निया, यूएसए में जीएन/जीएस एपीटेक्सी डेवलपमेंट प्रोसेस इंजीनियर के रूप में कार्य किया। डॉ. शिव कोटमराजू ने आईआईआईटी श्रीसिटी में कार्य ग्रहण करने से पहले वीआईटी यूनिवर्सिटी वेल्लोर में एक सेमेस्टर के लिए कार्य किया। वर्ष 2014 से वह भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, श्रीसिटी, आंध्र प्रदेश, भारत में एक सहायक/एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में कार्य कर रहे हैं। आईआईआईटी श्रीसिटी में उनके कार्यकाल के दौरान उन्होंने डीएसटी और इसरो से वित्त-पोषित दो परियोजनाएं पूरी की हैं और दो छात्रों ने पीएचडी प्राप्त की। उनके वर्तमान अनुसंधान रुचि में उच्च वोल्टेज एप्लीकेशन के लिए सिलिकॉन कार्बाइड पॉवर डिवाइस की टीसीएडी मॉडलिंग तथा अंतरिक्ष प्रयोग हेतु जीएस आधारित बहु-जंक्शन सोलर सेल शामिल हैं।



**प्रो. वाई. राजा वरा प्रसाद**  
सहायक प्रोफेसर, आईआईआईटी श्री सिटी

डॉ. राजा वरा प्रसाद ने आईआईटी खड़गपुर से एम.टेक और आईआईटी हैदराबाद से पीएचडी पूरी की है। डॉ. राजा वरा प्रसाद जून 2016 से भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), श्रीसिटी के साथ कार्य कर रहे हैं जहां वे वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार अभियांत्रिकी के सहायक प्रोफेसर हैं। उनके अनुसंधान रुचि में वॉयरलेस सेंटर नेटवर्क, आईओटी और मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) शामिल हैं। उन्होंने वर्ष 2010-2011 में भारत-यूके आईयूएटीसी के संरक्षण सेंसर नेटवर्क विषय, साइबर फिजिकल प्रणाली (सीपीएस) हब के स्मार्ट निर्माण और 2012-2015 तक आईआईटीएच की थिंग्स परियोजना के इंटरनेट जैसी विविध प्रायोजित परियोजनाओं पर भी कार्य किया है। उन्होंने विभिन्न उत्पाद विकास परियोजनाओं के

लिए कार्य किया है जैसे कि स्मार्ट निर्माण हेतु "पॉवर मॉनीटरिंग मॉड्यूल" "बिल्डिंग एनर्जी मैनेजर", 2008-2015 से विद्युत वितरण प्रणाली के लिए नेटवर्क क्षमताओं और निगरानी मॉड्यूल के साथ "वायु प्रदूषण निगरानी" नोड डिजाइन इत्यादि पर कार्य किया है। वर्तमान में वे आईसीपीएस-डीएसटी द्वारा वित्त-पोषित "गांव के कुँओं के वास्तविक समय अंतर संपर्क हेतु सेंसर, मल्टी होपिंग और विश्लेषण (स्मार्ट विलेज वेल्स)" जैसी वित्त-पोषित परियोजनाओं पर कार्य कर रहे हैं। वे डॉ. हुआन नगुयेन, मिडलसेक्स यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के साथ भारत-यूके यूकेआईआईआरआई के अंतर्गत डीएसटी द्वारा प्रायोजित परियोजना "इंडस्ट्री 4.0 स्मार्ट फैक्ट्री में स्वचालन, रखरखाव निगरानी हेतु डिजिटल ट्वीन मॉडलिंग" पर भी सहयोग कर रहे हैं। वे एमईआईटीवाई भारत द्वारा मई 2019 से प्रायोजित "स्वयत्त पैसेंजर ड्रोन के डिजाइन और फेब्रीकेशन" शीर्षक की बहु-विषयक और बहु-संस्थान परियोजना में सह-अनुदेशक है। वे तिहान-आईआईटी हैदराबाद द्वारा वित्त-पोषित "यूएवी का प्रयोग करते हुए आम के खेतों के लिए प्रोन्नत एरियल मैपिंग (एएएम) राइडर: यील्ड डटक्शन सिस्टम" की जारी परियोजना में मुख्य अनुदेशक भी है।



**प्रो जी. कन्नाबिरन**  
निदेशक, आईआईआईटी श्री सिटी चित्तूर

डॉ. गणेश, कन्नाबिरन, प्रबंधन प्रोफेसर (एचएजी). डॉ. गणेश कन्नाबिरन 25 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुचिरापल्ली में वरिष्ठ प्रबंधन प्रोफेसर है। उन्होंने कई वर्षों तक विभाग के प्रमुख के रूप में और संस्थान के स्तर पर शोध एवं परामर्श डीन के रूप में कार्य किया है। उन्होंने जून-नवंबर, 2016 की छोटी सी अवधि के लिए संस्थान के प्रभारी निदेशक के रूप में भी कार्य किया है।

वे राष्ट्रमंडल व्यावसायिक अध्येतावृत्ति (इडनबर्ग नेपियर यूनिवर्सिटी, यूके-2015), दो फुलब्राइट फ़ैलोशिप (एजुकेशन एडमिनिस्ट्रेटर प्रोग्राम-2011, ओकलाहोमा स्टेट यूनिवर्सिटी-2015 में फुलब्राइट विजिटिंग लेक्चरर), तथा ब्रिटिश काउंसिल स्टडी फ़ैलोशिप (हूडर्सफील्ड यूनिवर्सिटी यूके-1997) के प्राप्तकर्ता है। उन्होंने उच्च शिक्षा में उत्पादकता के माप संबंधी एशियाई उत्पादकता संगठन द्वारा समर्थित एक अंतर्राष्ट्रीय शोध अध्ययन के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

उद्यमिता विकास एवं इंकूबेशन केंद्र के संस्थापक निदेशक (एनआईटीटी द्वारा संवर्धित खंड 8 कंपनी) के रूप में उन्होंने इंकूबेशन सुविधा के सृजन के लिए और बीजक निधियन के जरिए नवाचारी व्यापार उद्यम को सहायता प्रदान करने हेतु सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार

की 15.5 मिलियन भारतीय रूपए का प्रमुख अनुदान प्राप्त किया। उन्होंने भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से प्रदत्त "उच्च प्रभाव उद्यमिता परिसर पुरस्कार 2015" जीतने में संस्थान का नेतृत्व किया। उन्होंने नवाचारी और उद्यमिता विकास प्रयासों के समर्थन हेतु सोनाटा सॉफ्टवेयर लिमिटेड से 1.2 भारतीय करोड़ रूपए का कारपोरेट निधियन प्राप्त करने में प्रयासों का नेतृत्व किया।

### प्रो. जी. कन्नाबिरन

निदेशक और रजिस्ट्रार प्रभारी

(27 अगस्त, 2019 से 7 दिसंबर, 2022 तक रजिस्ट्रार प्रभारी के रूप में अतिरिक्त प्रभार)



कर्नल टी. उमाशंकर, सेवानिवृत्त  
रजिस्ट्रार

कर्नल टी. उमाशंकर (सेवानिवृत्त) ने 08 दिसंबर, 2022 से भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीसिटी चित्तूर, श्रीसिटी के कुलसचिव का कार्यभार ग्रहण किया है।

कर्नल टी. उमाशंकर भारतीय सशस्त्र बल में 30 वर्षों से अधिक की सेवा के साथ एक पूर्व सैनिक हैं। उनका सैनिक संचालनों, सैनिक संभारतंत्रों और आपूर्ति श्रृंखला तथा वेयरहाउस प्रबंधन में विविध अनुभव हैं। उन्होंने आईआईटी-मद्रास से अपनी एमबीए प्राप्त की है और वे अमिटी विश्वविद्यालय से विहेबियरल वित्त के क्षेत्र में पीएचडी कर रहे हैं। युवा सेना अधिकारी के रूप वे डॉ. अब्दुल कलाम के इंटीग्रेटिड गाइडिड मिसाइल डेवलपमेंट (आईजीएमडीपी) कार्यक्रम, डीआरडीएल-हैदराबाद के भाग थे। सैना अधिकारी के रूप में उनके विभिन्न अनुभवों में विभिन्न कार्य स्थापनाओं और वातावरणों में संपत्तियों की सुरक्षा और संरक्षा हेतु सुविधाओं एवं प्रशासनिक स्थापनाओं के डिजाइन में सदैव अग्रणी संभारतंत्रीय कार्यों के समूचे परिवेश में बहु-आयामी दलों का नेतृत्व शामिल था।

भारतीय सैना में सेवानिवृत्ति के पश्चात् उन्होंने समूचे भारत के अधिकार क्षेत्र के साथ इंडियन बैंक की सुरक्षा का नेतृत्व करते हुए इंडियन बैंक में एजीएम के रूप में कार्य ग्रहण किया। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने व्यापार निरंतरता आयोजन के साथ सुरक्षा मार्ग को पुनर्स्थापित करते हुए रणनीतिगत पहलों का कार्यान्वयन किया। उन्होंने प्रतिभागियों को शामिल करते हुए नवाचारी तरीकों के माध्यम से सुरक्षा जागरूकता का प्रसार करते हुए एवं कार्य योजनाओं के तैयार करते हुए सुरक्षा आयोजना की पुनर्स्थापना की।

एनसीसी ईकाई के कमांडिंग अधिकारी के रूप में उन्होंने छात्र केडिटों को सैन्य प्रशिक्षण प्रदान

किया और उनके विकास, प्रोत्साहन और राष्ट्र निर्माण के प्रति नेतृत्व प्रशिक्षण के लिए उनकी प्रतिभा पहचान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें 15 अगस्त, 2018 को एनसीसी कमांडिंग अधिकारी के रूप में युवा विकास में योगदान हेतु तेलंगाना सरकार द्वारा सम्मानित किया गया है।

### 2.3.2 वित्त समिति

---

अध्यक्ष श्री एम. बालासुब्रम्णयम  
अध्यक्ष, आईआईआईटी श्रीसिटी चित्तूर  
26 अगस्त, 2020 से

---

सदस्य श्री अनिल कुमार,  
निदेशक (वित्त),  
आईएफडी नुभाग  
उच्चतर शिक्षा विभाग  
(टीएस-1),  
शिक्षा मंत्रालय

---

श्री जे श्यामला राव, आईएएस  
सचिव, सरकार  
उच्चतर शिक्षा विभाग,  
आंध्र प्रदेश की सरकार

---

श्री श्रीनिवास सी. राजू  
अध्यक्ष,  
श्रीसिटी फाउंडेशन

---

प्रो जी. कन्नाबिरन  
निदेशक,  
आईआईआईटी श्री सिटी चित्तूर

---

### 2.3.3 भवन एवं कार्य समिति

---

अध्यक्ष प्रो जी. कन्नाबिरन  
निदेशक  
आईआईआईटी श्री सिटी

---

सदस्य प्रो. पी. कृष्णा  
एसोसिएट प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष  
सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी तिरुपति  
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के नामित)

---

श्री वाई वेंकटपती राव  
आंध्र प्रदेश सरकार में संयुक्त सचिव

उच्चतर शिक्षा विभाग  
आंध्र प्रदेश सरकार के प्रतिनिधि – सदस्य

---

श्री श्रीनिवास तल्लाप्रगड़ा – उद्योग भागीदार नामिति  
स्वतंत्र परियोजना और सुविधा सलाहकार  
(उद्योग भागीदार के नामिति)

---

प्रो. ए. मेहर प्रसाद – बोर्ड नामिति  
प्रोफेसर  
स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी मद्रास

---

श्री यू. सार्थ चंद्र कांत – बोर्ड नामिति  
संस्थापक एवं प्रधान वास्तुकला डिजाईन टेक.  
चेन्नई

---

डॉ. ऋषिकेश वेंकटरमन – सदस्य  
एसोसिएट प्रोफेसर एवं एशोसिएट

---

रजिस्ट्रार प्रभारी  
सचिव  
आईआईआईटी श्री सिटी, चित्तूर

---

#### 2.3.4 सीनेट

---

अध्यक्ष  
पदेन

प्रो. जी. कन्नाबिरन  
निदेशक, आईआईआईटी श्री सिटी चित्तूर

---

तीन व्यक्ति  
जो ख्यातिप्राप्त शिक्षाविद हों  
प्रोफेसर और डीन परंतु संस्थान  
के कर्मचारी न हों

प्रो.सी. वी. जवाहर – विशेष आमंत्रिति  
प्रोफेसर और डीन  
आईआईआईटी हैदराबाद

---

प्रो. देबदीप मुखोपाध्याय – सदस्य  
प्रोफेसर, सीएसई विभाग  
आईआईटी खडगपुर

---

प्रो. बालारमन रविन्द्रन – सदस्य  
प्रोफेसर  
आईआईटी मद्रास

---

तीन व्यक्ति  
जो शिक्षण कर्मचारी न हो  
परंतु विशिष्ट जानकारी  
वाले हों

डॉ. चन्द्रमोलीस्वरण वी – सदस्य  
वीपी रिस्क मैनेजमेंट भारत  
पेपाल चेन्नई

---

डॉ. प्रतिभा मूगी – सदस्य  
एनटीएमएम, आईबीएम, बंगलौर

---

डॉ. पार्थासारथी रामास्वामी – सदस्य  
वरिष्ठ प्रधान अभियंता  
इंटेल् बंगलौर

---

पदेन सचिव

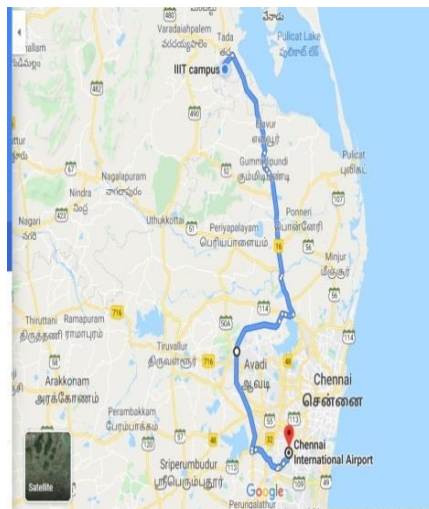
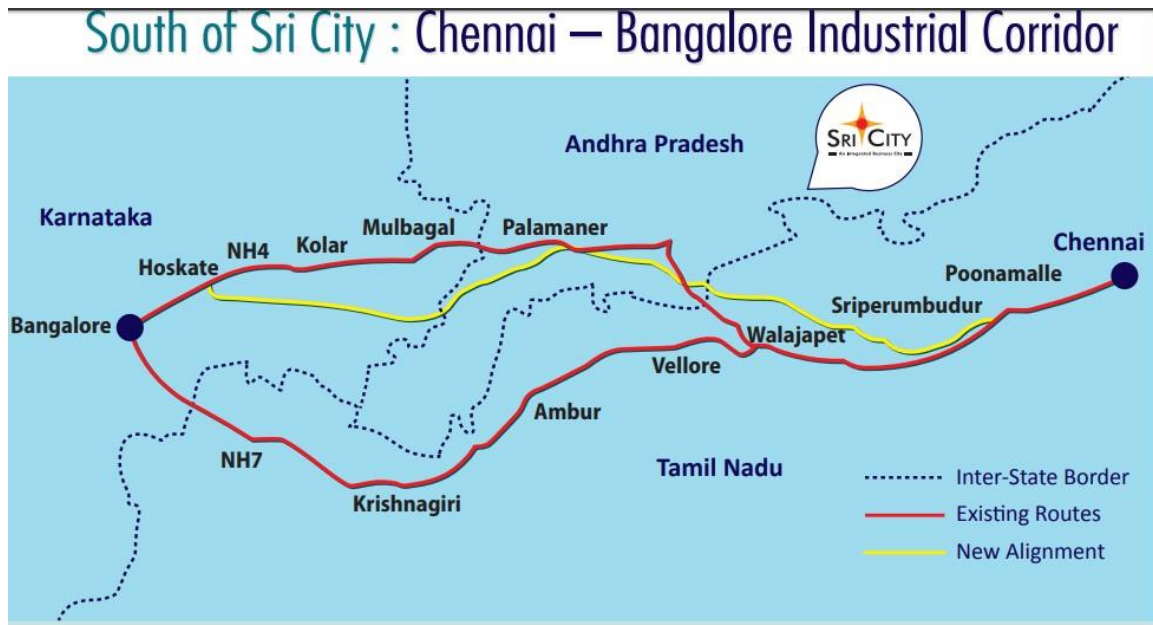
कर्नल टी. उमाशंकर, सेवानिवृत्त  
कुलसचिव  
आईआईटी श्रीसिटी, चित्तूर

---



## 2.4 संस्थान और स्थान

परिसर श्री सिटी में 81 एकड़ में फैला और अत्याधुनिक अवसंरचना से सुसज्जित है। सड़क, वायु मार्ग इत्यादि द्वारा बाधारहित कनेक्टिविटी के नेल्लोर राजमार्ग, श्री सिटी पर चेन्नई के 55 किलोमीटर उत्तर में स्थित। (विजिट: <http://www.sricity.in>). आईआईआईटी श्री सिटी कला, उद्योग शहर के दशक पुराने राज्य श्री सिटी में स्थित है जो कि बहु उत्पाद विशेष आर्थिक जोन (एसईजेड), घरेलू टैरिफ जोन (डीटीजेड), फ्री ट्रेड एवं वेयर हाउसिंग जोन (एफटीडब्ल्यूजेड) तथा इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण कलस्टर का शामिल करते हुए 8000 से अधिक एकड़ में फैला है। श्री सिटी में 30 देशों की 180 कंपनियां हैं। संस्थान की उद्योग भागीदार के माध्यम से श्री सिटी में उपलब्ध उद्योगों तथा सामाजिक अवसंरचना तक पहुंच है।



## 2.5 अवसंरचना शिक्षण-कक्ष

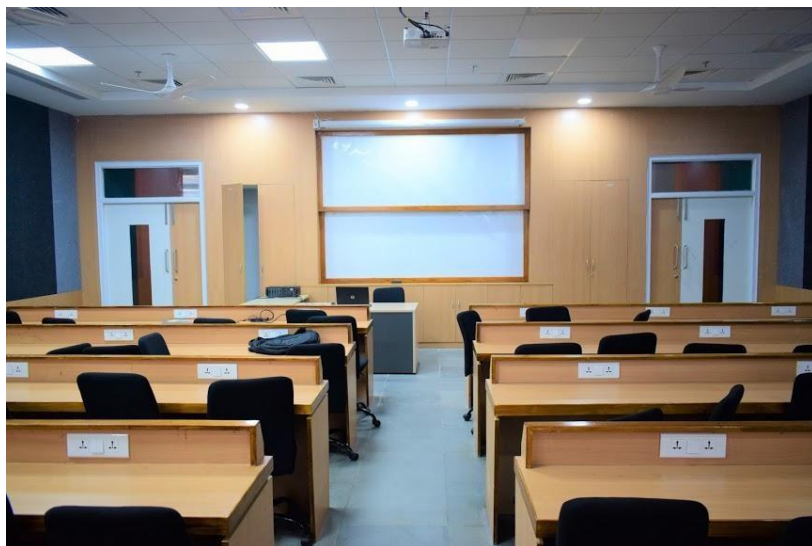
संस्थान ने शैक्षिक वर्ष 2018-19 से अपने स्वयं के परिसर से कार्य करना आरंभ किया।

### शैक्षिक ब्लॉक





## शिक्षण कक्ष



60 सीटों की क्षमता के साथ शिक्षण-कक्ष



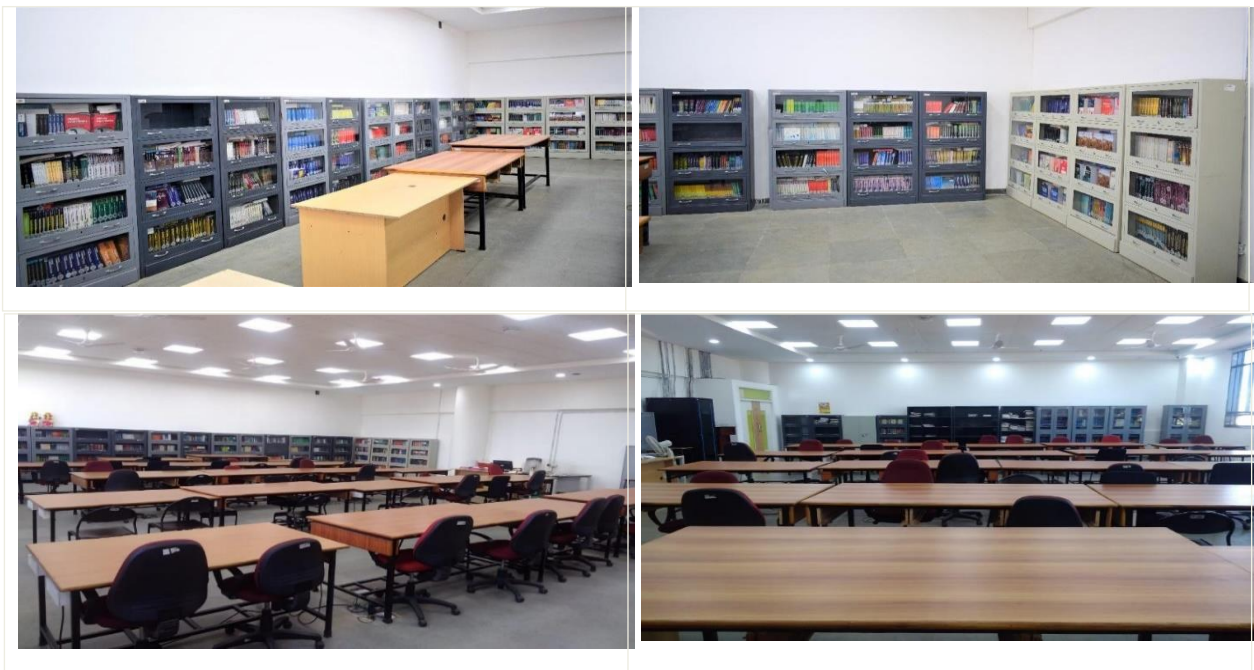
120 सीटों की क्षमता के साथ शिक्षण-कक्ष

अतिरिक्त संकाय केबिन



**पुस्तकालय**

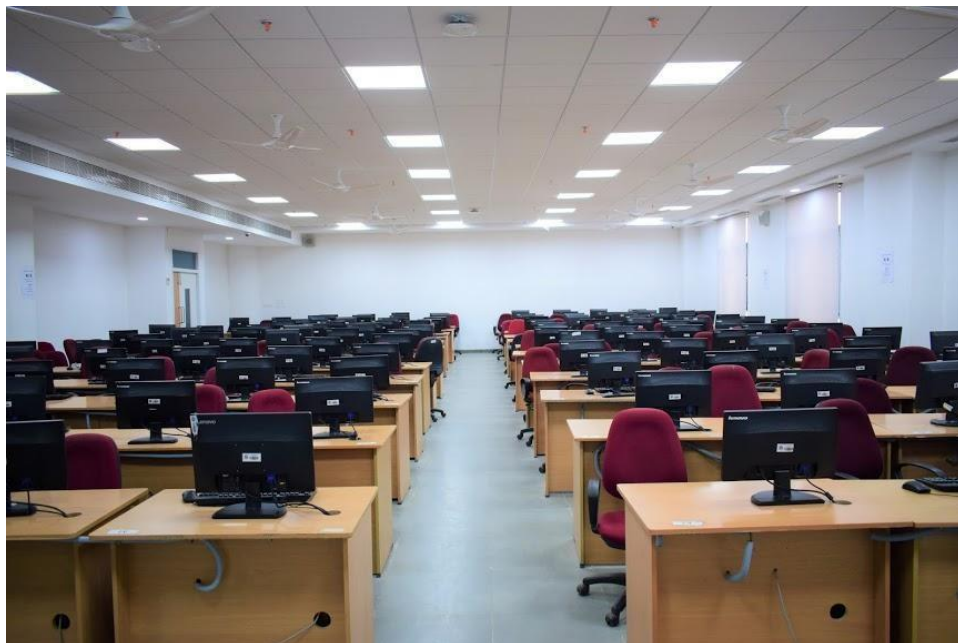
शैक्षिक वर्ष 2022-23 में आईआईआईटी श्री सिटी के पुस्तकालय के लिए प्रमुख इवेंट। जैसा कि नीचे दिए गए चित्र में दर्शाया गया है कि पुस्तकालय की 50 सीटिंग क्षमता के साथ 1905 वर्ग मीटर का क्षेत्र है। सीएसई, ईसीई, गणित और मानविकी को शामिल करते हुए कुल 3012 पुस्तकों की क्षमता के साथ 23 रैक हैं। यह संख्या पुस्तकों के आकार के आधार पर भिन्न हो सकती है।



कई पाठ्य-पुस्तकों, संदर्भ एवं शोध संबंधित पुस्तकों की खरीद की गई जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है: 2022-23 के दौरान आईआईआईटी श्री सिटी में शैक्षिक ब्लॉक पर व्यय का विवरण

क्र.सं.	विभाग	पुस्तकों की संख्या	लागत रु
1	ईसीई	2	12,275
2	गणित	10	7,370
3	सीएसई	20	11,380
4	सामान्य	10	4,633

## प्रयोगशालाएं



125 सीटिंग क्षमता के साथ कंप्यूटर प्रयोगशाला



100 सीटिंग क्षमता के साथ इलेक्ट्रॉनिक प्रयोगशाला

## छात्रावास



## छात्रावास एवं भोजनशाला सुविधा



## भोजनशाला



## खेल सुविधाएं

### 3. प्रवेश

#### 3.1 अवर स्नातक प्रवेश नीति:

आईआईआईटी श्री सिटी सूचना प्रौद्योगिकी पर केंद्रित अवर स्नातक कार्यक्रम प्रदान करता है

- कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में बी.टेक. (सीएसई)
- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग में बी.टेक. (ईसीई)

#### जेओएसए/सीएसएबी के तहत प्रवेश

आईआईआईटी श्री सिटी प्रवेश अधिनियम के अनुसार केंद्रीय शिक्षा संस्थान आरक्षण का अनुपालन करता है। प्रवेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईईई मैन) पर आधारित होता है। जेईईई मैन की अधिसूचना सितंबर–दिसंबर के दौरान भारत के दैनिक समाचार–पत्रों में प्रकाशित की जाती है और इसका संचालन भारत के विभिन्न केंद्रों में प्रत्येक वर्ष मई माह में किया जाता है। प्रवेश सभी वर्गों, धर्म, जातियों और ट्रांसजेंडर सहित सभी लिंगों के लिए खुला होता है। सीएसई और सीएससी कार्यक्रमों में बी.टेक. प्रवेश जेओएसए/सीएसएबी के माध्यम से दिया जाता है।

जेईईई मैन्स में वरीयता रैंकिंग के आधार पर संयुक्त सीट आबंटन प्राधिकरण (जेओएसए) अथवा केंद्रीय सीट आबंटन बोर्ड (सीएसएबी) अभ्यर्थियों को उनकी रुचि के संस्थान को चुनने हेतु एक ऑनलाइन काउंसलिंग सत्र के लिए आमंत्रित करते हैं। जेओएसए तथा सीएसएबी सीट आबंटन प्रक्रिया की घोषणा करते हैं तथा आईआईआईटी श्री सिटी छात्रों के सीट आबंटन में कोई भूमिका नहीं निभाता है। आईआईआईटी श्री सिटी में प्रवेश के लिए योग्यता ही एक मात्र मापदंड है। प्रवेश प्रक्रिया संबंधी आगे विवरण के लिए कृपया वेबसाइट [www.josaa.nic.in](http://www.josaa.nic.in) देखें।

**318 छात्रों को सीएसएबी/जेओएसए के माध्यम से सीएसई और ईसीई में 4 वर्षीय बी.टेक. कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया है**

#### डीएसए के अंतर्गत प्रवेश और भारतीय कार्यक्रम में अध्ययन:

संस्थान ने डीएसए के माध्यम से विदेशी छात्रों के प्रवेश और भारतीय कार्यक्रम में अध्ययन के लिए 2019–20 से आरंभ करते हुए कदम उठाए हैं। गैर–सार्क श्रेणी के अंतर्गत डीएसए के लिए अधिकतम 15% सीटें देने का प्रस्ताव है। भारत में अध्ययन कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान



सीएसई और ईसीई कार्यक्रमों में अधिकतम 40 छात्रों के अधीन छात्रों के 20% के लिए 25% फीस छूट प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त, भारत में अध्ययन और यूके एजुकेशन एंड रिसर्च इनोवेशन पार्टनरशिप (यूकेआईआईआरआई) के भाग के रूप में आईआईआईटी श्री सिटी यूके से विशिष्ट विश्वविद्यालयों के छात्रों को आईआईआईटी श्री सिटी में न्यूनतम दो सप्ताह से छः माह के लिए स्थान देगा। अधिक

**6 छात्रों को डीएएसए के माध्यम से सीएसई में 4 वर्षीय बी.टेक. कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया**

ब्यौरे के लिए देखे डीएएसए की वेबसाइट [www.dasanit.org](http://www.dasanit.org)  
अधिक ब्यौरे के लिए देखे <http://www.studyinindia.gov.in/>

### 3.2 स्नातकोत्तर प्रवेश नीति:

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग और साइबर सुरक्षा के बढ़ते हुए महत्व को स्वीकार करते हुए, संस्थान की सीनेट में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी दूरदर्शी अर्थात् प्रो. सीवी. जवाहर, प्रोफेसर, आईआईटी हैदराबाद, प्रोफेसर देवेन्द्र जलिहाल, प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास, प्रोफेसर एम. बालकृष्णन, प्रोफेसर, आईआईटी दिल्ली, प्रोफेसर, एस. सुदर्शन, प्रोफेसर, आईआईटी बॉम्बे, डॉ. गार्गी बी दासगुप्ता, निदेशक, आईबीएम, श्री कन्नन बाबू रमिया, प्रिंसिपल इंजीनियर, इंटेल और श्री कुमार श्रीधरन, उत्पाद प्रमुख, टीसीएस ने परिणाम-उन्मुखी पाठ्यक्रम पर जोर देने के साथ उद्योग-अनुरूप दो साल के एम.टेक कार्यक्रमों को संरचित और अनुमोदित किया है। वर्तमान में, आईआईआईटी श्री सिटी दो विशेष स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में एम.टेक
- साइबर सुरक्षा में एम.टेक

संस्थान गेट योग्य उम्मीदवारों को सीसीएमटी और गैर-गेट उम्मीदवारों के माध्यम से संस्थान स्तर की चयन प्रक्रिया के माध्यम से प्रवेश प्रदान करता है। प्रत्येक कार्यक्रम के लिए, पंद्रह सीटें सीसीएमटी के माध्यम से और पंद्रह सीटें संस्थान चयन प्रक्रिया के माध्यम से उपलब्ध हैं। संस्थान भारत सरकार के नियमों के अनुसार आरक्षण नीति का पालन करता है।

### गेट उत्तीर्ण उम्मीदवार के लिए सीसीएमटी के माध्यम से प्रवेश:

गेट उम्मीदवारों के साथ बी.टेक/बी.ई. सीएसई/ईसीई/समकक्ष शाखाओं में एम.टेक (सीसीएमटी) 2022 पोर्टल के लिए केंद्रीकृत परामर्श के माध्यम से प्रवेश के लिए आवेदन करने के लिए पात्र हैं। गेट श्रेणी में, उम्मीदवारों के पास वैध गेट स्कोर होना चाहिए और उम्मीदवारों को प्रवेश के लिए सीसीएमटी की प्रक्रियाओं का पालन करना होगा। गेट उम्मीदवारों के लिए पात्रता मानदंड सीसीएमटी नियमों द्वारा शासित होंगे। प्रवेश प्रक्रिया के बारे में अधिक जानकारी

यहां उपलब्ध है: <http://ccmt-admissions-nic-in/>

**गैर-गेट उम्मीदवारों के लिए संस्थान स्तरीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से प्रवेश:**

गैर-गेट उम्मीदवार बी-टेक/बीई-सीएसई/ईसीई/समकक्ष शाखाओं में संस्थान प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से प्रवेश के लिए आवेदन करने के लिए पात्र हैं। क्वालीफाइंग डिग्री में, उम्मीदवारों को कम से कम 6.5 सीजीपीए (10-पॉइंट स्केल पर) या जनरल/जनरल-ईडब्ल्यूएस/ओबीसी के लिए 60% के साथ पास होना चाहिए, जबकि एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों के मामले में 6.0 सीजीपीए (10-पॉइंट स्केल पर) या 55% होना चाहिए।

सीएफटीआई संस्थानों से स्नातक डिग्री वाले गैर-गेट उम्मीदवारों की उनके पिछले शैक्षणिक रिकॉर्ड के आधार पर जांच की जाएगी और उनके पास कम से कम 8.0 सीजीपीए होना चाहिए। स्क्रीन किए गए उम्मीदवारों को आईआईआईटी श्री सिटी में एक कोडिंग टेस्ट और एक साक्षात्कार देना होगा। गैर-गेट सामान्य उम्मीदवारों (<8.0 सीजीपीए के साथ गैर-सीएफटीआई या सीएफटीआई) की उनके पिछले शैक्षणिक रिकॉर्ड के आधार पर जांच की जाएगी। स्क्रीन किए गए उम्मीदवारों को आईआईआईटी श्री सिटी में एक लिखित परीक्षा देनी होगी। परीक्षा का पाठ्यक्रम गेट के समकक्ष है। परीक्षण के परिणाम का उपयोग दूसरी स्क्रीनिंग करने के लिए किया जाएगा। दूसरी स्क्रीनिंग पास करने वालों को आईआईआईटी श्री सिटी में एक कोडिंग टेस्ट और एक साक्षात्कार देना होगा। कार्य अनुभव वाले उम्मीदवारों को चयन प्रक्रिया में अतिरिक्त वेटेज दिया जाएगा।

संस्थान की चयन प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत पात्रता मानदंड और जानकारी यहां उपलब्ध है:

<https://www.iiits.ac.in/admissions/m-tech-programme/>

शैक्षिक वर्ष 2022-23 में एक छात्र को संस्थान की चयन प्रक्रिया के माध्यम से एम.टेक एआईएंडएमएल कार्यक्रम में प्रवेश प्रदान किया गया और एक छात्र को सीसीएमटी के जरिए गेट श्रेणी के माध्यम से प्रवेश प्रदान किया गया है।

साथ ही, शैक्षिक वर्ष 2022-23 में एम.टेक साइबर सुरक्षा कार्यक्रम में किसी भी छात्र को प्रवेश प्रदान नहीं किया गया।

### **3.3 पीएचडी प्रवेश नीति:**

डॉक्टरेट कार्यक्रम, जिनमें पी.एचडी की डिग्री प्रदान की जाती है, संस्थान की निम्नलिखित शाखाओं में पेश किए जाते हैं:

- i) कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग
- ii) इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग
- iii) गणित और डेटा विज्ञान

आईआईआईटी श्रीविटी में पीएचडी के लिए पंजीकरण के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए पंजीकरण की 2 श्रेणियों का प्रावधान है, जो पूर्णकालिक आधार पर अनुसंधान अध्ययन के इच्छुक हैं, वे **पूर्ण-कालीन पी.एचडी** का विकल्प चुन सकते हैं और सरकारी आरएंडडी संगठनों के कार्यरत व्यावसायिक/आईटी कर्मी **अंशकालीन पी.एचडी** का विकल्प चुन सकते हैं। पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश वर्ष में दो बार मानसून और वसंत के दौरान किया जाता है।

### **सीएसई/ईसीई में पूर्णकालीन पीएचडी**

एम.ई./एम.टेक/एमएस अथवा समकक्ष डिग्री अथवा इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी की किसी भी शाखा में समकक्ष डिग्री के साथ अच्छे अकादमिक रिकॉर्ड वाले उम्मीदवार (या) कम्प्यूटर एप्लीकोन/इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान/कम्प्यूटर विज्ञान/सूचना प्रौद्योगिकी (अथवा गणित और प्रोग्रामिंग में मजबूत पृष्ठभूमि के साथ किसी संबद्ध क्षेत्र) अथवा किसी अन्य संबंधित विषय में सांख्यिकी/गणति में स्नातकोत्तर (अथवा) वे आपवादिक उम्मीदवार जिन्होंने 9.0 अथवा उससे उपर के सीजीपीए के साथ बी.ई./बी.टेक किया हो और शोध दस्तावेज के माध्यम से शोध क्षमता प्रदर्शित की हो। आईपी और समान शोध परिणामों पर भी विचार किया जा सकता है।

### **सीएसई/ईसीई में अंशकालीन पीएचडी**

रोजगार सहित आईटी उद्योग/एमएनसी से गहन तकनीकी पृष्ठभूमि वाले आईटी व्यावसाहिक तथा जिनका भारत में आवासीय आधार है अथवा डीआरडीओ, इसरो इत्यादि जैसी भारतीय शोध प्रयोगशालाओं में कार्यरत वैज्ञानिक आवेदन के पात्र होते हैं। इसके अतिरिक्त, उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से कोई एक मापदंड पूरा करना होगा: लागू क्षेत्र में न्यूनतमक प्रथम श्रेणी स्नातकोत्तर डिग्री अथवा लागू क्षेत्र में बी.ई./बी.टेक वाले आपवादिक उम्मीदवार आवेदन के पात्र होते हैं। दोनों मामलों में स्नातकोत्तर डिग्री एवं प्रख्यात एमएनसी में 2 वर्ष का दस्तावेजों सहित अनुभव अथवा प्रख्यात एमएनसी में 5 वर्ष के दस्तावेज सहित औद्योगिक अनुभव सहित स्नातक डिग्री वाले उम्मीदवार आवेदन के पात्र होंगे।

### **प्रवेश प्रक्रिया**

- न्यूनतमक पात्रता मापदंडों को पूरा करना
- वे उम्मीदवार, जिनकी पी.एचडी प्रवेश समिति द्वारा सिफारिश की गयी हो, को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।
- लिखित परीक्षा प्रदर्शन के आधार पर छांटे गए उम्मीदवारों को पी.एचडी प्रवेश साक्षात्कार पेनल के समक्ष उपस्थित होने की आवश्यकता होती है।

पी.एचडी कार्यक्रमों में चयन वरीयता के आधार पर दिया जाएगा। प्रत्येक श्रेणी (संस्थान की

छात्रवृत्तियां, उद्योग जगत के काम्रिक) में सभी उम्मीदवारों के लिए वरीयता सूची लिखित परीक्षा, साक्षात्कार, यूजी/पीजी में अंकों, अनुभव और प्रकाशनों में संचयी अंकों के आधार पर होगी। पृष्ठभूति अनुभव को देखते हुए, साक्षात्कार और अन्य घटकों (जैसे कि शैक्षिक योग्यता, शोध प्रकाशन/पेटेंट, कार्य अनुभव इत्यादि) के लिए अधिक वेटेज दी सकती है।

मानसून 2022 और बसंत 2023 में पीएचडी कार्यक्रम में 9 छात्रों को प्रवेश दिया गया। इस अवधि के दौरान छात्रों की कुल संख्या 34 थी।

## 4. शैक्षणिक कार्यक्रम

### 4.1 अवर स्नातक

#### अवर स्नातक पाठ्यचर्या

आईआईआईटी श्री सिटी, चित्तूर को प्रथम छः वर्षों में आईआईआईटी हैदराबाद द्वारा परामर्श दिया गया। आईआईआईटी श्री सिटी में पाठ्यचर्या एक प्रयोग-थ्योरी-प्रैक्टिस दृष्टिकोण का अनुपालन किया जाता है जिसमें छात्रों को पहले प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्रदान करते हुए वास्तविक जगत के इंजीनियरिंग दृष्टिकोण से अवगत कराया जाता है। इसके पश्चात् कठोर थ्योरी आधारित पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं जिनके बाद वास्तविक जगत की परियोजनाओं के साथ प्रायोगिक पाठ्यक्रम पुनः प्रदान किए जाते हैं जिनमें प्रत्येक छात्र की गहन भागीदारी आवश्यक होती है। पाठ्यचर्या, आईआईआईटी हैदराबाद, आईआईटी और विश्व की उच्च शिक्षण प्रमुख संस्थाओं में सर्वोत्तम पद्धतियों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जाता है। संस्थान सर्वोत्तम कक्षा शिक्षा को प्रमुख शोध के साथ समेकित करता है जिससे अवर स्नातक छात्र दूसरे वर्ष के अंत से आरंभ करते हुए विभिन्न शोध एवं प्रौद्योगिकी विकास परियोजनाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित होते हैं। उल्लेखनीय रूप से पाठ्यचर्या ऑनर्स कार्यक्रम की लोचशीलता प्रदान करती है जिसमें छात्र 2 वर्ष की अवधि के लिए विशिष्ट क्षेत्र में कार्य करते हुए तथा अपनी रुचि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव प्राप्त करते हुए अपने कौशल को निखार सकते हैं। साइबर सिक्योरिटी, साइबर फिजिकल सिस्टम, स्मार्ट मैनुफैक्चरिंग, एआई तथा मशीन लर्निंग, फिनटेक, बायो-इंफॉर्मेटिक्स, ब्लॉकचैन इत्यादि जैसे क्षेत्रों में माइनर प्रदान करने का प्रस्ताव है। इसके अतिरिक्त, पाठ्यचर्या के भाग के रूप में किसी उद्योग अथवा प्रख्यात शोध प्रयोगशाला में एक सेमेस्टर के प्रोजेक्ट प्रदान करने का प्रस्ताव है।

#### विशेषज्ञता के साथ अवर स्नातक

आईआईआईटी श्री सिटी में पात्र छात्र अतिरिक्त क्रेडिट करते हुए और सेमेस्टर की इंटर्नशिप परियोजनाओं द्वारा एआई तथा एमएल, साइबर सुरक्षा, साइबर फिजिकल सिस्टम और नेक्स्ट जनरेशन वायरलैस में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. कर सकते हैं।

#### एआई एमएल में विशेषज्ञता

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस हाल के समय में शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा, सूचना, विजुअल समझ, प्रभावी परिवहन, लोगों के लिए ई-गवर्नेंस सेवाओं में अधिक सक्षमता सहित जटिल सामाजिक समस्याओं को हल करने की संभावित योग्यता के साथ उभरा है। कई राष्ट्रों ने राष्ट्रीय प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया है। भारत सरकार ने भी भारत में एआई की भूमिका के

संबंध में व्यापक विचार-विमर्श आरंभ किए हैं। नीति आयोग ने भारत सरकार को समर्पित एआई योजना का सुझाव दिया है। इसके अतिरिक्त, सर्वोच्च सूचना प्रौद्योगिकी उद्योगों जैसे कि गूगल, अमेजन, आईबीएम, माइक्रोसॉफ्ट इत्यादि ने एआई आधारित शोध एवं विकास में हाल के दिनों में बड़ा निवेश किया है। कई स्टार्ट-अप भी विश्व भर में एआई में उभर कर सामने आ रहे हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी में राष्ट्रीय महत्व का संस्थान होने के नाते आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं मशीन लर्निंग में विशिष्ट बी.टेक. कार्यक्रम आईआईआईटी श्रीसिटी के इको सिस्टम में और अधिक तेजी लाएगा तथा अत्यधिक कुशल श्रमिक तैयार करेगा। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं मशीन लर्निंग में बी.टेक. का उद्देश्य उद्योग की तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा करना और समाज के लिए अत्यधिक सक्षम एआई वैज्ञानिक और इंजीनियर तैयार करना है। इस विशिष्ट कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के वरीयता क्षेत्रों में कड़ा प्रशिक्षण प्रदान करते हुए स्नातक तैयार करना है। एआई तथा एमएल में विशिष्टता के साथ बी.टेक. छात्रों को इस प्रकार से सुदृढ़ करेगा कि वे एआई विश्व नेता बन सकें और बेहतर तरीके से भारत के भविष्य को आकार दे सकें।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग (एआई तथा एमएल) की नौकरियों और शोध के एक सर्वोच्च क्षेत्र के रूप में पहचान की गई है। इस क्षेत्र में सीएसई में बी.टेक. कार्यक्रम की तुलना में अधिक नौकरियां होंगी। हमारे संस्थान ने एआई और एमएल ज्ञान और कौशल के साथ इंजीनियरों की मांग को पूरा करने के लिए छात्रों की तैयारी हेतु एआई तथा एमएल में विशेषज्ञता हेतु कई प्रयास किए हैं। इस प्रकार चालू अंतिम वर्ष छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग में विशेषज्ञता का विकल्प चुनने की सलाह दी जाती है। यह किसी अच्छी कंपनी में नौकरी प्राप्त करने और शानदार वेतन के आपके विकल्पों को अधिकतम बनाएगा।

सीएसई के साथ एआई और एमएल विशेषज्ञता में प्लेन बी.टेक. डिग्री के लिए चालू अंतिम वर्ष के छात्रों को 156 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे। ऑनर्स के साथ बी.टेक. के लिए छात्रों को 164 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे।

इसके अतिरिक्त, छात्र एआई और एमएल में विशेषज्ञता के भाग के रूप में प्रदान किए जाने वाले प्रयोग अभिमुखी लर्निंग पाठ्यक्रमों को चुन सकते हैं:

- क) डीप लर्निंग
- ख) रिइन्फोर्समेंट लर्निंग
- ग) सॉफ्ट कंप्यूटिंग और विकासवादी एआई
- घ) एआई और एमएल के उद्योग प्रयोग
- ड.) सेमेस्टर लंबी परियोजना

मद क) – ग) प्रत्येक के तीन क्रेडिट शामिल हैं और घ) में 1 क्रेडिट शामिल हैं, इन पाठ्यक्रमों में उद्योग जगत तथा शैक्षिक जगत के विशेषज्ञों द्वारा शिक्षण शामिल हैं। सेमेस्टर लंबी

परियोजनाओं में 8 क्रेडिट हैं और ये कार्य उन उद्योगों में किया जाएगा जिनमें एआई और एमएल शामिल होते हैं। इस प्रकार कुल मिलाकर एआई और एमएल विशेषज्ञता का विकल्प चुनने वाले छात्र को एआई और एमएल में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. डिग्री प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त 14 क्रेडिट लेने होंगे।

## साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता

वर्तमान में साइबर सुरक्षा में उपलब्ध नौकरियां आने वाले वर्षों में आईटी नौकरियों से काफी अधिक हो जाएंगी। संदर्भ यह है कि साइबर सुरक्षा व्यावसायिकों की मांग काफी बढ़ रही है और कंपनियां यह मानती हैं कि साइबर सुरक्षा प्रोफाइल वाले लोगों की कमी है। वास्तव में, नास्कोम ने 2025 से पहले एक मिलियन साइबर सुरक्षा नौकरियां सृजित करने का आवाह किया है (मांग को पूरा करने के लिए) और यह सब आने वाले वर्षों में स्नातक होने वाले छात्रों के लिए विश्वविद्यालय में ये विशेषज्ञता पैदा करने की आवश्यकता को दर्शाता है। ऐसे अवसरों की उपस्थिति में हमारा ध्यान साइबर सुरक्षा में विशिष्ट स्नातकोत्तर कार्यक्रम के माध्यम से साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता तैयार करने पर केंद्रित है।

साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. का उद्देश्य नेटवर्क और डाटा सुरक्षा के क्षेत्र में अत्यधिक कुशल श्रमिकों की आवश्यकताओं को पूरा करना है। आईआईआईटी श्री सिटी समुदाय ऐसे विभिन्न सर्वोच्च उद्योगों के साथ जुड़ा है जो सूचना सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्य करते हैं। प्रस्तावित विशेषज्ञता में संबंधित क्षेत्र में कुछ प्रोन्नत इलेक्टिव और सूचना सुरक्षा के विविध पाठ्यक्रम शामिल होंगे।

सीएसई के साथ साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता में एक प्लेन बी.टेक. डिग्री के लिए अंतिम वर्ष के छात्र को 156 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे। ऑनर्स के साथ बी.टेक. के लिए छात्र को 164 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे।

इसके अतिरिक्त, साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता के भाग के रूप में छात्र प्रयोग अभिमुखी शिक्षण के साथ प्रदान किए जाने वाले विभिन्न निम्नलिखित पाठ्यक्रमों का विकल्प चुन सकते हैं:

- क) साइबर सुरक्षा की पहचान
- ख) थ्रेट इंटेलीजेंस
- ग) नेटवर्क और डाटा सुरक्षा
- घ) अनप्रयुक्त क्रिप्टोग्राफी
- ड.) सेमेस्टर लंबी परियोजना

मद क) – ग) प्रत्येक के तीन क्रेडिट शामिल हैं और घ) में 1 क्रेडिट शामिल है, इन पाठ्यक्रमों में उद्योग जगत तथा शैक्षिक जगत के विशेषज्ञों द्वारा शिक्षण शामिल है। सेमेस्टर लंबी परियोजनाओं में 4 क्रेडिट हैं और ये कार्य उन उद्योगों में किया जाएगा जिनमें साइबर सुरक्षा शामिल होती है। इस प्रकार कुल मिलाकर साइबर सुरक्षा विशेषज्ञता का विकल्प चुनने वाले

छात्र को साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. डिग्री प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त 14 क्रेडिट लेने होंगे।

## डाटा विज्ञान में विशेषज्ञता

विश्व के प्रत्येक भाग में डाटा वैज्ञानिकों की मांग में वृद्धि हुई है। चूंकि लगभग सभी प्रकार के उद्योग डाटा संचालित निर्णयों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। डाटा विज्ञान नौकरियों में विगत 5 वर्षों से काफी मांग रही है। यह प्रवृत्ति इस बात को दर्शाती है कि विश्व में तथा भारत में डाटा वैज्ञानिक व्यावसायिकों जो कि डाटा विज्ञान के विभिन्न पहलुओं से भलीभांति रूप से परिचित हैं, की अत्यधिक मांग है।

जबकि, एक नए क्षेत्र होने के नाते यह आसानी से देखा जा सकता है कि डाटा विज्ञान कुशल संसाधनों की आपूर्ति अब भी काफी कम है। न केवल मात्रा में नौकरियों की गुणवत्ता में भी काफी कमी है चाहे वह पारिश्रमिक अथवा स्थान के रूप में हो। स्वास्थ्य देखभाल, निर्माण पत्तन, विनिर्माण, आईटी सेवाएं, ईकॉमर्स, फार्मा, वित्तीय संस्थाएं, अवसंरचना, मनोरंजन, एफएमसीजी कुछ क्षेत्रों के उदाहरण हैं जहां उनके व्यापार के लिए डाटा विज्ञान अनिवार्य घटक बन गया है। विश्व भर में कुछ औद्योगिकी अनुसंधान प्रयोगशालाओं और शैक्षिक संस्थाओं ने पहले ही इस क्षेत्र में शोध एवं विकास पर उनके प्रयासों को दर्शाया है।

डाटा विज्ञान विशेषज्ञता के साथ सीएसई/ईसीई में प्लेन बी.टेक डिग्री के लिए चालू वित्तीय वर्ष से छात्रों को 156 क्रेडिट पूरे करने होंगे। ऑनर्स के साथ बी.टेक के लिए छात्रों को 164 क्रेडिट पूरे करने होंगे।

इसके अतिरिक्त, छात्र डाटा विज्ञान में विशेषज्ञता के भाग के रूप में अभ्यास उन्मुखी अधिगम के साथ प्रदान किए जाने वाले निम्नलिखित पाठ्यक्रमों को चुन सकते हैं:

- क) प्रोन्नत डाटा विश्लेषण
- ख) बिग डाटा विश्लेषण
- ग) पाइथन फॉर डाटा साइंस
- घ) डाटा साइंस के औद्योगिक प्रयोग
- ङ) सेमेस्टर लंबी परियोजना

मद क) – ग) प्रत्येक के तीन क्रेडिट शामिल हैं और घ) में 1 क्रेडिट शामिल है, इन पाठ्यक्रमों में उद्योग जगत तथा शैक्षिक जगत के विशेषज्ञों द्वारा शिक्षण शामिल है। सेमेस्टर लंबी इन



परियोजनाओं में 8 क्रेडिट शामिल होते हैं और यह कार्य डाटा विज्ञान में शामिल उद्योगों में पूरा किया जाना चाहिए। इस प्रकार कुल मिलाकर छात्र को डाटा विज्ञान विशेषज्ञता के लिए बी.टेक डिग्री प्राप्त करने हेतु 14 क्रेडिट अतिरिक्त लेने होंगे।

### साइबर फिजिकल सिस्टम में विशेषज्ञता

सीपीएस फिजिकल प्रक्रिया, वॉयरलेस नेटवर्किंग और गहन कंप्यूटिंग का मिश्रण है। फिजिकल प्रक्रिया की विविध संसरो द्वारा निगरानी की जाती है और तत्पश्चात् इसे स्वचालित फीडबैक आधारित एम्बेडेड नियंत्रण प्रणाली तैयार करने के लिए नेटवर्किंग के माध्यम से संचालित किया जाता है। स्वचालित/स्मार्ट प्रणालियां डाटा विश्लेषण, मशीन लर्निंग और पैटर्न पहचान प्रौद्योगिकियों के माध्यम से डाटा बिंदुओं के साथ ली गई हैं।

पिछले 3-5 वर्षों में इस क्षेत्र में कार्य करने और प्रौद्योगिकीय अवसर प्रदान करने वाली कंपनियों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हुई है। इस संबंध में विनिर्माण तथा इलेक्ट्रॉनिक आधारित उद्योगों में बड़ी संख्या में प्रयोगों को देखते हुए आईआईआईटी श्री सिटी सीपीएस में विशेषज्ञता के साथ बी.टेक. कार्यक्रम प्रदान करता है। आईआईआईटी श्री सिटी भारत में और कुछ विश्वविद्यालयों में पहला आईआईआईटी है जिसने बी.टेक. के छात्रों के लिए यह विशेषज्ञता प्रदान की है। यह एक अंतर-विषयक कार्यक्रम है जो छात्रों को आवश्यक प्रौद्योगिकीय कौशल-सेटों की अगली आवश्यकता के लिए प्रशिक्षित और तैयार करेगा।

ईसीई के साथ साइबर फिजिकल सिस्टम में विशेषज्ञता में एक प्लेन बी.टेक. डिग्री के लिए अंतिम वर्ष के छात्र को 156 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे। ऑनर्स के साथ बी.टेक. के लिए छात्र को 164 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे।

इसके अतिरिक्त, छात्र साइबर फिजिकल प्रणाली में विशेषज्ञता के भाग के रूप में अभ्यास उन्मुखी अधिगम के साथ प्रदान किए जाने वाले निम्नलिखित पाठ्यक्रमों को चुन सकता है:

- क) इंटरनेट ऑफ थिंग्स
- ख) सतर्कता एवं स्वायत्त प्रणाली
- ग) डिजिटल ट्विन्स: दृष्टिकोण एवं प्रयोग
- घ) सेमीनार पाठ्यक्रम
- ड) सेमेस्टर लंबी परियोजना

मद क) – ग) प्रत्येक के तीन क्रेडिट शामिल हैं और घ) में 1 क्रेडिट शामिल हैं, इन पाठ्यक्रमों

में उद्योग जगत तथा शैक्षिक जगत के विशेषज्ञों द्वारा शिक्षण शामिल हैं। सेमेस्टर लंबी परियोजना में 4 क्रेडिट शामिल होते हैं और यह कार्य साइबर फिजिकल प्रणाली में शामिल उद्योगों में किया जाना चाहिए। इस प्रकार कुल मिलाकर साइबर फिजिकल प्रणाली विशेषज्ञता का चुनाव करने वाले छात्र को साइबर फिजिकल प्रणाली में बी.टेक डिग्री प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त 14 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे।

आगे, संस्थान का उद्देश्य स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए सीपीएस/आईआईओटी प्रयोगशाला की स्थापना करना है जिसमें हम श्री सिटी में हाई-टेक विनिर्माण उद्योगों के साथ सहयोग करेंगे।

### अगली पीढ़ी के वॉयरलैस संचार में विशेषज्ञता

5जी वॉयरलैस संचार प्रौद्योगिकी का निर्माण उच्च बहु-जीबीपीएस पीक डाटा गति, अल्ट्रा-अल्प लेटेंसी, अधिक विश्वसनीयता, अधिक नेटवर्क क्षमता और एक समान उपभोक्ता अनुभव प्रदान करने के लिए किया गया है। 5जी एलईटी पर आधारित होगा और यह विभिन्न स्वतंत्र विकसित प्रौद्योगिकियों का समागम होगा जैसे कि वृहत एमआईएमओ, यूडब्ल्यूबी, एनओएमए इत्यादि, कोर एवं क्लाउड आधारित रेडियो पहुंच नेटवर्क सहित। 5जी वॉयरलैस प्रणालियों के सफल विकास हेतु इसके सतर्क समेकन प्रदान करते हुए संचयी एवं प्रत्येक प्रौद्योगिकी के डिजाइन अनिवार्य हैं।

अगली पीढ़ी की वॉयरलैस दूरसंचार विशेषज्ञता के साथ ईसीई ने प्लेन बी.टेक डिग्री के लिए अंतिम वर्ष के वर्तमान छात्रों को 156 क्रेडिट पूरे करने होंगे। ऑनर्स के साथ बी.टेक के लिए छात्रों को 164 क्रेडिट पूरे करने होंगे।

इसके अतिरिक्त, छात्र अगली पीढ़ी की वॉयरलैस संचार में विशेषज्ञता के भाग के रूप में अभ्यास उन्मुखी अधिगम के साथ प्रदान किए जाने वाले निम्नलिखित पाठ्यक्रमों को चुन सकते हैं:

- क) वॉयरलैस संचार
- ख) प्रोन्नत वॉयरलैस संचार
- ग) 5जी प्रौद्योगिकियां और प्रयोग
- घ) सेमीनार पाठ्यक्रम
- ड) सेमेस्टर लंबी परियोजना

मद क) – ग) प्रत्येक के तीन क्रेडिट शामिल हैं और घ) में 1 क्रेडिट शामिल हैं, इन पाठ्यक्रमों

में उद्योग जगत तथा शैक्षिक जगत के विशेषज्ञों द्वारा शिक्षण शामिल हैं। सेमेस्टर लंबी परियोजना में 4 क्रेडिट शामिल होते हैं और यह कार्य अगली पीढ़ी के वॉयरलैस संचार में शामिल उद्योगों में किया जाना चाहिए। इस प्रकार कुल मिलाकर अगली पीढ़ी के वॉयरलैस संचार विशेषज्ञता का चुनाव करने वाले छात्र को अगली पीढ़ी के वॉयरलैस संचार में बी.टेक डिग्री प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त 14 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे।

## ऑनर्स कार्यक्रम के माध्यम से यूजी रिसर्च पर फोकस

यूजी-रिसर्च के संवर्धन के उद्देश्य से हमारा एक अन्नय ऑनर्स कार्यक्रम है जिसमें छात्र 4 सेमेस्टर की अवधि के लिए किसी संकाय अथवा संकाय के समूह के अंतर्गत किसी विशेष क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं। वे शोध प्रकाशन अथवा बौद्धिक संपदा अथवा सॉफ्टवेयर अथवा हार्डवेयर उत्पाद प्रस्तुत करते हुए अपनी ऑनर्स डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।

## 4.2 स्नातकोत्तर

आईआईटी श्रीसिटी i) आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग (एआई एवं एमएल), एवं ii) सायबर सुरक्षा में द्विवर्षीय विशिष्ट एम.टेक डिग्री प्रदान करता है।

### 4.2.1 एआई एवं एमएल में एम.टेक

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के बढ़ते महत्व को स्वीकार करते हुए, संस्थान की सीनेट में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी एवं दूरदर्शी प्रो. सी.वी. जवाहर, प्रोफेसर आईआईटी हैदराबाद; प्रो. देवेंद्र जलिहाल, प्रोफेसर आईआईटी मद्रास; प्रो. एम. बालकृष्णन, प्रोफेसर, आईआईटी दिल्ली; प्रो. एस. सुदर्शन, प्रोफेसर, आईआईटी बॉम्बे; डॉ. गार्गी बी दासगुप्ता, निदेशक, आईबीएम; श्री कन्नन बाबू रामिया, प्रधान अभियंता, इंटेल और श्री श्रीकुमार श्रीधरन, उत्पाद प्रमुख, टीसीएस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में उद्योग के अनुरूप द्विवर्षीय एम.टेक कार्यक्रम को संरचित और अनुमोदित किया है, जिसमें परिणाम-उन्मुखी पाठ्यक्रम पर जोर दिया गया है।

कार्यक्रम का पहला सेमेस्टर मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं नॉलेज रिप्रेजेंटेशन, एडवांस्ड डेटा स्ट्रक्चर्स एवं एल्गोरिदम, मैथमैटिकल फाउंडेशन और एआई एंड एथिक्स जैसे मूलभूत पाठ्यक्रम प्रदान करता है। छात्रों को प्रथम सेमेस्टर से ही संकायों द्वारा व्यक्तिगत रूप से सलाह दी जाएगी और औद्योगिक इंटर्नशिप लेने या संस्थान के संकायों के साथ प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं पर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। कार्यक्रम का दूसरा

सेमेस्टर डीप लर्निंग और डेटा एनालिटिक्स और विजुअलाइजेशन के दो मुख्य पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, कंप्यूटर विज्ञान, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, सूचना पुनर्प्राप्ति, डेटा खनन, रोबोटिक्स, संभाव्य ग्राफिकल मॉडल, बिग डेटा एनालिटिक्स, सुदृढीकरण लर्निंग एवं उन्नत अनुकूलन जैसे एआई और एमएल से संबद्ध क्षेत्रों में गहरी समझ और अनुसंधान की सुविधा के लिए कई ऐच्छिक विषय भी पेश किए गए हैं। छात्रों को कार्यक्रम के अंतिम दो सेमेस्टर के दौरान उद्योग से जुड़ने और उद्योग प्रथाओं हेतु प्रभावी अभिविन्यास की सुविधा के लिए वर्ष भर की औद्योगिक परियोजनाओं को लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

### एम.टेक एआई एवं एमएल पाठ्यचर्या

एमटेक कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में कुल 64 क्रेडिट शामिल हैं, जो स्नातक करने के लिए आवश्यक हैं। कुल 64 क्रेडिट को दो भागों में विभाजित किया गया है: क) पहले दो सेमेस्टर में कोर्स वर्क में 40 क्रेडिट पूरे करने की आवश्यकता होती है और ख) उद्योग आधारित परियोजना कार्य के लिए 24 क्रेडिट पूरा करने की आवश्यकता होती है जो एमटेक शोध निबंध की ओर ले जाती है।

#### सेमेस्टर-1

1. आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं ज्ञान प्रतिनिधित्व
2. मशीन लर्निंग
3. उन्नत डाटा संरचनाएं एवं एल्गोरिदम
4. गणीतीय फाउंडेशन
5. एआई एवं नैतिकता (सेमीनार कोर्स)

#### सेमेस्टर-2

1. डीप लर्निंग
2. डाटा एनालिटिक्स एवं विजुअलाइजेशन
3. ऐच्छिक-1
4. ऐच्छिक-2
5. ऐच्छिक-3

#### इलेक्टिव:

6. कम्प्युटर विज्ञान
7. प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण
8. सूचना पुनर्प्राप्ति
9. डाटा माइनिंग
10. रोबोटिक्स
11. संभाव्य ग्राफिकल मॉडल
12. बिग डेटा एनालिटिक्स
13. सुदृढीकरण लर्निंग
14. उन्नत अनुकूलन

## एम.टेक एआई एवं एमएल प्रबंधकारिणी समिति एवं कार्यक्रम सलाहकार समूह:

आईआईआईटी श्री सिटी की सीनेट में आईआईआईटी हैदराबाद, आईआईटी मद्रास, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली आदि संस्थानों के वरिष्ठ शिक्षाविद एवं आईबीएम, इंटेल, टीसीएस आदि जैसे प्रमुख संगठनों के उद्योग विशेषज्ञ शामिल हैं। सीनेट के विवरण के लिए <http://www.iiits.ac.in/home/governance/senate/> देखें।

कार्यक्रम सलाहकार समूह (पीएजी) संस्थान को पाठ्यक्रम तैयार करने और कार्यक्रम के प्रभावी वितरण का समर्थन करने में मदद करता है। एम.टेक एआई और एमएल के पीएजी में निम्नलिखित विशेषज्ञ शामिल हैं:

1. प्रो. बालारमन रविन्द्रन  
प्रोफेसर एवं प्रमुख, रोबर्ट बॉस्च  
डाटा साईंस एवं एआई केंद्र,  
आईआईटीएम
2. डॉ. मनीष गुप्ता  
निदेशक  
गूगल रिसर्च
3. सुश्री शालिनी कपूर  
आईबीएम अध्येता एवं सीटीओ, एआई  
आईबीएम शोध
4. डॉ. वेकेंटेश सरनगन  
प्रधान वैज्ञानिक  
टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज

### 4.2.2 साइबर सुरक्षा में एम.टेक

इंटरनेट पर सूचना साझा करने की हालिया प्रगति ने संगठनों के लिए साइबर खतरे को बढ़ा दिया है। प्रणाली को बाहरी खतरों से सुरक्षित रखने के लिए सुरक्षा संबंधी परिष्कृत ज्ञान और उपकरणों की आवश्यकता होती है। दुनिया भर में और साथ ही भारत में भी कुशल साइबर सुरक्षा प्रोफेशनलों की अत्यधिक मांग है जो कि साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं के बारे में अच्छी तरह से शिक्षित हों। इससे प्रेरणा लेते हुए, आईआईआईटी श्री सिटी ने परिणाम अपधारित शिक्षा (ओबीई) पर जोर देने के साथ-साथ साइबर सुरक्षा में विशेषीकृत द्विवर्षीय एम.टेक डिग्री कार्यक्रम प्रदान करता है। कार्यक्रम सलाहकार समूह में अर्नस्ट एंड यंग, आईबीएम, केपीएमजी, टीसीएस, सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन और डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (डीएससीआई) जैसे प्रतिष्ठित संगठनों/विश्वविद्यालयों में कार्य करने वाले साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ शामिल हैं। सलाहकार समूह उद्योग की प्रासंगिकता और स्नातक रोजगार योग्यता सुनिश्चित करने के लिए पाठ्यक्रम का समय-समय पर संशोधन सुनिश्चित करता है। सूचना प्रौद्योगिकी में राष्ट्रीय महत्व का संस्थान होने के नाते, आईआईआईटी श्री सिटी पहले से ही साइबर सुरक्षा विशेषज्ञता के साथ बी.टेक कार्यक्रम चला रहा है। इस प्रकार, साइबर सुरक्षा में

एम.टेक कार्यक्रम आईआईआईटीएस के पारिस्थितिकी तंत्र को और बढ़ावा देगा और उद्योग के लिए अत्यधिक कुशल श्रमशक्ति का उत्पादन करेगा।

## एम.टेक साइबर सुरक्षा पाठ्यचर्या

एमटेक कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में कुल 64 क्रेडिट शामिल हैं, जो स्नातक करने के लिए आवश्यक हैं। कुल 64 क्रेडिट को दो भागों में विभाजित किया गया है: क) पहले दो सेमेस्टर में कोर्स वर्क में 40 क्रेडिट पूरे करने की आवश्यकता होती है और ख) उद्योग आधारित परियोजना कार्य के लिए 24 क्रेडिट पूरा करने की आवश्यकता होती है जो एमटेक शोध निबंध की ओर ले जाती है।

### सेमेस्टर-1

1. साइबर सुरक्षा का परिचय
2. एल्गोरिदम और जटिलता विश्लेषण
3. नेटवर्क और डाटा सुरक्षा
4. साफ्टवेयर सुरक्षा
5. साइबर सुरक्षा विनियम (सेमिनार कोर्स)

### सेमेस्टर-2

1. क्रिप्टोग्राफी
2. साइबर सुरक्षा के लिए मशीन लर्निंग एप्लीकेशन
3. ऐच्छिक-1
4. ऐच्छिक-2
5. ऐच्छिक-3

### इलेक्टिव:

1. थ्रेट इंटेलीजेंस
2. मेलवेयर विश्लेषण एवं डिजिटल फोरेंसिक
3. साइबर फिजिकल सिस्टम्स सिक्यूरिटी
4. सॉफ्टवेयर परिभाषित नेटवर्किंग सुरक्षा
5. मोबाइल एवं वायरलैस सुरक्षा
6. ब्लॉकचैन टेक्नोलॉजी

## एम.टेक साइबर सुरक्षा प्रबंधकारिणी समिति एवं कार्यक्रम सलाहकार समूह:

आईआईआईटी श्री सिटी की सीनेट में आईआईआईटी हैदराबाद, आईआईटी मद्रास, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली आदि संस्थानों के वरिष्ठ शिक्षाविद एवं आईबीएम, इंटेल, टीसीएस आदि जैसे प्रमुख संगठनों के उद्योग विशेषज्ञ शामिल हैं। सीनेट के विवरण के लिए <http://www.iiits.ac.in/home/governance/senate/> देखें।

कार्यक्रम सलाहकार समूह (पीएजी) संस्थान के पाठ्यक्रम तैयार करने और कार्यक्रम के प्रभावी वितरण का समर्थन करने में मदद करता है। एम.टेक एआई और एमएल के पीएजी में

निम्नलिखित विशेषज्ञ शामिल हैं:

1. श्री वी. आनंद कुमार  
निदेशक, प्रबंधित सुरक्षा सेवाएं, आईबीएम
2. प्रो. मुत्तुकृष्णन राजराजन  
निदेशक, साइबर सुरक्षा संस्थान, लंदन सिटी यूनिवर्सिटी
3. डॉ राजीव मुकुंदन  
सीटीओ साइबर सुरक्षा,  
टीसीएस
4. श्री शास्त्री कृष्ण पेंड्याला  
पार्टनर,  
अर्नस्ट एंड यंग, हैदराबाद
5. श्री अखिलेश टुटेजा  
ग्लोबल साइबर सिक्योरिटी प्रैक्टिस को-लीडर,  
पार्टनर केपीएमजी
6. श्री विनायक गोडसे  
उपाध्यक्ष,  
भारतीय डेटा सुरक्षा परिषद (डीएससीआई)

#### 4.3 पीएच.डी.

आईआईआईटी श्रीसिटी का प्रायोजित परियोजनाओं और विद्वत प्रकाशनों के माध्यम से शोध प्रदर्शन पर महत्वपूर्ण रूप से ध्यान देता है है। आईआईआईटी श्रीसिटी की परिकल्पना आईटी शिक्षा, शोध और विकास के लिए वैश्विक रूप से पहचानी जाने वाली संस्था बनना है। संस्थान में ऐसे प्रतिभाशाली संकाय सदस्यों को आकर्षित करने और उनको बनाए रखने पर विशेष बल दिया जाता है जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षण एवं शोध में पहचान बना सकें। आईआईआईटी श्रीसिटी के मौजूदा संकाय सदस्य उत्कृष्ट शिक्षण एवं शोध योग्यताओं के साथ भारत तथा विदेश के अग्रणी विश्वविद्यालयों से हैं। संस्थान निम्नलिखित पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है, जो कंप्यूटिंग के सभी क्षेत्रों पर केंद्रित है:

- कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में पीएच.डी.
- इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में पीएच.डी.

- गणित और डाटा विज्ञान में पीएच.डी.

संस्थान ने मानसून (जुलाई) 2019 से उद्योग और भारत सरकार की अनुसंधान प्रयोगशालाओं जैसे डीआरडीओ, इसरो आदि के कर्मचारियों के लिए अंशकालिक पीएचडी कार्यक्रम आरंभ किया है।

## पीएच.डी पाठ्यचर्या

**कार्यक्रम की अवधि:** कार्यक्रम को पूरा करने की अधिकतम अवधि पूर्णकालिक उम्मीदवारों के लिए 6 वर्ष और अंशकालिक उम्मीदवारों के लिए 7 वर्ष है। पूर्णकालिक उम्मीदवारों को 4 वर्ष तक या थीसिस जमा करने की तिथि जो भी पहले हो, तक छात्रवृत्ति दी जाएगी।

**डॉक्टरेट समिति:** प्रत्येक डॉक्टरेट समिति में सदस्यों की निम्नलिखित संरचना शामिल होती है – अध्यक्ष, अनुसंधान गाइड, सह-गाइड (यदि कोई हो), आंतरिक सदस्य (सीएसई), आंतरिक सदस्य (ईसीई), उद्योग सह-गाइड/उद्योग सदस्य, उद्योग से बाहर का सदस्य/अनुसंधान संस्थान।

**पाठ्यक्रम कार्य:** शोधार्थियों को डॉक्टरेट समिति द्वारा निर्धारित चार प्रासंगिक पाठ्यक्रम पूरा करना आवश्यक है।

**उद्योग इंटरनशिप:** पूर्णकालिक श्रेणी के तहत पीएचडी छात्रों को पूरे पीएचडी कार्यक्रम के दौरान 4-6 महीने की अवधि के लिए शीर्ष स्तरीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों और अनुसंधान संगठनों में उद्योग इंटरनशिप लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

## कार्यक्रम के मुख्य बिन्दु:

- उद्योग उन्मुख पीएच.डी कार्यक्रम
- उद्योगों में ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप करने का अवसर
- पूर्णकालिक छात्रों के लिए वित्त पोषित पीएच.डी कार्यक्रम
- अंशकालिक पीएचडी छात्रों के लिए फलैक्सीबल एटेंडेंस स्कीम
- अंशकालिक छात्रों के लिए पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए परिसर में रहने की कोई आवश्यकता नहीं है
- डॉक्टरेट समिति में उद्योग विशेषज्ञ को शामिल करना
- भारत के अंदर सम्मेलनों में भाग लेने के लिए समर्थन



#### 4.4 शैक्षिक प्रदर्शन

सेमेस्टर	विषय	नामांकित विद्यार्थियों की संख्या	उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या	उत्तीर्ण प्रतिशत
मानसून 2022	<b>यूजी 1 कोर्स</b> डिस्क्रीट स्ट्रक्चर एंड मेटिक्स एल्जेबरा कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग डिजिटल लॉजिक डिजाइन कम्प्यूटर कार्यशाला का अवलोकन अनिवार्य अंग्रेजी ऊर्जा और पर्यावरण	यूजी 1-324	299	91.7%
	<b>यूजी 2 कोर्स</b> विषय उन्मुखी कार्यक्रम गणित-3 उन्नत डाटा संरचनाएं एवं एल्गोरिथम डाटाबेस प्रबंधन प्रणाली कम्प्यूटर वास्तुकला सर्किट एवं नेटवर्क विश्लेषण नियंत्रक प्रणाली एंबेडेड सिस्टम व्यावसायिक संचार	यूजी 2-324	297	91.7%
	<b>यूजी-3 कोर्स</b> फ्रमवर्क संचालित फ्रंट-एंड विकास कलाउड कम्प्यूटिंग वितरित कंप्यूटिंग साइबर सुरक्षा से परिचय ग्राफ सिद्धांत और अनुप्रयोग नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग मशीन लर्निंग सूचना पुनर्प्राप्ति डाटा खनन कम्प्यूटर ग्राफिक्स और मल्टीमीडिया वीएलएसआई से परिचय			

	<p>डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग पेटर्न मान्यता वायरलेस संचार मइक्रोप्रोसेसर एवं माइक्रोकंटरोल्स इलेक्ट्रॉनिक पैकेजिंग इंटरनेट ऑफ थिंग्स डेटा एनालिटिक्स का परिचय मात्रात्मक और तार्किक योग्यता मानवीय मूल्यों और नैतिकता में नींव संगठनात्मक व्यवहार जलवायु परिवर्तन और उसके निहितार्थ</p> <p><b>यूजी-4 कोर्स</b></p> <p>बायोइनफॉर्मैटिक्स आभासी और संवर्धित वास्तविकता इंटरनेट ऑफ थिंग्स के लिए कंप्यूटिंग डिजिटल सिस्टम डिजाइन माइक्रोवेव इंजीनियरिंग और रडार सिस्टम डेटा एनालिटिक्स का परिचय क्रिप्टोग्राफी डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग साइबर फिजिकल सिस्टम का परिचय बिग डेटा एनालिटिक्स सॉफ्ट कंप्यूटिंग और विकासवादी एआई रोजगार के लिए कौशल व्यक्तिगत विकास कार्यक्रम आईटी परियोजना प्रबंधन नवाचार और उद्यमिता विकास के लिए आईसीटी</p>	<p><b>यूजी 3-294</b></p>	<p><b>232</b></p>	<p><b>78.9%</b></p>
	<p><b>यूजी-4 कोर्स</b></p> <p>बायोइनफॉर्मैटिक्स आभासी और संवर्धित वास्तविकता इंटरनेट ऑफ थिंग्स के लिए कंप्यूटिंग डिजिटल सिस्टम डिजाइन माइक्रोवेव इंजीनियरिंग और रडार सिस्टम डेटा एनालिटिक्स का परिचय क्रिप्टोग्राफी डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग साइबर फिजिकल सिस्टम का परिचय बिग डेटा एनालिटिक्स सॉफ्ट कंप्यूटिंग और विकासवादी एआई रोजगार के लिए कौशल व्यक्तिगत विकास कार्यक्रम आईटी परियोजना प्रबंधन नवाचार और उद्यमिता विकास के लिए आईसीटी</p>	<p><b>यूजी 4-259</b></p>	<p><b>237</b></p>	<p><b>91.5%</b></p>
वसंत 2023	<p><b>यूजी-1 कोर्स</b></p> <p>संभावना और सांख्यिकी</p>			

<p>डाटा संरचनाओं और एल्गोरिदम सिग्नल और सिस्टम कंप्यूटर आर्किटेक्चर बुनियादी इलेक्ट्रॉनिक सर्किट संचालनात्मक संचार मानवीय मूल्यों और नैतिकता में नींव ऊर्जा और पर्यावरण</p>	<p><b>यूजी 1–319</b></p>	<p><b>279</b></p>	<p><b>87.4%</b></p>
<p><b>यूजी-2 कोर्स</b></p> <p>कंप्यूटर और संचार नेटवर्क पूर्ण स्टैक विकास के मूल सिद्धांत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संगणना का सिद्धांत संचार के मूल सिद्धांत इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स और ट्रांसमिशन लाइनें एनालॉग सर्किट उन्नत संचार कौशल क्वांटम सूचना और कंप्यूटिंग संगठनात्मक व्यवहार नवाचार और उद्यमिता व्यक्तिगत विकास कार्यक्रम</p>	<p><b>यूजी 2–2321</b></p>	<p><b>289</b></p>	<p><b>90.03%</b></p>
<p><b>यूजी-3 कोर्स</b></p> <p>वेबसेवाएँ और बैकएंड विकास वितरित कम्प्यूटिंग उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग कंप्यूटर विज्ञान मल्टीमीडिया सिस्टम संज्ञानात्मक कंप्यूटिंग ग्राफ सिद्धांत और अनुप्रयोग रोबोटिक इंटेलिजेंस बायोइन्फॉर्मैटिक्स डेटा खनन ऑप्टो नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स माइक्रो सेंसर और एक्चुएटर्स मॉडल आधारित सिग्नल विश्लेषण</p>	<p><b>यूजी 3–292</b></p>	<p><b>282</b></p>	<p><b>96.6%</b></p>

<p>उन्नत वीएलएसआई बिजली के इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर विवरण भाषा ब्रेन कंप्यूटर इंटरैक्शन भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग वायरलेस नेटवर्क स्मार्ट विनिर्माण उन्नत डेटा एनालिटिक्स डेटा साइंस के लिए पायथन ध्यान लगा के पढ़ना या सीखना बुद्धिमान और स्वायत्त प्रणाली रोजगार के लिए कौशल व्यक्तिगत विकास कार्यक्रम क्वांटम सूचना और कंप्यूटिंग संगठनात्मक व्यवहार नवाचार और उद्यमिता विकास के लिए आईसीटी</p> <p><b>यूजी-4 कोर्स</b></p> <p>कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क सूचना सिद्धांत और कोडिंग सॉफ्टवेयर परिभाषित नेटवर्क मैक्रो इकोनॉमिक्स और पर्सनल फाइनेंस</p>	<p><b>यूजी 4-259</b></p>	<p><b>254</b></p>	<p><b>98.06%</b></p>
---	--------------------------	-------------------	----------------------

## 5. प्लेसमेंट और इंटरनशिप (ग्रीष्म इंटरनशिप एवं सेमेस्टर लंबी परियोजना)

### 5.1 ग्रीष्म इंटरनशिप:

आईआईआईटी श्री सिटी में छात्रों को ग्रीष्म के दौरान इंटरनशिप करने के लिए अत्यधिक प्रोत्साहित किया जाता है, भले ही वे संस्थान में किसी भी वर्ष नामांकित हुए हों।

हालांकि, यह काफी आकांक्षात्मक लग सकता है कि हम अवर स्नातक प्रथम वर्ष के छात्रों को भी इंटरनशिप प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, हमारा मानना है कि संस्थान के माध्यम से छात्र द्वारा प्रथम वर्ष से औद्योगिक अनुभव प्राप्त करने से उसके उज्ज्वल कैरियर को शुरू करने में मदद मिलेगी। इसलिए, जैसे ही विद्यार्थी जुड़ते हैं, हम विद्यार्थियों को वर्क फ्रॉम होम इंटरनशिप प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हमें लगता है कि सीखने के हर एक पहलू को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए और उचित परिश्रम के साथ क्रियान्वित किया जाना चाहिए। आईआईआईटी श्रीसिटी में इंटरनशिप एक मील का पत्थर है।

बेशक, हमारा ध्यान प्री-फाइनल वर्ष के छात्रों को ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप पूरी कराने पर है, क्योंकि इस बात की प्रबल संभावना होती है कि ये इंटरनशिप प्री-प्लेसमेंट ऑफर (पीपीओ) में परिवर्तित हो सकती हैं। प्लेसमेंट कार्यालय छात्रों को इंटरनशिप प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास करता है जो कि निम्नलिखित है:

- प्री-फाइनल वर्ष के छात्रों के लिए इंटरनशिप के अवसर हेतु नियमित रूप से कंपनियों से संपर्क करना,
- देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घरेलू स्तर पर होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं को साझा करना,
- परियोजनाओं के लिए कंपनियों की तलाश करना ताकि छात्र घर पर ही परियोजनाओं को पूरा कर सकें और इसे अपने रेज्यूमे में जोड़ सकें, और
- छात्रों को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय इंटरनशिप के अवसरों से अवगत कराना।
- विद्यार्थियों को भारत और विदेशों में अकादमिक इंटरनशिप करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। प्लेसमेंट कार्यालय भी छात्रों के लिए ऐसे अवसर प्रदान करता है ताकि वे कई संभावनाओं के लिए आवेदन कर सकें।

माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न, याहू, स्विगी, जेडएस एसोसिएट्स, बॉश, कॉमवॉल्ट आदि कुछ कंपनी हैं जहां हमारे विद्यार्थी वर्तमान में हाई एंड लीड परियोजनाओं में शामिल हैं।

## 5.2 सेमेस्टर—लंबी परियोजनाएं

सेमेस्टर—लंबी परियोजनाएं हमारे संस्थान के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है और हमने इस कार्यक्रम में नए पहलुओं को शामिल किया है ताकि विद्यार्थी इससे लाभान्वित हो सकें। इन परियोजनाओं से छात्रों को कम से कम दो तरह से लाभ होता है:

1. जो छात्र अपनी ड्रीम जॉब की इच्छा रखते हैं, वे एक सेमेस्टर—लंबी परियोजना कार्यक्रम के लिए कंपनियों के साथ साइन-अप करते हैं, जिसे एक पूर्णकालिक पद में परिवर्तित करने का अवसर होता है।
2. अक्सर भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियां विद्यार्थियों को उसी कंपनी में पूर्णकालिक पदों पर शामिल होने से पहले विद्यार्थियों को इंटर्न के रूप में शामिल होने का अवसर प्रदान करती हैं। इसलिए, विद्यार्थियों का छात्र से उनकी पूर्णकालिक भूमिकाओं में धीरे-धीरे परिवर्तन हो जाता है।

इन परियोजनाओं के लिए छात्रों को आठ क्रेडिट मिलते हैं जिसके लिए हमारे द्वारा कठोर समीक्षा की जाती है। जिन छात्रों ने केवल सेमेस्टर—लंबी परियोजना का विकल्प चुना था, उनका मूल्यांकन दो बार उद्योग संरक्षक द्वारा और दो बार संस्थान के संकाय संरक्षक द्वारा किया जाएगा। दो संकाय सदस्यों की टीम अंतिम मूल्यांकन करती है, जिसमें आंतरिक संकाय संरक्षक शामिल होता है।

वर्ष 2022 में सेमेस्टर—लंबी परियोजनाओं के कुछ मुख्य बिन्दु निम्नलिखित हैं:

एसएलपी करने वाले विद्यार्थियों की संख्या	169
इंटर्नशिप की अवधि	4 से 6 माह
इंटर्नशिप के लिए स्टाइपेंड	25000 रु. से 1,20,000 रु.

## 5.3 कैम्पस प्लेसमेंट:

एक निर्मित और चरणबद्ध प्रयास के माध्यम से पिछले वर्षों में बी.टेक प्लेसमेंट में काफी वृद्धि हुई है। कैम्पस प्लेसमेंट अगस्त 2022 के पहले सप्ताह में आरंभ हुई और भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियों ने सीएसई और ईसीई दोनों के छात्रों की भर्ती की। पाने वाली नौकरियों छात्रों के लिए इस रूप में काफी रोचक हैं कि ये उन्नति में वृद्धि करती हैं। शैक्षिक वर्ष 2022-23 में हमारे छात्रों द्वारा प्राप्त किया जाने वाल उच्चतम पैकेज 1.20 करोड़ रूपए प्रति वर्ष था। हमने 2023 बैच के लिए 93 प्रतिशत प्लेसमेंट प्राप्त की है। आईआईआईटीएस

अधिकतर प्रोजेक्ट उन्मुखी कंपनियों को आकर्षित करना है और प्लेसमें के लिए आने वाली कंपनियों की विविधता छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करती है। एमएनसी जैसे कि माइक्रोसाफ्ट, अमेजोन, रिलायस, अमेरिकन एक्सप्रेस, बीएनवाई मेलन, इत्यादि तथा सेवा उन्मुखी कंपनियां जो प्रोजेक्ट संबंधी पदों के लिए भर्ती कर रही थी जैसे कि टीवीएस, आईबीएम, वर्टुसा, एलएंडटी इत्यादि तथा स्थापित स्टार्ट अपस जैसे कि स्प्रिंगएमएल, फलुटूरा, कोटूर इत्यादि ने हमारे छात्रों की भर्ती की है।

- किसी वर्ष में पात्र विद्यार्थियों की संख्या हेतु परिसर में आने वाली *कंपनियों की संख्या* आवश्यकता से अधिक है। इसलिए, यह छात्रों को उनकी रुचि की कंपनियों में जाने का विकल्प देती है। साथ ही विद्यार्थी बाजार में भर्ती करने वाली विभिन्न कंपनियों के संपर्क में भी आते हैं।
- आईआईआईटीटी श्रीसिटी के कैंपस प्लेसमेंट में जो कोस्ट टू द कंपनी (सीटीसी) पैकेज मिलता है वह देश के किसी भी प्रीमियम संस्थान के बराबर है। छात्रों को जो नौकरी मिलती है, वे उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण होती हैं क्योंकि यह उनके करियर के विकास को बढ़ावा देती हैं।
- शैक्षणिक वर्ष 2022–2023 में आईआईआईटी श्रीसिटी के किसी विद्यार्थी को मिलने वाला अधिकतम घरेलू पैकेज 1.20 करोड़ रूपए प्रति वर्ष है।
- हमारे विद्यार्थियों को डर्राइनबॉक्स, टेकिओन, मेरकसेसार्ड्स, लिमेचेट आदि जैसे गहन तकनीकी स्टार्टअप्स में भर्ती किया गया है।

### प्लेसमेंट के लिए छात्रों की तैयारी

- संस्थान आने वाले वर्षों में एआई और एमएल, साइबर सुरक्षा, साइबर-भौतिक प्रणालियों और अधिक विशेषज्ञता क्षेत्र वाले क्षेत्रों में *स्नातक विद्यार्थियों के लिए विशेषज्ञता* प्रदान करेगा। इसके अलावा, हमारे छात्रों को सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज्ञान, डेटा एनालिटिक्स, आईओटी, वायरलेस कम्युनिकेशन, स्मार्ट ट्रांसपोर्टेशन एवं अन्य, जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल है।
- कैंपस में प्लेसमेंट के लिए कंपनियों के आने से पहले, विद्यार्थी *एप्टीट्यूड और रीजनिंग, एडवांस्ड कम्युनिकेशंस स्किल्स और कॉम्पिटिव प्रोग्रामिंग* जैसे पाठ्यक्रमों के साथ अपनी सॉफ्ट स्किल्स को निखारते हैं। उल्लेखनीय है कि विद्यार्थियों को पढ़ने, लिखने, सुनने और बोलने में आवश्यक स्तर पर लाने के लिए पहले दो वर्षों में चार पाठ्यक्रमों के एक सेट के रूप में संचार कौशल सिखाया जा रहा है।

- हम *स्टार्टअप में महत्वपूर्ण भूमिका* निभाने के लिए विशेष दक्षताओं और कौशल वाले स्नातकों को विकसित करने पर भी जोर देते हैं। विभिन्न जॉब सैक्टर के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने के अलावा, आईआईआईटी श्रीसिटी विद्यार्थियों के लिए ऐसे पाठ्यक्रम भी तैयार करता है जो उद्यमशीलता और स्टार्टअप एवं लघु व्यवसाय प्रबंधन जैसे पाठ्यक्रमों के साथ अपनी खुद की कंपनियां शुरू करने के इच्छुक हैं, छात्र स्टार्टअप में पर्यावरण को भी समझते हैं (अपना खुद का निर्माण कैसे करें सीखने के अलावा)। इसके अलावा, विद्यार्थियों के अभिनव स्टार्टअप का समर्थन करने के लिए, आईआईआईटीएस ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) द्वारा प्रारंभिक वित्त पोषण के साथ ज्ञान सर्कल वेंचर्स नाम से *प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर* लॉन्च किया है।
- विशेषकर, हमारे छात्रों ने माइक्रोसाफ्ट, एमेजॉन, सिस्को, अमेरिकन एक्सप्रेस, बैंक ऑफ न्यूयार्क, आईबीएम, नेशनल इंस्ट्रूमेंट सहित कई *बहुराष्ट्रीय कंपनियों में सेमेस्टर-लंबी उद्योग इंटरशिप एवं नौकरियां* हासिल की हैं।
- हमारे विद्यार्थियों की अन्य उपलब्धियां निम्नलिखित शामिल हैं:-
  - माइक्रोसॉफ्ट एआई चैलेंज में विजेता, गूगल एंड्रॉइड हैकथॉन;
  - स्मार्ट इंडिया हैकथॉन में रनर अप
  - एमडोक्स हैकथन में शीर्ष 10 में स्थान
  - गूगल समर ऑफ कोड (जीएसओसी) में (छह छात्र) चयनित।

## प्लेसमेंट के लिए संस्थान की तैयारी

- आईआईआईटी श्रीसिटी शोध के लिए *उद्योग के साथ* भी जुड़ा हुआ है और संस्थान नियमित रूप से उद्योग-उन्मुख पाठ्यक्रमों को पढ़ाने के लिए उद्योग से संकाय भी उपलब्ध करवाता है। संस्थान उद्योग पेशेवरों के साथ साझेदारी करके वर्ष में कई कार्यशालाओं का आयोजन करता है। ये गतिविधियाँ उद्योग-संस्थान संबंधों को और मजबूत करती हैं एवं विद्यार्थियों को उन कंपनियों में नियुक्त करने से संस्थान को लाभ होता है जिनसे संस्थान जुड़ा हुआ है।
- आईआईआईटी श्रीसिटी में, निदेशक के नेतृत्व में संकाय सदस्य समूह, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के साथ प्लेसमेंट और प्रशिक्षण के लिए एक संरचित और व्यवस्थित प्रयास



किया जाता है। प्लेसमेंट संस्थान के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से एक है और श्रमशक्ति के मामले में आवश्यक संसाधन पर्याप्त रूप से आवंटित किए जाते हैं। उदाहरण के लिए, यहा प्लेसमेंट चेयर, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट अधिकारी और छात्र प्लेसमेंट समन्वयक मौजूद हैं।

## आईआईआईटीटी श्रीसिटी का दौरा करने वाली कंपनियां

- कैंपस प्लेसमेंट अगस्त 2022 के प्रथम सप्ताह में शुरू हुआ और भर्ती के लिए कैंपस में आने वाली कंपनियों ने न केवल सीएसई और ईसीई दोनों बैच के विद्यार्थियों को नियुक्त किया, (तालिका 2 में सूचीबद्ध) कंपनियां के अलावा इसमें बहुराष्ट्रीय कंपनियां, सफल स्टार्टअप, कटिंग ऐज टैक्नोलॉजी, कंप्यूटर विज्ञान कंपनियां, और कोर ईसीई कंपनियां इत्यादि विभिन्न कंपनियां भी शामिल थी। हमारे कुछ बहुराष्ट्रीय भर्तीकर्ताओं ने कंसल्टिंग, ई-कॉमर्स, हाई-टेक, हॉस्पिटैलिटी और हेल्थ केयर से जुड़े उद्योगों का प्रतिनिधित्व किया।
- आईआईआईटीएस अधिकतर उत्पाद-उन्मुख कंपनियों को आकर्षित करता है और प्लेसमेंट के लिए आने वाली कंपनियों की विविधता विद्यार्थियों की जरूरतों को पूरा करती है। बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां, बड़ी सेवा-उन्मुख कंपनियां (केवल उत्पाद भूमिका पदों के लिए भर्ती), स्थापित स्टार्ट-अप, हाल के वर्षों के प्रोमाइजिंग स्टार्टअप, कोर कंपनियां (ईसीई शाखा के लिए), इत्यादि, हाल के वर्षों में आईआईआईटीएस का दौरा करने वाली कंपनियों की श्रेणियां हैं।

## 6. छात्र विकास गतिविधियां (एसडीसी):

### 6.1 सामाजिक गतिविधियां: एनएसएस और यूबीए गतिविधियां

#### क) स्वच्छता पखवाड़ा (14 सितंबर से 02 अक्टूबर 2022):

भारत महात्मा गांधी की 150वीं जन्म जयंती के अवसर पर 02 अक्टूबर 2022 को सिंगल यूज प्लास्टिक (प्लास्टिक, थैलियों, स्ट्रॉ, कप, प्लेट, छोटी बोटलों और कुछ प्रकार के पाउच सहित) पर राष्ट्र-वार प्रतिबंध लगाने की ओर अग्रसर है। भारत में प्रतिवर्ष लगभग 9.4 मिलियन टन प्लास्टिक अपशिष्ट पैदा होता है और बिना किसी प्रभावी निष्पादन पद्धति से यह प्लास्टिक अपशिष्ट भू-स्थलों और जल निकायों में सड़क के किनारे पड़ा रहता है। आईआईआईटीएस कैंपस को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए गांधी जयंती (02/10/2022) के अवसर पर एक विशेष प्लास्टिक मुक्त स्वच्छता अभियान चलाया गया। आईआईआईटीएस के प्रथम और द्वितीय वर्ष के एनएसएस स्वयंसेवक स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से शामिल थे उन्होंने परिसर में विभिन्न स्थानों का दौरा किया और प्लास्टिक कूड़े और अन्य प्लास्टिक उत्पादों को एकत्रित करते हुए परिसर को प्लास्टिक अपशिष्ट से मुक्त बनाया। उन्होंने परिसर के लोगों को उनके दैनिक जीवन में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग से बचने के लिए भी जागरूकता का प्रसार किया।



#### 6.1.ख) विश्व रक्तदान दिवस 14 जून, 2022:

आईआईआईटी श्री सिटी द्वारा 14 जून, 2022 को विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस वर्ष के शिविर का शीर्षक "रक्तदान करना एक एकजुटता का परिचायक है, इस प्रयास में शामिल होकर जीवन बचाएं"। श्रीसिटी में कार्य करने वाली कई कंपनियों को



इसमें आमंत्रित किया गया।

कॉलेज के कई छात्रों और कर्मचारियों ने रक्तदाताओं की सहायता करने हेतु सक्रिय रूप से स्वयंसेवा प्रदान की और इनमें से कई ने रक्तदान भी किया। इस शिविर में भाग लेने वाली मुख्य कंपनियों में एक्सीलेंट फार्मा, एशियन, आईएमओपी, एल्सटोम और अन्य कंपनियां शामिल थी जिनमें प्रोलिक्स, नोवएयर टेक्नोलॉजीस, टोरे इंडस्ट्रीज, सीसीएल, एएआई, पेप्सी कंपनी, ब्रेक इंडिया टेवीएस और एशियन ऑटो पार्ट्स भी शामिल थे। 138 से अधिक रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।



रक्तदान अभियान अत्यधिक सफल रहा और यह श्रीसिटी के सहयोग, यूजीआई परिषद्, एनएसएस स्वयंसेवकों और संकाय एवं कर्मचारियों के सहयोग का परिणाम रहा। एकत्रित रक्त को क्षेत्रीय अस्पताल, गुड्डुर, तिरुपति जिले को दिया गया।

#### 6.1.ग) विश्व पर्यावरण दिवस, 5 जून 2022:

“मात्र प्रकृति” के महत्व को पहचानने के लिए प्रत्येक वर्ष 5 जून को पर्यावरण के संरक्षण और पोषण के संबंध में जागरूकता प्रसार हेतु विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया जाता है ताकि पृथ्वी को बेहतर जीवन जीने योग्य बनाया जा सके। भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग के पत्र संख्या एफ सं. 10-28/2021-एआर के अनुसार 5 जून, 2022 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इवेंटों का आयोजन करने के निदेश दिए गए हैं। निदेशों के अनुसार एनएसएस आईआईआईटी श्रीसिटी प्रकोष्ठ ने निम्नलिखित गतिविधियों की आयोजना एवं आयोजन किया है:

- सोशल मीडिया में “केवल एक पृथ्वी” विषय 2022 का ऑनलाइन संवर्धन।
- सेल्फी प्रतियोगिता
- वातावरण को हरित एवं स्वच्छ बनाने के लिए शपथ।
- परिसर की सफाई
- परिसर में पैंटिंग दर्शाना
- ग्राम अभियान





### 6.1.घ) यूबीए निःशुल्क चिकित्सा एवं वेलनैस कैंप:

उन्नत भारत अभियान (यूबीए) 2.0 योजना के अंतर्गत आईआईआईटी श्रीसिटी चित्तूर ने कावेरी अस्पताल के सहयोग से अपनाये गए एक गांव (सिधम्मा अग्रहरम) में 26.11.2022 को एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य गरीब लोगों को समग्र शारीरिक परीक्षण प्रदान करना था जिसमें स्वास्थ्य जांच, बीपी, मधुमेह और कोलेस्ट्रॉल इत्यादि शामिल थे। इस प्रकार इस चिकित्सा शिविर ने निःशुल्क चिकित्सा सलाह और लोगों को दवाइयां प्रदान की और उन्हें जब भी आवश्यक था, विशेष उपचार के लिए अस्पताल में भेजा। इस शिविर को सुबह 09:30 से दोपहर 01:00 बजे तक चलाया गया। अपनाये गए अन्य गांव (अरुर और मल्लावरीप्रेम पूर्व) के लोगों के लिए स्थान पर आने और वापस जाने के लिए बस सुविधा का प्रबंध किया गया। कावेरी अस्पताल से 6 चिकित्सा कर्मचारियों के साथ 3 डॉक्टर भी शिविर के दौरान उपस्थित रहें। इस शिविर समन्वय आईआईआईटी श्रीसिटी के छात्र स्वयंसेवकों द्वारा किया गया। प्रोफेसर जी. कन्नाबिरन, आईआईआईटी श्रीसिटी के निदेशक ने चिकित्सा शिविर का दौरा किया और गांव वासियों से बातचीत की तथा डॉक्टरों, नर्सों और ग्रामीण स्कूल प्राथमिक शिक्षकों को शिविर के दौरान उनके सहयोग और सेवा के लिए प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया। निदेशक ने शिविर के सुकर संचालन हेतु आईआईआईटी श्रीसिटी के छात्र स्वयंसेवकों और कर्मचारियों की सराहना की। इस शिविर की सहायता से कुल 138 ग्रामीण लाभांविता हुए।



### 6.1.ड) राष्ट्रीय एकता दिवस 2022:

प्रत्येक वर्ष 31 अक्तूबर को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म जयंती के आयोजन हेतु राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। सरदार वल्लभ भाई पटेल को लोकप्रिय रूप से भारत का लौह पुरुष कहा जाता था। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन और 1947 में ब्रिटिश साम्राज्य से स्वतंत्रता प्राप्त करने के पश्चात् राजनीतिक एकत्रीकरण में गहन भूमिका निभाई। आईआईआईटी श्रीसिटी ने इस दिन का यादगार बनाने के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस पर निम्नलिखित इवेंटों का आयोजन किया। एकता दिवस पर जागरूकता प्रसार हेतु ग्रामीण रेली, सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन की प्रगति तथा एकता शपथ।



### 6.1.च) मातृभाषा दिवस 2023:

प्रत्येक वर्ष विश्व भर में भाषा एवं सांस्कृतिक विविधता तथा बहु-भाषाओं का संवर्धन करने के लिए 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया जाता है। भारत में इस दिवस को मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर आईआईआईटी श्रीसिटी ने सभी छात्रों के लिए निम्नलिखित इवेंटों का आयोजन किया:

1. 90 सैकेण्ड वाग्मिता प्रतियोगिता
2. आपकी मातृभाषा (अपनी स्वयं की मातृभाषा में) जातीयता – प्रतियोगिता
3. क्षेत्रीय भाषा में लोकगायन – प्रतियोगिता
4. सामान्य प्रश्न
5. पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिता (चार्ट और रंग प्रदान किए जाएंगे)



## 6.1.छ) स्वतंत्रता दिवस एवं गणत्रंता दिवस समारोह

स्वतंत्रता दिवस एवं गणत्रंता दिवस भारत के इतिहास में दो महत्वपूर्ण दिन हैं जिन्हें देश भर में अति उत्साह के साथ मनाया जाता है। आईआईआईटी श्रीसिटी ने इन अवसरों को यादगार बनाने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक इवेंटों का आयोजन किया।



## 6.2 शारीरिक शिक्षा और खेल गतिविधियां:

### 6.2.क) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 21 जून, 2022:

आईआईआईटी श्रीसिटी उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चयनित किए जाने वाले 75 महत्वपूर्ण संस्थानों में से एक था। संस्थान ने सभी छात्रों और श्रीसिटी के समुदाय के लिए सात दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया। यूबीए गांव में योग के प्रति जागरूकता के प्रसार हेतु ग्रामीण अभियान चलाया जाता है और गांव के युवाओं को आईडीवाई के अवसर पर प्रदर्शन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है। प्रधान मंत्री मोदी के सीधे प्रसारण का पैलेस सिटी मैसुरु से प्रसारण किया गया। कर्नाटक में मैसुरु के विरासत शहर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के 8वें संस्करण के मुख्य इवेंट को संबोधित करते हुए प्रधान मंत्री मोदी ने कहा, "मैं 8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सभी का अभिवादन करता हूँ। आज योग विश्व के सभी भागों में प्रचलन में आया है। योग हमारे जीवन में शांति लाता है। योग से शांति

न केवल व्यक्तियों के लिए होती है, यह हमारे राष्ट्र और विश्व के लिए भी शांति लाती है।” उन्होंने कहा योग न केवल व्यक्तियों के लिए है अपितु यह समूची मानवता के लिए है। इस कारण से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का शीर्षक “मानवता के लिए योग” है, प्रधान मंत्री मोदी जी ने कहा। “समूचा विश्व हमारे अपने शरीर और आत्मा से आरंभ होता है। विश्व हमसे आरंभ होता है और योग हमें हमारे भीतर हर चीज के प्रति जागरूक बनाता है तथा हमारे अंदर जागरूकता की भावना का निर्माण करता है।” प्रधान मंत्री के भाषण के पश्चात् “आर्ट ऑफ लिविंग” के योग विशेषज्ञों द्वारा योग प्रोटोकॉल का अनुसरण किया गया। विशेषज्ञों के साथ कॉमन योग प्रोटोकॉल में लगभग 500 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रो. जी. कन्नाबिरन, निदेशक, आईआईआईटी श्रीसिटी ने 7 दिवसीय योग शिविर के दौरान संचालित सूर्य नमस्कार 108 प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 का राष्ट्रीय गान से समापन हुआ।



## 6.2 ख) स्पेक्ट्रा खेल उत्सव 2022 (इंटर हाउस यूजी टूर्नामेंट):

एक स्वास्थ्य शरीर में स्वस्थ दिमाग होता है। छात्रों को उनकी अंतरनिहित प्रतिभा प्रदर्शित करने, उनके कौशल और नेतृत्व गुणों को प्रदर्शित करने का प्रचुर मात्रा में अवसर प्रदान किया जाएगा। इस संदर्भ में सभी छात्रों को 4 दलों नामतः एस्ट्रा, चक्रा, त्रिशूल और वज्र में विभाजित किया गया, प्रतियोगिताएं प्रत्येक टूर्नामेंट/इवेंट में विजेताओं तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने का निर्णय लेने के लिए नॉक-आउट आधार पर दलों के बीच निम्नलिखित टीम खेलों/इवेंटों का आयोजन का किया जाएगा: ये टूर्नामेंट 02 से 04 अप्रैल, 2022 के बीच आयोजित किए गए।

1. बॉसकेटबाल
2. वॉलीबाल
3. फुटबॉल
4. क्रिकेट
5. थ्रो बॉल
6. शतरंज

आईआईआईटी श्रीसिटी के कुल 200 छात्रों ने खेल करतब में भाग लिया। प्रो. जी. कन्नाबिरन, निदेशक, आईआईआईटी श्रीसिटी चित्तूर द्वारा सभी विजेताओं और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वालों को पदक और ट्रॉफियां प्रदान की गयीं।



## 6.2.ग) राष्ट्रीय एकता मैराथन 2023:

आईआईआईटी श्रीसिटी ने श्रीसिटी फाउंडेशन और क्रिया विश्वविद्यालय के सहयोग से छात्रों, कर्मचारियों और कार्यरत समुदाय में फिटनेस और स्वास्थ्य का संवर्धन करने के लिए श्रीसिटी में 12 फरवरी, 2023 रविवार को 5 किलोमीटर दौड़ का आयोजन किया। यह इवेंट इस दौड़ में भाग लेने वाले 1000 प्रतिभागियों के साथ प्रातः 06:30 पर आरंभ हुआ। प्रतिभागियों में आईआईआईटी श्रीसिटी, क्रिया विश्वविद्यालय के छात्र, संकाय सदस्य और कर्मचारी तथा



श्रीसिटी में विभिन्न कंपनियों के कर्मचारी शामिल थे। धावकों में आरंभकर्ताओं तथा अनुभवी धावकों को शामिल करते हुए विभिन्न आयु और क्षमताओं व्यक्ति शामिल थे। 5 किलोमीटर की दौड़ एक प्रतियोगी इवेंट नहीं था बल्कि यह एक समुदाय निर्माण का इवेंट था। धावकों ने एक-दूसरे का प्रोत्साहन किया और संघर्षरत प्रतिभागियों का प्रोत्साहन किया। यह इवेंट आईआईआईटी श्रीसिटी में टीमवर्क और समुदाय की भावना का परिचायक था।



**6.2.घ) 5वीं अंतर आईआईआईटी खेल प्रतियोगिता 2023:** 5वीं अंतर आईआईआईटी खेल प्रतियोगिता का तमिलनाडु में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी डिजाइन एवं विनिर्माण (आईआईआईटीडीएम) कांचीपुरम में आयोजन किया गया। यह चार दिवसीय आयोजन था जिसमें देश भर के विभिन्न आईआईआईटी परिसरों को एक मंच पर लाया गया। खेलों में शामिल थे एथलेटिक्स, फुटबाल, वॉस्केटबाल, बैडमिंटन, क्रिकेट, टेबल टेनिस, वॉलीबाल तथा शतरंज। विभिन्न आईआईआईटी के प्रतिभागियों ने विभिन्न खेलों में अपने कौशल और क्षमताओं का प्रदर्शन किया। इस खेल आयोजन का मुख्य उद्देश्य विभिन्न आईआईआईटी में खेलकूद, स्वस्थ प्रतियोगिता का संवर्धन करना और उनमें एकता की भावना पैदा करना था। इस इवेंट का दौरान वातावरण काफी गतिमान और उत्साहजनक रहा जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी टीमों को प्रोत्साहित किया तथा खेल भावना के साथ खेलों को खेला। ये खेल गहन थे और खिलाड़ियों ने अत्यधिक टीमवर्क, फोकस और कौशल का प्रदर्शन किया। आईआईआईटी श्रीसिटी ने 44 पदक जीते जिसमें पॉवर लिफ्टिंग में 3 स्वर्ण पदक तथा क्रिकेट और थ्रो बॉल महिला में चौपियनशिप ट्रॉफी जीती। फुटबॉल टीम पुरुष ने भी इस आयोजन में रजत पदक प्राप्त किया।



## 6.2. ड.) फिट इंडिया अभियान (2022–23)

फिट इंडिया मूवमेंट लोगों को दैनिक जीवन में शारीरिक गतिविधियों और खेलों में शामिल करते हुए स्वस्थ और फिट रहने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु एक राष्ट्रवार आंदोलन है। फिट इंडिया मूवमेंट का शुभारंभ दिनांक 29 अगस्त 2019 को नई दिल्ली में इंदिरा गांधी स्टेडियम में भारत के प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किया गया। आईआईआईटी श्रीसिटी चित्तूर खेलों के जरिए स्वास्थ्य और फिटनेस का संवर्धन करने और छात्रों में समग्र विकास का आकलन करने के लिए आईआईआईटी परिसर में "फिट इंडिया अभियान" का आयोजन किया। अभियान के दौरान निम्नलिखित खेलों का आयोजन किया गया:

- 1) बास्केटबॉल
- 2) वॉलीबॉल
- 3) फुटबॉल
- 4) क्रिकेट
- 5) थ्रो बॉल
- 6) शतरंज



5वीं इंटर स्पोर्ट्स मीट, आईआईआईटीडीएम कांचीपुरम में खेल उपलब्धि

## पदक जीते

1. स्वर्ण पदक – क्रिकेट, थ्रो बॉल महिला और पावरलिफ्टिंग पुरुष और महिला
  2. रजत पदक – फुटबॉल पुरुष
  3. कांस्य: पावरलिफ्टिंग पुरुष महिलाएं
  4. चौथा स्थान: वॉलीबॉल पुरुष और शतरंज
- कुल जीते गए पदक: 44



## 6.3 तकनीकी क्लब की गतिविधियां:

### 6.3.1 आईओटीए (आईओटीए के प्रोजेक्ट क्लब)

#### 6.3.1.क) प्रस्तावना सत्र (28/09/2022)

आईओटीए ने यूजी2 के क्लब को आरंभ करने के लिए अपने पहले सत्र का संचालन किया। विकास के विभिन्न आयामों के संबंध में स्वास्थ्य विचार-विमर्श किए गए। हमारी यूजी3 टीम ने विकास के विभिन्न क्षेत्र प्रस्तुत किए जिनमें हमने भाग लिया था। प्रत्येक क्षेत्र का चुनाव क्लब के एक सदस्य द्वारा किया गया था जो उस क्षेत्र में अत्यधिक अनुभवी था और जिसने उस क्षेत्र में इंटरशिप पूरी की थी। छात्रों ने वास्तव में इस सत्र को पसंद किया और साथ ही इसके उद्देश्य को प्राप्त करने में सहायता प्रदान करने हेतु क्लब ज्वाइन करने में भी रुचि दर्शाई।



#### 6.3.1.ख) टंकण प्रतियोगिता (18/11/2022)

तकनीकी सांस्कृतिक उत्सव उरकृष्ठा के भाग के रूप में हमने 4 इवेंटों का आयोजन किया जिसमें टंकण प्रतियोगिता भी एक थी। यह अत्यधिक रोचक इवेंट था जिसका उद्देश्य स्वस्थ प्रतियोगिता का संवर्धन करते हुए प्रतिभागियों को टंकण कौशल में सुधार करना था। इस प्रतियोगिता ने छात्रों को की-बोर्ड टाइपिंग में उनकी गति, सुधार और सटीकता प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया। प्रतिभागियों को विभिन्न टंकण अभ्यासों से चुनौती दी गई और उनकी गति, सटीकता तथा सक्षमता के आधार पर उनका मूल्यांकन किया गया। इस टंकण प्रतियोगिता ने न केवल प्रतिभागियों की टंकण क्षमताओं में सुधार किया बल्कि छात्रों को शैक्षिक एवं व्यावसायिक सफलता के लिए अनिवार्य कौशल में सुधार हेतु प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया और मनोरंजक एवं प्रतिस्पर्धी वातावरण भी प्रदान किया। इस इवेंट में 60 छात्रों ने भाग लिया।



### 6.3.1.ग) सीएसएस बैटल (17/11/2022)

उरकृष्ट तकनीकी सांस्कृतिक उत्सव के भाग के रूप में हमने 4 इवेंटों का आयोजन किया, **सीएसएस बैटल** उनमें से एक था। इसने प्रतिभाशाली छात्रों को एक मंच पर एकत्रित किया जिन्होंने वेब डिजाइन की सीमाओं को पार करते हुए प्रतियोगी चुनौतियों के माध्यम से उनके **सीएसएस कोडिंग कौशलों** को प्रदर्शित किया। प्रतिभागियों ने नवाचारी डिजाइन, समस्या निवारण क्षमताओं और सक्षम सहयोग का प्रदर्शन किया। सीएसएस बैटल में सीएसएस का प्रयोग करते हुए पजल तैयार करना शामिल था। यह पजल कठिनाई के बढ़ते हुए स्तर के साथ तैयार किए गए थे। हमारी टीम ने सभी उपयोगकर्ताओं के प्रतिशत का पता लगाने के लिए एक मंच तैयार किया। **प्रश्नों से अत्यधिक मिलान वाले छात्र को विजेता घोषित किया गया।** इस इवेंट ने **80 छात्रों** को आकर्षित किया।



### 6.3.1.घ) तालमेल: स्टम्बल गेज (19/11/2022)

उरकृष्ट तकनीकी सांस्कृतिक उत्सव के भाग के रूप में हमने 4 इवेंटों का आयोजन किया, **तालमेल: स्टम्बल गेज** उनमें से एक था। जबकि वेलोरंट एक प्रमुख खेल था, स्टम्बल गेज का उद्देश्य एक कम खेल वाले प्रतिभागी था। यह एक 5 मिनट का मनोरंजक खेल था जिसमें कोई भी खेल सकता था। इसमें 50 लोगों ने कठिनाइयों को पार करते हुए खेल में भाग लिया। इसमें **150 से ज्यादा प्रतिभागियों** ने भाग लिया। इसका आयोजन ग्रेडियंट के तकनीकी इवेंट के पश्चात् किया गया जहां प्रतिभागी तकनीकी इवेंटों के तनाव को दूर करने के लिए आते हैं और इसी दौरान वे अपने मित्रों के साथ मनोरंजन में भाग लेते हैं।



### 6.3.1.ड) तालमेल: वेलोरंट (20/11/2022)

उरकृष्ट तकनीकी सांस्कृतिक उत्सव के भाग के रूप में हमने 4 इवेंटों का आयोजन किया, तालमेल: वेलोरंट उनमें से एक था। वेलोरंट 5वीं प्रथम व्यक्ति शूटर खेल है। यह वैश्विक टूर्नामेंटों में करोड़ों दर्शकों की संख्या में अत्यधिक प्रसिद्ध खेलों में एक है। सभी तकनीकी इवेंटों की श्रृंखला में मनोरंजक इवेंटों का आयोजन किया जाना चाहिए। इसमें प्रतिभागियों ने कठिन तकनीकी इवेंटों के पश्चात् इस एक दिवसीय इवेंट का लुत्फ उठाया। प्रतिभागियों ने अपने रणनीतिगत विचारों, टीमवर्क और एक प्रतियोगी खेल वातावरण में व्यक्तिगत कौशलों का प्रदर्शन किया। इस इवेंट ने छात्रों को खेल के लिए उनके प्रेम, समुदाय और सहयोगियों की भावना के संवर्धन में संबंधित स्थापित किए।



### 6.3.1.च) ग्लोबल जेम जेम टाइटंस (03/02/2023)

प्रोफेसर हिमांगशू सरमा के मार्गदर्शन में हमें हमारे क्लब ग्लोबल गेम टाइटन के भव्य आयोजन का अवसर प्राप्त हुआ। एक स्थानीय जेम स्थल होने के नाते इस इवेंट ने हमारे कॉलेज और अन्य स्थानों के खेल उत्साहियों को एक स्थान पर ला दिया। प्रतिभागी सृजनात्मकता, सहयोग और नवाचार के वातावरण में गहन थे। प्रायोजकों जैसे कि टाटा संपन्न फूड, लवाजा कॉफी

और पेप्सीको के उदार सहयोग से हमने टीमों को उनके खेल विकास कौशलों को प्रदर्शित करने तथा सीमित समय-सीमा के भीतर अनुभव तैयार करने के लिए एक मंच प्रदान किया। प्रोफेसर हिमांगशू सरमा के मूल्यवान मार्गदर्शन और विशेषज्ञता ने इवेंट का सुकर निष्पादन सुनिश्चित किया जिसमें प्रतिभागियों को खेल विकास के लिए उनके उत्साह का पता लगाने और हमारे कॉलेज के भीतर समुदाय की भावना में वृद्धि करने के लिए प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया।



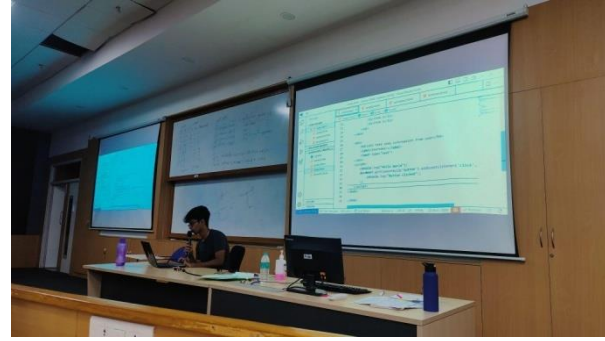
इस इवेंट में विचार-प्रोटोटाइप और नवाचारी खेल विकसित करने के लिए खेल विकासकर्ता, डिजाइनर और कलाकारों की टीम एकत्रित हुई। ग्लोबल गेम टाइटन ने प्रतिभागियों को एक जैसी सोच वाले व्यक्तियों और उद्योग व्यावसायिकों को एक मंच पर लाते हुए समुदाय की भावना विकसित की। हम इस इवेंट को सफल बनाने और हमारे कॉलेज समुदाय में नवाचार एवं सहयोग की भावना का संवर्धन करने के लिए हमारे प्रायोजकों के आभारी हैं।



### 6.3.1.छ) यूजी1 के लिए वेब डेवलपर बूटकैम्प 06-13 फरवरी, 2023)

हमने गहन वेब विकास ज्ञान के साथ 5-दिवसीय "वेब डेवलपर बूटकैम्प" का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस इवेंट को प्रतिभागियों में वेब डेवलपमेंट के क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने

के लिए अपेक्षित अनिवार्य कौशल और ज्ञान के साथ प्रतिभागियों को सुसज्जित करने के लिए तैयार किया गया था। पहले दिन, प्रतिभागियों ने वेब डेवलपमेंट में कैरियर अवसरों की खोज की और एचटीएमएल, सीएसएस बेसिक और डेवलपमेंट टूल्स के साथ परिचय प्राप्त किया। दूसरे दिन प्रतिभागियों को तकनीक, लेआउट और प्रति-उत्तर डिजाइन की गहन समझ प्रदान करते हुए डीपर इंटू सीएसएस प्रदान किया गया। इस सत्र में 100 से अधिक यूजी1 छात्रों ने भाग लिया।



तीसरा दिन वेरीएबल फंक्शन और बेसिक प्रोग्राम जैसे विषयों को शामिल करते हुए जावास्क्रिप्ट फंडामेंटल्स पर केंद्रित रहा। चौथे दिन एसाइक्रोनस कॉल और डोक्यूमेंट ऑब्जेक्ट मॉडल (डीओएम) को शामिल करते हुए प्रोन्नत जावास्क्रिप्ट विषयों से परिचय करवाया गया। प्रतिभागियों ने वेब पेज पर एपीआई तथा इंटरएक्टिव की विशेषताओं के कार्यान्वयन में जानकारी प्राप्त की।

अंतिम, 5वें दिन जिट और जिटहब का प्रयोग करते हुए नियंत्रक अंश का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने यह सीखा कि कैसे रिपोजिटरी की स्थापना की जाए, परिवर्तनों का पता लगाया जाए और अन्यो के साथ सक्षमता रूप से सहयोग किया जाए। सभी सत्रों के बाद मनोरंजक प्रश्न मंचों का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों ने भरपूर आंदन लिया। उन्होंने हमारी टीमों द्वारा दिए गए कार्यों को भी हल किया और बूटकैम्प के परिणाम के आधार पर अपने पोर्टफोलियो का निर्माण किया।





### 6.3.1.ज) यूजी1 का प्रस्तावना सत्र (07 / 02 / 2023)

आईओटीए ने यूजी1 के क्लब की शुरुआत करते हुए अपने पहले सत्र का आयोजन किया। हमने विकास के विभिन्न आयामों पर स्वस्थ विचार-विमर्श किए। हमने यूजी2 को इस सत्र को आगे भविष्य में क्लब का अनुभव के साथ संचालन करने देने का निर्णय लिया। हमारी यूजी2 टीम ने भाग लेने वाले विकास के कई क्षेत्रों से अवगत कराया। प्रत्येक क्षेत्र क्लब के एक सदस्य द्वारा चुना गया जो उस क्षेत्र में अत्यधिक अनुभवी थे और जिन्होंने उस क्षेत्र में इनर्नशिप पूरी की थी। छात्रों ने वास्वत में इस सत्र को पसंद किया और इसके उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए क्लब की सहायता हेतु इसमें ज्वाइन करने में भी रुचि दर्शाई।



### 6.3.1.झ) हैकफ्रेंजी (07 / 03 / 2023 – 09 / 03 / 2023) (ऑफलाइ फैंज)

जीडीएससी के सहयोग से प्रख्यात तकनीकी सांस्कृतिक उत्सव अभिसर्ग के भाग के रूप में सोनाटा सॉफ्टवेयर द्वारा प्रायोजित एक राष्ट्र स्तरीय हैकाथन का आयोजन किया गया जिसमें भारत भर से 400 से अधिक छात्रों और 151 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के ऑफलाइन दौर में भाग लेने के लिए अंतिम 18 टीमों को आमंत्रित किया गया। समूचे भारत के छात्रों ने ऑफलाइन दौर में ज्वाइन किया जिसमें हमारे संकाय परामर्शदाताओं द्वारा "कृषि प्रबंधन" समस्या वक्तव्य रखी गई थी।



### 6.3.2. मैट्रिक्स (डाटा साइंस क्लब):

#### 6.3.2.क) प्रस्तावना सत्र (27 जनवरी, 2023):

यूजी-1 के छात्रों के लिए क्लब के संबंध में एक प्रस्तावना सत्र का आयोजन किया गया। हमने क्लब के महत्व पर विचार-विमर्श किया और इस बात पर विचार किया गया कि वर्तमान समय में डाटा विज्ञान कैसे महत्वपूर्ण है। उसके पश्चात् हमने उपयोग की जाने वाली प्रौद्योगिकी का परिदृश्य प्रदान किया और यह बताया कि वे डाटा विज्ञान के क्षेत्र में कितनी उपयोगी हैं, उपलब्ध विभिन्न कैरियर अवसरों को ताजा किया और संभावित छात्रों के एक व्यापक मार्ग प्रस्तुत किया। हमने इस बात पर जोर दिया कि क्लब एक ऐसे सहयोगी समुदाय के रूप में कार्य कर सकता है जहां प्रत्येक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से सीख सकता है और इकट्टी वृद्धि कर सकता है। हमने छात्रों को क्लब की गतिविधियों, कार्यशालाओं और इवेंटों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। अंत में, प्रश्न-उत्तर सत्र का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों को विभिन्न विषयों पर स्पष्टीकरण प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया गया।



#### 6.3.2.ख) एनालिटिक्स एरेना हैकाथन (7 अप्रैल 2023—9 अप्रैल, 2023):

मैट्रिक्स क्लब ने आईआईआईटीएस तकनीकी सांस्कृतिक उत्सव अभिसर्ग के भाग के रूप में एक डाटा विज्ञान हैकाथन (एनालिटिक्स एरेना) का आयोजन किया जिसमें समूचे भारत के विभिन्न कॉलेजों के क्षेत्रों ने इसमें भाग लिया। हमने पहले दो दौर का ऑनलाइन आयोजन किया जिसमें प्रत्येक दौर एलीमिनेशन दौर था। जिन्होंने दोनों दौर में अच्छा प्रदर्शन किया उन्हें 48 घंटे लंबी हैकाथन के लिए हमारे कॉलेज में एकत्रित किया गया। समस्या वक्तव्य का निर्णय उद्योग व्यक्ति द्वारा लिया गया। प्रतिभागियों ने प्रोग्रामिंग मशीन लर्निंग और डाटा विजुवलाइजेन का डाटासेट का विश्लेषण करने और आकलन मॉडल का विकास करने हेतु किया। अंत में, टीमों ने निर्णायक मंडल के समक्ष अपने हल प्रस्तुत किए। सभी टीमों ने हैकाथन में सक्रिय रूप से भाग लिया।



### 6.3.2.ग) डाटा विज्ञान प्रश्न मंच (09 अप्रैल, 2023):

आईआईआईटी उत्सव अभिसर्ग के भाग के रूप में, मैट्रिक्स क्लब ने उत्सव में भाग लेने वाले सभी छात्रों और हमारे कॉलेज के छात्रों के लिए डाटा विज्ञान प्रश्न मंच का आयोजन किया। इस प्रश्न मंच सत्र ने छात्रों को विभिन्न डाटा विज्ञान पहलुओं और तकनीकों की समझ प्रदर्शित करने की अनुमति प्रदान करते हुए स्वस्थ प्रतियोगिता का वातावरण तैयार किया। यह प्रश्न प्रतिभागियों के ज्ञान और स्थापनात्मक विचार कौशलों को चुनौती देते हुए तैयार किए गए थे जो मूल पहलुओं से लेकर अधिक प्रोन्नत सिद्धांतों की श्रेणी में थे। इस इवेंट का समापन अत्यधिक अंक प्राप्त करने वाली टीमों अथवा व्यक्तियों की घोषणा के साथ हुआ।



### 6.3.3 गूगल डेवलोपर छात्र क्लब (जीडीएससी) क्लब:

जीडीएससी आईआईआईटी श्री सिटी सीखने, साझा करने, संबंध बनाने और कौशलों का विकास करने के लिए **गूगल डेवलोपरों** द्वारा एक गैर-लाभकारी डेवलोपर समूह है। हम, हमारे साथ जुड़े प्रत्येक छात्र को बेहतर व्यक्ति बनाने के लिए प्रमुख ज्ञान को साझा करते हुए सीखने और उन्नति करने के प्रतिबद्ध हैं।

हमारा लक्ष्य यह है कि छात्रों के लिए बहु-इवेंटों और गतिविधियों की सहायता से खेलों और वेबीनार का आयोजन करें। हम गूगल डेवलोपर छात्र क्लब के स्थानीय व्यापार और प्रौद्योगिकी की समझ हेतु जहां तक पहुंचा जा सके, तकनीकी हल प्रदान करने के उद्देश्य के साथ स्वयं को अनुरूप बनाते हैं। **संचालित इवेंट प्रकार:**

- **वक्ता सत्र** – जीडीएससी की प्रमुख टीम द्वारा आयोजित वक्ता सत्र जिसमें हमने विभिन्न प्रौद्योगिकियों और अवसरचनारों को सीखा और उन पर विचार-विमर्श किया।
- **अतिथि वक्ता सत्र** – बाह्य वक्ताओं ने इन इवेंट प्रकारों का आयोजन किया। वे सीनियर अथवा उद्योग जगत से प्रख्यात व्यक्ति हो सकते थे।

- अभियान इवेंट – एकल क्षेत्र में शिक्षण हेतु इवेंटों की श्रृंखला।
- हैकाथन और कोडिंग प्रतियोगिता

हमने शैक्षिक सत्र 2022–23 में 3 हैकाथन और 1 कोडिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया – देव-ए-थन 2.0 [हैकाथन]

- हैकीफ्रेंजी [हैकाथन]
- फाइलक्वाइन ओरबिट इंडिया हैकाथन – आईआईआईटी श्री सिटी [हैकाथन]
- कोडरस 2023 [कोडिंग कंटेंट्स]

### 6.3.3.क) कम्पोज कैम्प | पहला दिन | 30 सितंबर, 2022

- वक्ता सत्र + अभियान इवेंट (अभियान का नाम: कम्पोज कैम्प)
- कम्पोज कैम्प के इस प्रस्तावक सत्र में कोटलिन पाठ्यक्रम के साथ एंज़ायड ऐप डेवलपमेंट की पहली ईकाई।
- कुल प्रतिभागी: 66



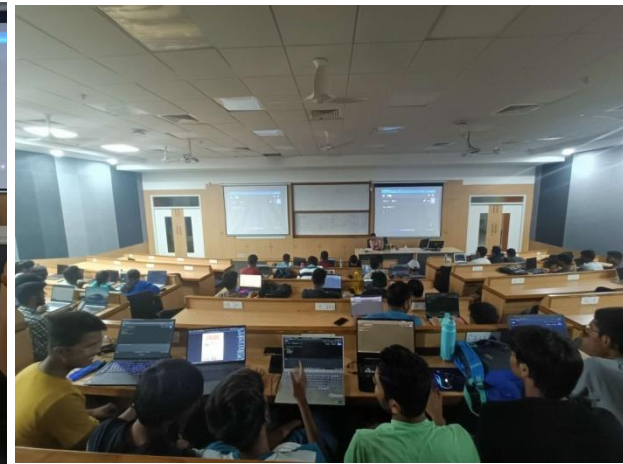
### 6.3.3.ख) कोमेटलैब के सहयोग से वक्ता सत्र | 06 अक्टूबर, 2022

- हमने तकनीकी स्टार्ट-अप में प्रोडक्ट डेवलपमेंट, डेवलोपर टूल्स और हाइरिंग प्रक्रिया के संबंध में वक्ता सत्र हेतु कोमेटलैब एंड फाउंडर, आईआईटीयन नेटवर्क के श्री प्रशांत कटियार, संस्थापक और सीईओ की मेजबानी की।
- कुल प्रतिभागी: 85



### 6.3.3.ग) कम्पोज कैंप | दूसरा दिन | 07 अक्तूबर, 2022

- वक्ता सत्र + अभियान इवेंट (अभियान का नाम: कम्पोज कैंप)
- इस इवेंट में **कोटलिन** और **जेटपैक कम्पोज** के बेसिक पर ध्यान केंद्रित किया गया। छात्रों को उद्योग में कोटलिन के प्रयोग से अवगत कराया गया तथा यह बताया गया कि कैसे जेटपैक कम्पोज प्रदर्शन में कैसे महत्वपूर्ण सुधार कर सकता है और पारंपरिक ऐप डेवलपमेंट की तुलना में प्रभावशाली डेवलपमेंट प्रदान कर सकता है।
- कुल प्रतिभागी: 48

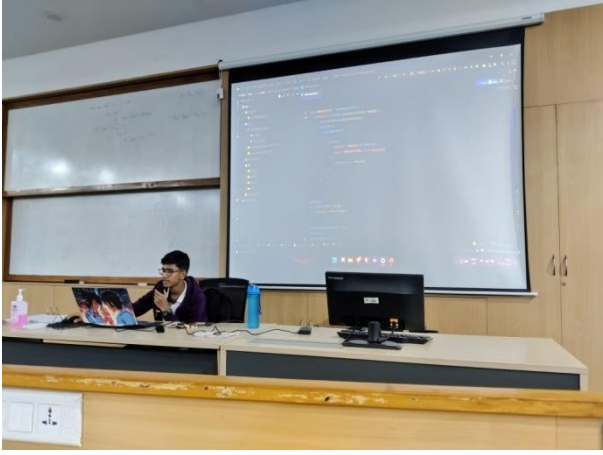


### 6.3.3.घ) कम्पोज कैंप | तीसरा दिन | 12 अक्तूबर, 2022

- वक्ता सत्र + अभियान इवेंट (अभियान का नाम: कम्पोज कैंप)
- इस इवेंट में **एंज़ायड स्टूडियो** की स्थापना तथा **एंज़ायल इमूलेटर** का पता लगाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। साथ ही, **कोटलिन** पर अधिक विचार-विमर्श किया गया तथा

उद्योग जगत में इसके प्रयोग के बारे में विचार किया गया।

- कुल प्रतिभागी: 32



### 6.3.3.ड) कम्पोज कैंप | चौथा दिन | 14 अक्तूबर, 2022

- वक्ता सत्र + अभियान इवेंट (अभियान का नाम: कम्पोज कैंप)
- इस सत्र में **कम्पोज कैंप इवेंट श्रृंखला** का आयोजन किया गया और हमने प्रतिभागियों के साथ इनकी **एंज्वायड यात्रा** को जारी रखने के लिए सूचना साझा की तथा हमने उन्हें किसी शंका का निवारण करने के लिए आमंत्रित किया।
- कुल प्रतिभागी: 17



### 6.3.3.च) जीडीएससी उन्मुखी एवं मार्गदर्शी सत्र | 20 जनवरी, 2023

वक्ता सत्र: नए बैच (2026 बैच) के लिए **उन्मुखी और मार्गदर्शी सत्र**। इस सत्र को **जीडीएससी कार्यक्रम** के बारे में महत्वपूर्ण सूचना प्रदान करने और कार्यक्रम के बारे में प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तैयार किया गया था।

हमने क्लब की गतिविधियों के परिदृश्य, सहयोग के अवसरों और अधिगम तथा साथ ही छात्रों के लिए उपलब्ध सहायक सेवाओं सहित क्लब के बारे में महत्वपूर्ण सूचना प्रदान की। इसके साथ ही, सत्र के अंत में शंकाओं के निवारण हेतु एक प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया।

हमारी यूजी3 टीम (डोमेन लीड्स) ने भाग लेने वाले छात्रों के लिए विकास के विभिन्न क्षेत्रों से अवगत कराया। प्रत्येक क्षेत्र का चुनाव क्लब के सदस्य द्वारा किया गया जो उस क्षेत्र में अत्यधिक अनुभवी थे और जिन्होंने उस क्षेत्र में इंटरनशिप की थी।

कुल प्रतिभागी: 124



### 6.3.3.छ) हल चुनौती के साथ आरंभ | 27 जनवरी, 2023

- वक्ता सत्र
- संयुक्त राष्ट्र '17 सुस्थिर विकास परिलक्ष्यों का आधार पर गूगल की वार्षिक हल चुनौती (एक अंतर्राष्ट्रीय हैकाथन) के विवरण, नियम और नियमावली को प्रदर्शित करने वाला एक सत्र।
- कुल प्रतिभागी: 47



### 6.3.3.ज) आईईएलटीएस और टीओईएफएल | 08 फरवरी, 2023

विदेश में अध्ययन हेतु अतिथि वक्ता सत्र

आईईएलटीएस और टीओईएफएल परीक्षाओं के लिए तैयारी पर केंद्रित वक्ता सत्र में प्रतिभागियों को विदेश में अध्ययन में इच्छुक छात्रों के लिए दो महत्वपूर्ण परीक्षाओं हेतु तैयारी आरंभ करने के लिए अनिवार्य कदमों के माध्यम से मार्ग-दर्शन प्रदान किया गया। ये विचार-विमर्श शैक्षिक उद्देश्य के लिए अंग्रेषी भाषा में दक्षता के मूल्यांकन में आईईएलटीएस तथा टीओईएफएल की महत्ता को उजागर करते हुए आरंभ हुए। वक्ताओं ने प्रतिभागियों को परीक्षा प्रपत्र की समझ में सहायता हेतु खंड, प्रश्न प्रकारों और अंकन प्रणाली सहित परीक्षा की अवसंरचना के परिदृश्य प्रदान किए।

कुल प्रतिभागी: 87



### 6.3.3.झ) प्रस्तावना | मशीन लर्निंग एंड डाटा साइंस बूटकैंप | जीडीएससी आईआईआईटी श्रीसिटी | 08 फरवरी, 2023

वक्ता सत्र + अभियान इवेंट (अभियान का नाम: एमएल-डीएस बूटकैंप)

जीडीएससी मशीन लर्निंग और डाटा साइंस बूटकैंप (एमएल-डीएस बूटकैंप) के लिए घोषणा सत्र। हमने प्रतिभागियों की आशाओं का पता लगाया और उन इवेंट श्रृंखलों पर कार्य आरंभ किया जो उन्हें एमएल क्षेत्र में प्रशिक्षित कर सकें।



कुल प्रतिभागी: 69



### 6.3.3.ज) गोलांग की प्रस्तावना | 22 फरवरी, 2023

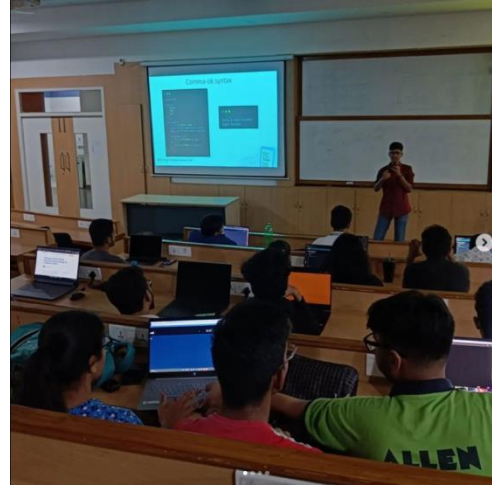
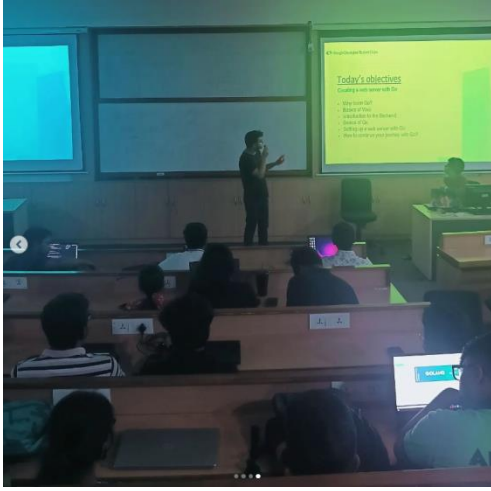
वक्ता सत्र

वक्ता सत्र में आमतौर पर गोलांग के रूप में जाने वाले प्रोग्रामिंग लैंग्वेज गो, का परिचय प्रदान किया गया। इस सत्र का उद्देश्य गो की विशिष्टताओं, लाभ और प्रयोगों की व्यापक दृष्टिकोण के साथ प्रतिभागियों को अवगत कराना था। वक्ताओं ने संगत प्रोग्रामिंग के लिए भाषा की साधारण होने, सक्षम और मजबूत सहायता, एक सतत निर्माण तथा अत्यधिक निष्पादन सॉफ्टवेयर प्रणालियों के लिए इसकी निरंतरता को उजागर करते हुए वक्तव्य प्रदान किए।

प्रतिभागियों ने गो के सेनटेक्स, मानक पुस्तकालय और सुदृढ़ टूल पारिस्थितिकी के बारे में अवगत कराया गया जो त्वरित विकास और तैनाती को सुकर बनाती है। इस सत्र में वास्तविक जगत के उपयोग के मामलों और सफलता की कहानियों को भी शामिल किया गया जो यह दर्शाती है कि कैसे गो उद्योग अग्रणियों द्वारा बैकएंड सेवाओं के निर्माण, वितरण प्रणालियों और क्लाउड-नेटिव प्रयोगों में शामिल रहा है।

वक्ता सत्र ने मूल्यवान विचार, प्रायोगिक जानकारियां और प्रतिभागियों के लिए उनकी परियोजनाओं और संगठनों में गो की क्षमता का पता लगाने और उसके संवर्धन हेतु प्रोत्साहित किया।

कुल प्रतिभागी: 27



### 6.3.3.ट) एमएल-डीएस बूटकैंप | प्रस्तावना | 17 मार्च, 2023

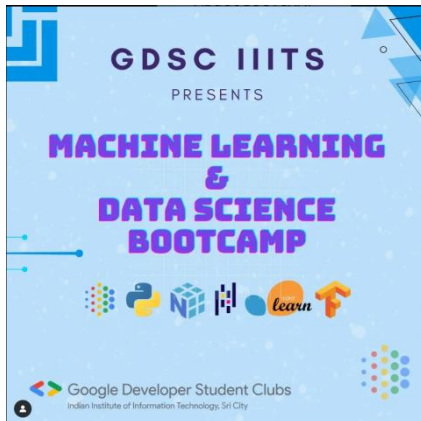
वक्ता सत्र + अभियान इवेंट (अभियान का नाम: एमएल-डीएस बूटकैंप)

इस सत्र में बूटकैंप के उद्देश्यों, लाभ, परिसूची और नीतियों की व्यापक समझ प्रदान की गई।

- सत्र के दौरान हमने निम्नलिखित विषयों पर विचार किया
- बूटकैंप अवसंरचना की व्यापक जानकारी
- बूटकैंप में प्रतिभागियों के लाभ
- बूटकैंप का समय और अवधि
- दोहरे क्लियरिंग सत्रों के आयोजन की संभावना
- उपस्थिति, अभ्यास कार्य और प्रश्न मंच नीतियां
- पुरस्कार और गुडीज

हमने "हमसे कुछ भी पूछें" का आयोजन किया जिसमें प्रतिभागियों ने प्रश्न पूछे और फीडबैक प्रदान किए।

कुल प्रतिभागी: 81



6.3.3.ठ) वेब 3 और ब्लॉकचैन वर्कशॉप | लौर एक्स जीडीएससी आईआईआईटी श्रीसिटी | 18 मार्च, 2023

अतिथि वक्ता सत्र

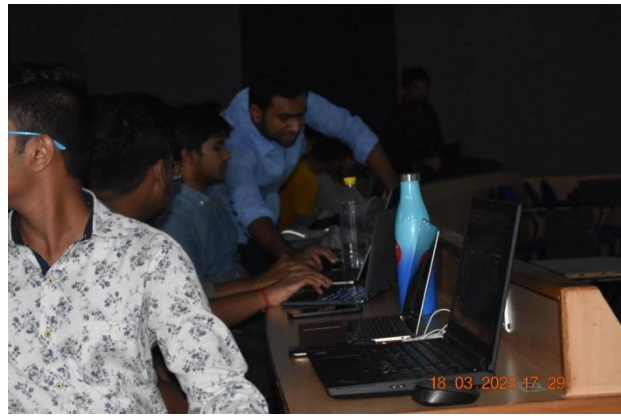
श्री भारत पिनाबोयनिया, सीईओ, लौर और फाइलक्वाइन के सहयोग से आयोजित वेब 3 और ब्लॉकचैन कार्यशाला। इस इवेंट के लिए हमारे साथ कई अतिथि वक्ता भी जुड़े।

**अतिथि वक्ता विवरण:**

श्री भारत पिनाबोयनिया,  
सीआईओ, लौर (आईआईआईटी श्रीसिटी परिसर में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित)  
रिमोट अतिथि वक्ता विवरण:

- ज्वान बेनेट (संस्थाक और सीईओ, फाइलक्वाइन और प्रोटोकॉल लैब्स)
- रोबर्ट डोवलिंग (प्रोग्राम मैनेजर, फाइलक्वाइन फाउंडेशन)
- रविकांत अग्रवाल (वीपी स्ट्रेटेजी, पोलीगॉन लैब्स)
- साराह थियान (डेवलपर एडवोकेट, फाइलक्वाइन वीएम)
- अमन पाण्डेय (ग्लोबल डेवलपर इकोसिस्टम लीड, पोलीगॉन)

कुल प्रतिभागी: 152



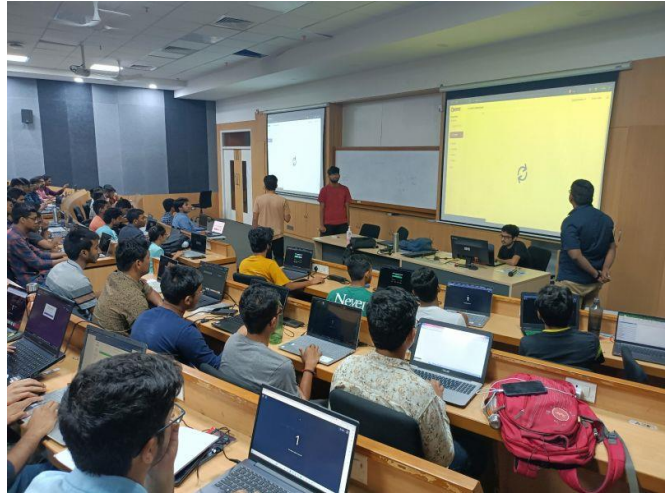
### 6.3.3.ड) प्रथम दिन । बेसिक पाइथन । जीडीएससी एमएल-डीएस बूटकैंप । 20 मार्च, 2023

वक्ता सत्र + अभियान इवेंट (अभियान का नाम: एमएल-डीएस बूटकैंप)

एमएल-डीएस बूटकैंप के पहले दिन एक स्थानीय मशीन पर पाइथन, मिनिकोन्डा और जुपिटर नेटवर्क की स्थापना पर विचार-विमर्श किया गया

बेसिक पाइथन के शामिल विषय थे: वेरिएबल, डाटा टाइप्स, कंट्रोल स्ट्रक्चर (अन्यथा लूप होते हुए, लूप के लिए), कार्य, सूची, टपल्स, शब्दकोष, फाइल संचालन इत्यादि।

कुल प्रतिभागी: 113



### 6.3.3.ढ) दूसरा दिन । पांडास और नंपी । जीडीएससी एमएल-डीएस बूटकैंप । 21 मार्च, 2023

वक्ता सत्र + अभियान इवेंट (अभियान का नाम: एमएल-डीएस बूटकैंप)

एमएल-डीएस बूटकैंप के दूसरे दिन शामिल विषय:

नंपी: ऐरेज, ऐरे ऑपरेशन, लीनियर एलजेबरा, ऐरे इंडेक्सिंग और स्लाइसिंग, प्रसारण

पांडास: डाटाफ्रेम और श्रृंखला, पठन एवं लेखन आंकड़े।

कुल प्रतिभागी: 89



**6.3.3.ण) तीसरा दिन | डाटा विश्लेषण की खोज (ईडीए) | जीडीएससी एमएल-डीएस बूटकैम्प  
| 24 मार्च, 2023**

वक्ता सत्र + अभियान इवेंट (अभियान का नाम: एमएल-डीएस बूटकैम्प)

एमएल-डीएस बूटकैम्प के तीसरे दिन शामिल विषय: डाटा खोज, डाटा सफाई, डाटा  
विजुएलाइजेशन, डाटा ट्रांसफर्मेशन

कुल प्रतिभागी: 71



**6.3.3.त) चौथा | डाटा विश्लेषण की खोज (ईडीए) पार्ट 2 | जीडीएससी एमएल-डीएस  
बूटकैम्प | 29 मार्च, 2023**

वक्ता सत्र + अभियान इवेंट (अभियान का नाम: एमएल-डीएस बूटकैम्प)

एमएल-डीएस बूटकैंप के चौथे दिन शामिल विषय: डाटा खोज, डाटा सफाई, डाटा विजुएलाइजेशन, डाटा ट्रांसफर्मेशन  
कुल प्रतिभागी: 22



6.3.3.थ) पांचवा दिन | लीनियर रिग्रेशन एंड लोजिस्टिक रिग्रेशन | जीडीएससी एमएल-डीएस बूटकैंप | 30 मार्च, 2023

वक्ता सत्र + अभियान इवेंट (अभियान का नाम: एमएल-डीएस बूटकैंप)

एमएल-डीएस बूटकैंप के 5वें दिन शामिल विषय: लीनियर रिग्रेशन क्या है? लीनियर रिग्रेशन के प्रयोग, लीनियर रिग्रेशन के पीछे गणित, लोजिस्टिक रिग्रेशन क्या है? लोजिस्टिक रिग्रेशन के प्रयोग, लोजिस्टिक रिग्रेशन के पीछे गणित

कुल प्रतिभागी: 18



### 6.3.3.घ) छठा दिन | मॉडल मूल्यांकन | जीडीएससी एमएल-डीएस बूटकैंप | 3 अप्रैल, 2023

वक्ता सत्र + अभियान इवेंट (अभियान का नाम: एमएल-डीएस बूटकैंप)

एमएल-डीएस बूटकैंप के छठे दिन शामिल विषय: कंप्यूज मैट्रिक्स, आरओसी कर्व, कुछ अन्य एमएल प्रोन्नत विषय  
कुल प्रतिभागी: 23



### 6.3.3.न) फलटर और फायरबेस की पहचान | 12 अप्रैल, 2023

वक्ता सत्र

गूगल फायरबेस में फलटर का प्रयोग करते हुए ऐप निर्माण के साथ शुरुआत हेतु प्रस्तावना सत्र |

कुल प्रतिभागी: 21



### 6.3.3.प) देव-ए-थन 2.0

देव-ए-थन 2.0 उत्कृष्ट 2023 के भाग के रूप में आयोजित अत्यधिक प्रतीक्षित इवेंट था। इस इवेंट का उद्देश्य संभावित डेवलपर्स और प्रौद्योगिकीविदों द्वारा उनके कौशल, नवाचार का प्रदर्शन करने और समस्या निवारण योग्यताओं के लिए एक मंच प्रदान करना था। **28 टीमों** को शामिल करते हुए संस्थान से प्रतिभाशाली छात्रों की भागीदारी के साथ सहयोग और अधिगम का अनुकूल वातावरण तैयार हुआ। इसमें **28 से अधिक टीमों** ने पंजीकरण करवाया।

कुल प्रतिभागी: **80 छात्र**

### 6.3.3.फ) हैकफ्रेंजी 2023 (07/03/2023 – 09/03/2023) (ऑफलाइन फ़ैज)

हैकाथन ने सोनाटा सॉफ्टवेयर द्वारा प्रायोजित अभिसर्ग 2023 के भाग का आयोज किया।

सोनाटा सॉफ्टवेयर द्वारा प्रायोजित राष्ट्र स्तरीय हैकाथन का अभिसर्ग तकनीकी सांस्कृतिक उत्सव के भाग के रूप में आईओटीए के सहयोग से आयोजन किया गया जिसमें भारत भर के **400 से ज्यादा छात्रों** और **151 टीमों** ने भाग लिया। अंतिम 18 टीमों को प्रतियोगिता के ऑफलाइन दौर में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया। समूचे भारत से छात्रों ने ऑफलाइन दौर में भाग लिया जिसमें हमारे सम्मानित संकाय परामर्शदाताओं द्वारा "कृषि प्रबंधन" संबंधी समस्या वक्तव्य निर्धारित किया गया।

पूरे भारत से **151 से अधिक टीमों** पंजीकरण करवाया

कुल प्रतिभागी: **414 छात्र**





### 6.3.3.ब) फाइलक्वाइन ओरबिट इंडिया हैकाथन – आईआईआईटी श्रीसिटी

जीडीएससी आईआईआईटी श्रीसिटी द्वारा फाइलक्वाइन इंडिया एवं देवफोलियो के सहयोग से आयोजित फाइलक्वाइन और ओरबिट इंडिया हैकाथन एक अत्याधुनिक वेब3 हैकाथन है जिसमें प्रौद्योगिकी और विकेंद्रीकृत भंडारण के क्षेत्र में सर्वोच्च व्यक्तियों ने भाग लिया। 250 अमेरिकी डॉलर के पुरस्कार और 15 से अधिक पंजीकृत टीमों के साथ हैकाथन में अपने कौशल को प्रदर्शित करने और वेब3 प्रौद्योगिकियों की संभावनाओं का पता लगाने के लिए कुल 51 उत्साही छात्रों ने भाग लिया।

प्रतिभागियों को नवाचारी हल जो वास्तविक जगत की समस्याओं का निवारण करते हो, को विकसित करने के लिए एक विकेंद्रीकृत भण्डारण नेटवर्क पॉवर ऑफ फाइलक्वाइन का दोहन करने की चुनौती प्रदान की गई। हैकाथन के दौरान प्रतिभागियों को उनकी वेब3 प्रौद्योगिकियों की जानकारी में विस्तार करने और उनकी परियोजना विकास को सुकर बनाने के लिए परामर्श, संसाधन और कार्यशालाएं प्रदान की गईं।

फाइलक्वाइन ओरबिट इंडिया हैकाथन सृजनात्मकता, अधिगम और विकेंद्रीकृत भण्डारण हल खोजने के साथ एक सहयोगी इवेंट सिद्ध हुआ।

15 से अधिक टीमों का पंजीकरण

कुल प्रतिभागी: 51 छात्र



### 6.3.3.भ) कोडरस 2023 (22 जनवरी, 2023)

जीडीएससी आईआईआईटी श्रीसिटी द्वारा आयोजित और एल्गो यूनिवर्सिटी द्वारा प्रायोजित कोडरस 2023, एक जीवंत कोडिंग प्रतिस्पर्धा थी जिसमें संभावित प्रोग्रामरों की प्रतिभा और कौशल प्रदर्शित हुई। 22 जनवरी, 2023 को आयोजित इवेंट में प्रतिभागियों के विविध श्रेणी को उनकी कोडिंग क्षमताओं के आकलन हेतु आकर्षिक किया। प्रख्यात वाई कोम्बीनेटर के सहयोग से एल्गो यूनिवर्सिटी ने इस प्रतिस्पर्धा के लिए मूल्यवान सहायता और संसाधन प्रदान किए। इसमें प्रतिभागी कोडिंग समस्याओं की चुनौतियों, उनकी सीमाओं को आगे ले जाने तथा एक सीमित समय-सीमा के भीतर उनके समस्या निवारण तकनीक प्रदर्शित करने की श्रृंखला में शामिल रहें।

इस प्रतिस्पर्धा ने एक स्वस्थ प्रतियोगिता का वातावरण प्रदान किया और अधिगम के अवसर प्रदान किए। जिसमें प्रतिभागियों ने दी गई कोडिंग चुनौतियों के अत्यधिक सक्षम और प्रभावशाली हल निकाले। कोडरस 2023 एक ऐसा मंच था जिसमें प्रतिभागियों ने अपने कोडिंग कौशल को निखारा, अपने ज्ञान में विस्तार किया और उद्योग की सर्वोत्तम पद्धतियों की जानकारी का अवसर प्रदान किया। इसमें प्रतिभागियों को उनकी कोडिंग प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया और संभावता इससे प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके भविष्य के अवसर खुलेंगे।

कुल प्रतिभागी: 151 छात्र



### 6.3.3.म) श्री ऑवर बिहाइंड – एक बेहतर खोज

एक अनौपचारिक तकनीकी बेहतर खोज इवेंट जिसने हमारे प्रतिभागियों को पहलियों को हल करने में उनके विचारों का दोहन करने हेतु कार्यरत किया।

उत्कृष्ट 2022 के रूप में आईआईआईटी श्रीसिटी के सहयोग से संचालित इवेंट।

39 से अधिक टीमों का पंजीकरण

कुल प्रतिभागी: 187 छात्र



### 6.3.3.य) बिल्ड-ए-बूट प्रतियोगिता

एक प्रतियोगी कार्यक्रम बोट बिल्डिंग प्रतियोगिता

इस इवेंट का आयोजन आईआईआईटी श्री सिटी की सहायता से उत्कृष्ट 2022 के भाग रूप में किया गया

22 से अधिक टीमों का पंजीकरण

कुल प्रतिभागी: 45 छात्र

### स्पीड यूआई प्रतियोगिता

एक प्रतियोगी विकास प्रतिस्पर्धा

आईआईआईटी श्री सिटी के सहयोग से उत्कृष्ट 2022 के भाग के रूप में आयोजित इवेंट

30 से अधिक टीमों का पंजीकरण

कुल प्रतिभागी: 79 छात्र

### 6.3.3.र) गूगल क्लाउड कैरियर प्रैक्टिसनर कार्यक्रम (जीसीसीपी 2022-23)

गूगल क्लाउड कैरियर प्रैक्टिसनर कार्यक्रम (जीसीसीपी 2022-23) एक ऑनलाइन क्लाउड

अभियान है जिसे अभ्यासकर्ताओं के कैरियर को सशक्त बनाने और ज्ञान तथा संसाधन के साथ शिक्षकों को सशक्त बनाने के लिए तैयार किया गया है ताकि छात्रों को क्लाउड कंप्यूटिंग में कैरियर का अनुसरण करने में मार्गदर्शन प्रदान किया जा सके।

गूगल क्लाउड द्वारा आरंभ किया गया है यह कार्यक्रम एक व्यापक पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण मॉड्यूल प्रदान करता है जिसमें क्लाउड प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलू शामिल हैं तथा मौलिक, वास्तुविद, आंकड़ा विश्लेषण, मशीन अधिगम एवं सुरक्षा भी इसमें शामिल हैं। इंटरएक्टिव ऑनलाइन सत्रों, वेबीनार और प्रयोगशालाओं के माध्यम से प्रतिभागी नवीनतम क्लाउड कंप्यूटिंग में प्रायोगिक कौशल तथा विचार एवं सर्वोच्च पद्धतियां से अवगत होते हैं।

**जीसीसीपी का उद्देश्य कैरियर अभ्यासरत छात्रों को आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित करना है ताकि छात्रों की क्लाउड कैरियर का मार्ग चुनने, उद्योग जगत की मांग को समझने और अपने शैक्षिक एवं कैरियर के मार्ग पर सूचित निर्णय लेने में सहायता की जा सके। ज्ञानवान कैरियर अभ्यासकर्ताओं का समुदाय तैयार करते हुए इस कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षिक और उद्योग जगत के बीच अंतर को पाटना है जिससे छात्रों को क्लाउड कंप्यूटिंग के तेजी से उभरते हुए क्षेत्र में सफल बनाया जा सके।**

कुल प्रतिभागी: 51 छात्र

### 6.3.4 ग्रेडियंट क्लब:

#### 6.3.4.क) उत्कृष्ट: कोडेक्स 15 नवंबर 2022:

इसे उत्कृष्ट उत्सव के भाग के रूप में मनाया गया। कोडेक्स एल्गोरिथम पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक टीम आधारित कोडिंग प्रतियोगिता थी। प्रतिभागियों को 3 की संख्या तक टीमों में बनानी थी। यह प्रतियोगिता सभी अवर स्नातकों के लिए थी। इसमें प्रयोग किए गए मंच कोडफोर्स थे और समस्याएं ग्रेडियंट की प्रमुख टीम द्वारा तैयार की गई थी।



#### 6.3.4.ख) उत्कृष्ट: कोडू 18 नवंबर, 2022:

कोडू 3 दौर को शामिल करते हुए एकल कोडिंग प्रतियोगिता थी। पहले दौर में एक समस्या दी गई और जो छात्र इसे जल्दी हल कर लेता था वह अगले दौर में प्रवेश कर जाता था। अंतिम दौर में लॉकआउट फॉर्मेट का अनुसरण किया गया इसमें विभिन्न बिंदुओं के साथ 5 समस्याएं थीं।



#### 6.3.4.ग) उत्कृष्ट: गर्ल्स ओनली प्रतियोगिता 18 नवंबर, 2022:

यह डाटा अवसंरचना और संभारतंत्रीय विचारों पर आधारित 5 चुनौतीपूर्ण समस्याओं को शामिल करते हुए एकल प्रतियोगिता थी। सभी अवर स्नातकों की छात्राएं इसमें भाग लेने की पात्र थीं।



6.3.4.घ) नियोजन मार्गदर्शन सत्र 25 नवंबर, 2022: इस सत्र का यूजी2 और यूजी3 के छात्रों की सहायता के साथ आगामी नियोजन सत्र हेतु छात्रों की तैयारी और ऑफ कैंपस कंपनियों में नौकरी हेतु मूल्यवान सुझाव देने के लिए संचालित किया गया। इसमें वक्ता यूजी4 के थे।



**6.3.4.ड) अभिसर्ग: इलेक्ट्रा: पहला दौर 31 मार्च, 2023** को अनस्टॉप प्लेटफॉर्म पर आयोजित किया गया। इसमें ग्रेडियंट की मुख्य टीम द्वारा निर्धारित 5 एल्गोरिथमिक समस्याएं शामिल थीं। 3 सदस्यों तक की टीम को अनुमति दी गई जो भारत में सभी संस्थानों के लिए खुली थी। सर्वोच्च 20 टीमों ने अगले दौर में प्रवेश किया। दौर 2 का आयोजन हमारे परिसर में **09 अप्रैल, 2023** को किया गया। इसमें 6 नवाचारी समस्याएं शामिल थी जिसमें 2 घंटे के भीतर हल किया जाना था।



**6.3.4.च) प्रस्तावना सत्र और प्रतियोगिता – दिनांक: 6 फरवरी, 2023:** ग्रेडियंट ने **06 फरवरी, 2023** को एक अभ्यास प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसकी अवधि 2 घंटे की थी और इसका उद्देश्य आरंभ में प्रतिभागियों के अनुभव पर ध्यान न देते हुए उन्हें सुकर महसूस कराना था। सत्र से पहले हमने कनिष्ठ छात्रों के लिए समस्या निवारण का आयोजन किया और एक लघु प्रश्न और उत्तर सत्र आयोजन किया गया।



### 6.3.5. कोनेक्शआईओएन आईओटी क्लब गतिविधियां

#### 6.3.5.क) इलेक्ट्रोथन (18 नवंबर, 2022):

इलेक्ट्रोथन एम्बेडेड प्रणालियों और इंटरनेट ऑफ थिंग्स से संबंधित नवाचारी परियोजनाएं बना रहा है। प्रथम दौर के दौरान समूहों ने अपनी परियोजना के विचार प्रस्तुत किए, निर्णायकों ने जहां आवश्यक था कुछ परिवर्तनों का सुझाव दिया। दूसरे दौर में परियोजनाएं प्रस्तुत की गईं और 3 मापदंडों के आधार पर निर्णायकों द्वारा उन पर मूल्यांकन किया गया। निर्णायक मापदंड प्रस्तावित कार्य मॉडल की सक्षमता, सर्किट की जटिलता और प्रस्तुती का तरीका है।



#### 6.3.5.ख) आईओटी के साथ गोइंग ग्रीन (18 नवंबर):

आईओटी के साथ गोइंग ग्रीन में प्रतिभागियों ने दिए गए माइक्रो कंट्रोलर और सेंसर के साथ कृषि, गृह सुरक्षा प्रणालियों जैसे क्षेत्रों की समस्याओं को हल किया एवं दिए गए समय के भीतर परिणाम प्रदर्शित किए। निर्णायक मापदंड बेस यूआई, विचारों के मूल होने और उनका आदर्श होना था।



### 6.3.5.ग) गिजमोकॉन:

गिजमोकॉन, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के कोनेक्शआईओएन क्लब द्वारा आयोजित 3 चरण की आईओटी हैकाथन है जो अभिसर्ग 2023 तकनीकी-सांस्कृतिक उत्सव का अभिन्न अंग है। प्रथम चरण ने एक स्क्रीनिंग प्रक्रिया के रूप में कार्य किया जिसे आगामी दौर के लिए अत्यधिक संभावित अभ्यर्थियों का चुनाव करने के लिए तैयार किया गया था, जिसे हमारे संस्थान के परिसर के भीतर ऑफलाइन तरीके से संचालित किया गया।

#### चरण 1 (24 मार्च, 2023) – ऑनलाइन मोड:

छात्रों के लिए ऑफलाइन हैकाथन इवेंट हेतु पात्र अभ्यर्थियों का पता लगाने के लिए एक स्क्रीनिंग प्रक्रिया के रूप में एक ऑनलाइन प्रश्न मंच का संचालन किया गया। इस प्रश्न मंच का संचालन 36 टीमों के साथ कहूत मंच पर किया गया। 36 में से 12 टीमों को आगामी दौर के लिए आमंत्रित किया गया।

#### चरण 2 और 3 (7–9 अप्रैल, 2023) – ऑफलाइन मोड:

हैकाथन का यह चरण एक प्रोटोटाइप निर्माण प्रतियोगिता थी जिसमें प्रतिभागियों को आईओटी के क्षेत्र में कार्यरत प्रोटोटाइप का निर्माण करने का कार्य दिया गया। अभ्यर्थियों से उनके संगत स्थानों में परियोजनाओं का निर्माण करने और इवेंट के स्थल तक उन्हें लाने की अपेक्षा की गई जहां तीन प्रख्यात न्यायाधीशों के पैनल ने प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया। टीमों को उनके प्रोटोटाइप में सुझाएं गए संसोधनों को समाविष्ट करने के लिए 90-मिनट का समय दिया गया जिसके पश्चात् निर्णायकों द्वारा अंतिम मूल्यांकन किया गया। पिछले दौर से सर्वोच्च 8 टीमों को आईओटी हैकाथन के ग्रांड फिनाले के लिए चुना गया। जैसा कि पहले बताया गया है कि निर्णायकों के सम्मानित पैनल द्वारा निर्धारित समस्या वक्तव्य को छात्रों को दिया गया जिन्होंने

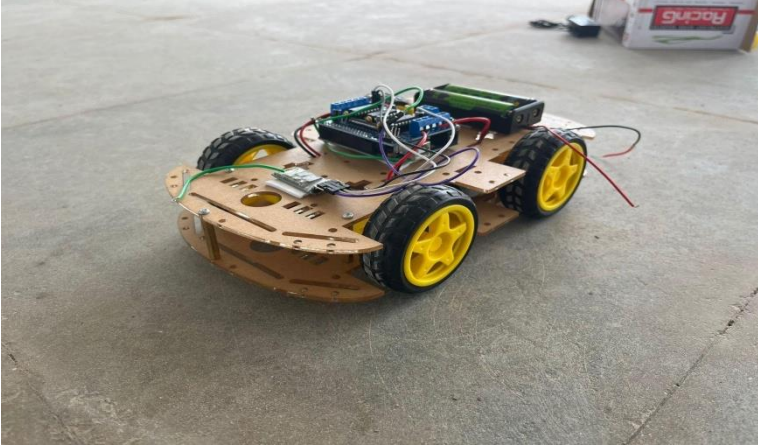


एक व्यापक हल निकालने और उसका निष्पादन करने के लिए 36-घंटे का समय प्राप्त किया। ग्रांड फिनाले का अंतिम निर्णय 9 अप्रैल को प्रातः 10:30 बजे प्रदान किया गया।



### 6.3.5.घ) फास्ट ट्रेकिंग:

फास्ट ट्रेकिंग एक ऐसा इवेंट है जिसमें प्रतिभागियों को एक रोबोटिक कार दी जाती है जिसे हमारे छात्रों द्वारा बनाया गया था और प्रतिभागियों को शीघ्र विजय के लिए कहा जाता है। रिमोट के साथ इस बोट को नियंत्रित करते हुए यथाशीघ्र लाइन को समाप्त करना इसका कार्य था। हमारे क्लब ने एक ब्लूटूथ नियंत्रित बोट का निर्माण किया जिसमें प्रतिभागियों ने रिमोट के माध्यम से इसे नियंत्रित किया। प्रतिभागियों ने बोट को बाधाओं से भरे मार्ग में इसका नियंत्रण किया और शीघ्र ही निर्धारित सीमा तक पहुंचने का प्रयास किया। सबसे कम समय में पहुंचने वाले प्रतियोगी को विजेता घोषित किया गया।



### 6.3.6 इपोच (द एआई/एमएल क्लब, आईआईआईटीएस):

#### 6.3.6.क) प्रस्तावना सत्र:

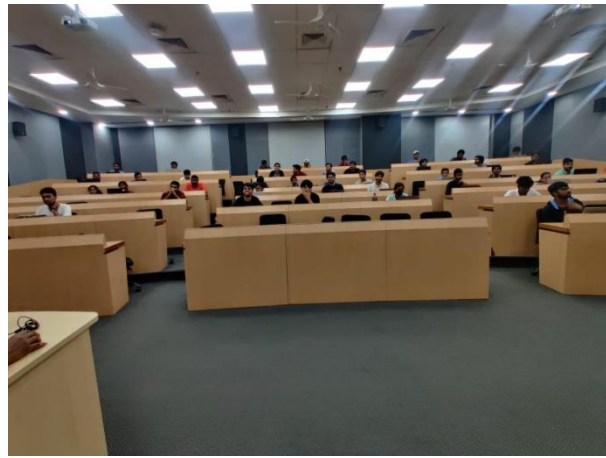
मानसून सेमेस्टर 2022 के आरंभ में हमने छात्रों के नए बैच के लिए हमने प्रस्तावना सत्र का आयोजन किया। इसमें वे छात्र शामिल थे जिन्होंने प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया था। हमने क्लब का उद्देश्यों को समझाया और यह बताया कि यह केवल ज्ञान अर्जन का स्थान ही नहीं बल्कि विचारों का साझा करने, नेटवर्क में सुधार करने और परियोजनाओं के लिए सहयोग करने का मंच भी है। हमने कई छात्रों को उत्साहित किया जो एआईएमएल में अपनी यात्रा आरंभ करना चाहते थे। जबकि यह एक अनौपचारिक सत्र था, हमने आरंभ में बेसिक पहलुओं और संसाधनों पर विचार-विमर्श किया।

#### 6.3.6.ख) यूपीएआई हैकाथन

वर्ष 2022-23 के लिए यह पहली प्रतियोगिता इवेंट था। हमने इस हैकाथन का एक अन्नय तरीके से आयोजन किया। प्रतिभागियों को बहु-समस्या वक्तव्य चुनने का विकल्प प्रदान किया और किसी टीम द्वारा कोई समस्या वक्तव्य चुने जाने के पश्चात् उन्हें इसके लिए औद्योगिक उपयोग मामला परिदृश्य प्रदान करना था। ऐसा करने के पश्चात् प्रतिभागियों को गहन न्यूरल नेटवर्क और जीएन की मूल सैद्धांतिक एमएल दृष्टिकोण की श्रेणी के बहु मॉडल का निर्माण करना था। समस्या वक्तव्य चयन, जटिलता, मॉडल के निष्पादन और समयबद्ध प्रस्तुती के आधार पर टीमों का मूल्यांकन किया गया। यूजी-1 से यूजी-3 की श्रेणी में कई टीमों थी जिन्होंने कई घंटों में अन्नय मॉडल तैयार किए। इस इवेंट का ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया।

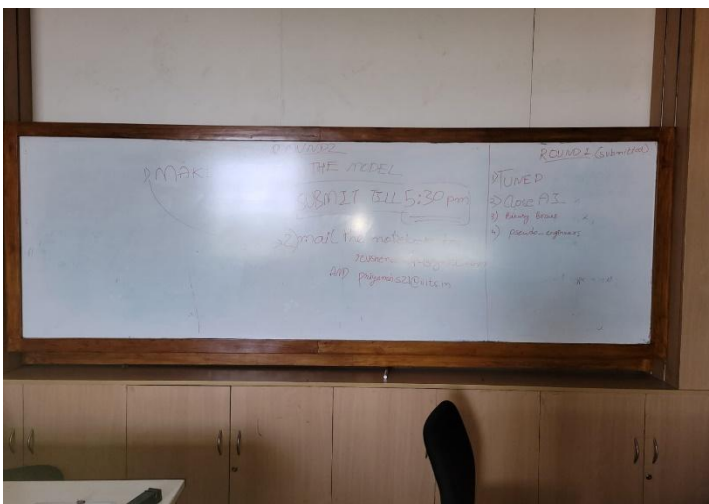
### 6.3.6.ग) एमएल ट्रिविया

सर्वोच्च मॉडल के निर्माण हेतु गहन संघर्ष के पश्चात् यह कुछ मूल एमएल दृष्टिकोण के परीक्षण का समय था जैसा कि नाम से पता चलता है। यह एक प्रश्न मंच आधारित दौर था जिसमें प्रतिभागियों की गति और सटीकता का परीक्षण किया गया। इसमें हमारे द्वारा तैयार किए गए 25 बहु विकल्प प्रश्न शामिल थे और एक ऑनलाइन मंच पर इसका आयोजन किया गया। इस इवेंट में 40 छात्रों ने सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने के लिए भाग लिया।



### 6.3.6.घ) हैक द फंक्शन

यह इपोच द्वारा संचालित एक अन्नय मिनी हैकाथन है। इसमें, हमने एक्स और वाई को शामिल करते हुए एक डाटा सेट तैयार किया जैसे कि  $E_f(\text{एक्स}) = \text{वाई}$ । प्रतिभागियों को इस डाटासेट का प्रयोग करना था और उस फंक्शन का अनुमान लगाना था जिससे एक्स के संगत मूल्य से वाई का मूल्य प्राप्त किया जा सके। यह फंक्शन एक समान्य पोलीनॉमियल नहीं था और न ही आवधिक था। इस प्रकार छात्रों को इंटरपोलाशन पद्धति और पोलीनॉमियन रिग्रेशन जैसे बेसिक दृष्टिकोण से आगे जाकर सोचना था। हमें परीक्षण के लिए आरक्षित डाटासेट का एक भाग (जिसे प्रतिभागियों को नहीं दिखाया गया था) प्राप्त था और न्यूनतम एमएसई चूक वाली टीम को विजेता घोषित किया गया।



### 6.3.6.ड) गेस द इमोजी

यह "हैक द फंक्शन" का दूसरा दौर था। पुनः हमने, इस इवेंट के लिए एक कस्टम डाटासेट तैयार किया। प्रथम दृष्टया यह एक साधारण इमेज वर्गीकरण कार्य प्रतीत हुआ। तथापि, विश्लेषण करने पर यह पाया गया कि इस इमेज का रिजोल्यूशन काफी कम था और पारंपरिक दृष्टिकोण का प्रयोग करते हुए इन छवियों के भेदकारी विशिष्टताओं का पता लगाना कठिन था। हमने, गूगल ड्रा डाटासीट की कुछ कक्षाओं से सावधानीपूर्वक चयन करते हुए और उन्हें प्रतिभागियों को देने से पहले जिप नंपी एरेज में परिवर्तित करते हुए इस डाटासेट को प्रतिभागियों को प्रदान किया। यह महत्वपूर्ण प्रीप्रोसेसिंग कौशल और डाटा प्रसार तकनीकों का परीक्षण करने के लिए काफी अच्छी चुनौती थी।



## 6.4 सांस्कृतिक क्लब की गतिविधियां:

### 6.4.1 निर्वाण क्लब द्वारा अध्यात्मिक गतिविधियां

- छात्रों की अध्यात्मिक रूचि और दार्शनिक इच्छा के इर्दगिर्द केंद्रित एक समुदाय का गठन किया गया।
- बड़ी मात्रा में छात्रों की सक्रिय भागीदारी के साथ हमने माँ सरस्वती देवी का आशीर्वाद प्राप्त हुए सभी विद्वत प्रयासों के भीतर आलोकिक शक्तियों को जगाने के लिए सफलतापूर्वक सरस्वती पूजा की।
- हमारे प्रिय मराठी मित्रों की अत्यधिक सक्रिय भागीदारी के साथ हमने शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि समर्पित की और माँ भवानी का आशीर्वाद प्राप्त किया।
- हमारे परिसर में शिवाजी महाराज पर लिखे गए अत्यधिक ऊर्जावान कुछ गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किए गए।
- हनुमान चालीस उच्चारण करने के लिए प्रथम तल की कॉमन बालकनी के इर्दगिर्द इकट्ठा हुए छात्रावास के छात्रों में भक्ति की भावना देखी गई। हनुमान चालीस की मधुरताल और अर्थ काफी रोचक है।
- कॉलेज के सभी छात्रों को निर्वाण की उपस्थिति से अवगत कराने के लिए एक औपचारिक सत्र का आयोजन किया।
- क्लब के सदस्यों ने इसके लक्ष्यों और उद्देश्यों को सूचित किया तथा पूरे वर्ष के लिए दृष्टिकोण को साझा किया और हमारे द्वारा आयोजित इवेंटों/गतिविधियों से सूचित कराया।
- छात्रों के अधिगम और हमारी जड़ों के साथ गहन जुड़ाव को जारी रखने के लिए, निर्वाण ने ऑनलाइन श्रीमद् भागवत गीता सत्रों को आरंभ करने का अप्रत्याशित पहल शुरू की। इस सत्र को रिकॉर्ड किया गया और वृहत मात्रा में लोगों के लाभ हेतु इसे यूट्यूब पर अपलोड किया गया।



#### 6.4.2 आईआईआईटी श्रीसिटी का वार्षिक तकनीकी सांस्कृतिक उत्सव – अभिसर्ग

हमारे यहां संगीतीय प्रदर्शन, नृत्य, प्रदर्शनी, कला प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, तकनीकी प्रतिस्पर्धाएं और अन्य का ऑनलाइन तथा ऑन कैंपस आयोजन सहित बड़ी संख्या में रोचक इवेंटों और गतिविधियों का आयोजन किया। समूचे भारत के 45 से अधिक कॉलेजों के इवेंट में भागीदारी हेतु 2000 से अधिक छात्रों ने पंजीकरण करवाया।

हमारे क्लब ने पुरस्कार जीत कर भागीदारी हेतु छात्रों के लिए बहु-मनोरंजन गतिविधियों का आयोजन भी किया। हमारे यहां छात्रों और प्रोफेसरों के लिए एक समान रूप से उनकी इच्छा को जगाने के लिए व्हील प्रदर्शनी के संबंध में इसरो अंतरिक्ष की स्थापना की गई।

वाई20 जिसने वैश्विक मुद्दों पर जागरूकता पैदा की, विचारों का आदान-प्रदान किया और हमें यह बताया कि सहमति तक पहुंचने के लिए कैसे वाद-विवाद और मोलभाव करना चाहिए।

अंततः कड़ी प्रतिस्पर्धा के साथ भरपूर इस दिन हमारे यहां डीजे नाइट, संगीत और नृत्य प्रदर्शनियां आयोजित की गई जिसका सबने लुत्फ उठाया।





### 6.4.3. नृत्य क्लब (बीटरिप्रेज)

#### 6.4.3.क) रिवाइव (अक्तूबर 2022):

रिवाइव 2022 का हमारे परिसर में हमारे संस्थान की भव्य सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखने के लिए आयोजन किया गया। सभी बैचों के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और उनके परिवारों ने इन समारोह में भाग लिया और इवेंट को यादगार तथा भव्य बनाया।





### 6.4.3.ख) उत्कृष्ट (नवंबर 2022):

उत्कृष्ट 2022 तकनीकी सांस्कृतिक इवेंट था। तकनीकी और सांस्कृतिक क्लब द्वारा पूरे सप्ताह कई रोचक इवेंटों का आयोजन किया गया। अंतिम दिन रात्रि में बीटरिप्रेज क्लब की भव्य नृत्य प्रदर्शनियां, रिक्व क्लब की उत्साही संगीतीय प्रदर्शनियां और माइज-एन-सीन क्लब के कुछ यादगार प्रदर्शनियां आयोजित की गईं। इसमें सभी विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

बीटरिप्रेज ने फाइन शोडाउन सांस्कृतिक नाइट में शानदार नृत्य प्रदर्शनियों के साथ सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही, इसने औपचारिक कार्यशालाओं और अनौपचारिक इंटरएक्शन का भी आयोजन किया गया ताकि श्रोताओं को प्रोत्साहित किया जा सके।

औपचारिक इवेंट: डांस फीवर (एकल नृत्य प्रतियोगिता)

अनौपचारिक इवेंट: फेस-ऑफ-बेटल, हुक स्टेप चैलेंज



### 6.4.3.घ) गणतंत्र दिवस (जनवरी, 2023):

26 जनवरी, 2023 (बृहस्पतिवार) को आईआईआईटी श्रीसिटी में 74वां गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया। निदेशक द्वारा राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया गया जिसके पश्चात राष्ट्रीय गान गया गया।



### 6.4.3.ङ) फ्रेशर डे (फरवरी, 2023):

हमारे संस्थान ने यूजी-1 छात्रों का स्वागत करने के लिए फ्रेशर 2023 का आयोजन किया गया। यह एक बड़ा इवेंट था। यह इवेंट गायन के रूप में भगवान गणेश को समर्पित रचना के साथ और नृत्य के रूप में भगवान शिव को समर्पित रचना के साथ आरंभ हुआ और शानदार रैंप वॉक के साथ समाप्त हुआ। इन दो प्रदर्शनियों के पश्चात् इवेंट में समूह नृत्य, समूह गायन, स्किट, बीटबॉक्सिंग और अन्यो का आयोजन किया गया। इस इवेंट में यूजी-1 के छात्रों की प्रतिभाओं का प्रदर्शन हुआ।



### 6.4.3.च) तिरुत्सव–2023 (मार्च 2023):

बीटरिप्रेज के समान हमने आईआईआईटी तिरुपति के वार्षिक तकनीकी–सांस्कृतिक उत्सव तिरुत्सव में भाग लिया जहां हमने आईआईआईटी श्रीसिटी के हमारे प्रतिभाशाली छात्रों ने अपने नृत्य कौशल को दर्शाया और श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। हमने विभिन्न तकनीकी और सांस्कृतिक इवेंटों में भाग लिया जिससे उत्सवों में भाग लेने की संख्या में हमारी वृद्धि हुई और श्रोताओं को हम भव्य मनोरंजन प्रदान कर सके।

- समूह नृत्य बैटल और सोलो बैटल में भाग लिया।



#### 6.4.4. रिर्वर्ब—संगीत क्लब

रिर्वर्ब, हमारे कॉलेज का संगीत क्लब संगीत उत्साहियों के लिए एक उत्साहजनक समुदाय है यह छात्रों के लिए उनकी संगीतीय प्रतिभाओं के दर्शाने और संगीत के लिए उनके प्रेम का पता लगाने हेतु एक मंच है। पीढ़ियों और वाद की विभिन्न श्रेणियों के साथ रिर्वर्ब सृजनात्मकता, सहयोग और वृद्धि को प्रस्तुत करता है। नियमित सत्रों, प्रदर्शनियों और कार्यशालाओं के माध्यम से यह क्लब सदस्यों को उनकी संगीतीय कौशल विकसित करने और अभूतपूर्व संगीतीय अनुभव तैयार करता है। रिर्वर्ब न केवल एक क्लब बल्कि यह एक ऐसा स्थान है जो संगीत की भावना को उत्पन्न करता है तथा सम्मान विचारकों को एक मंच पर लाता है।

#### 6.4.4.क) गणेश चतुर्थी (दूसरा दिन) म्युजिकल नाइट:

रिर्वर्ब संगीत क्लब ने गणेश चतुर्थी का अभूतपूर्व तरीके से आयोजन किया। क्लब के सदस्यों ने शानदार गायन और वाद प्रदर्शनियों के साथ अपनी प्रतिभाओं को प्रदर्शित किया। इसके स्थान को भव्य तरीके से सजाया गया था जिससे एक उत्सव का माहौल पैदा हो गया। इस शाम को प्रतीक्षित अन्य प्रदर्शनियां आयोजित की गईं। क्लब के सदस्यों की विविध संगीतीय क्षमताओं ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया जिससे एक अलग ही प्रकार का माहौल तैयार हो गया। इन प्रदर्शनियों के साथ ही सबको शामिल करने और उत्सव की भावना पैदा करने के लिए मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। अंत में एक शानदार डीजे सत्र ने सभी को नृत्य करने और गणेश चतुर्थी का आयोजन करने के लिए प्रेरित किया। यह एक ऐसा इवेंट जिसने संगीत मनोरंजन और उत्सव की भावना को शानदार तरीके से आयोजित किया।



#### 6.4.4.ख) रिवाइव

हमारे कॉलेज का सांस्कृतिक कार्यक्रम रिवाइव में हमारे प्रतिभाशाली छात्र कलाकारों द्वारा भव्य

संगीत प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। विविध संगीत प्रदर्शनियों के साथ स्टेज जीवंत हो गया और श्रोताओं ने आत्मीय संगीत और अत्यधिक ऊर्जावान ध्वनियों का मनोरंजन उठाया। छात्रों ने कुशल रूप से पारंपरिक और कंटेम्पररी घटकों का सम्मिश्रण किया जो भाग लेने वाले सभी व्यक्तियों को अत्यधिक पसंद आया। रिवाइव ने एक अभूतपूर्व सांस्कृतिक वातावरण तैयार करते हुए एकता की भावना हेतु संगीत का आयोजन किया।



#### 6.4.4.ग) आईआईआईटीएस आईडोल

रिवर्व ने "आईआईआईटीएस आईडोल" का आयोजन किया जो इसके छात्रों की प्रतिभाओं को दर्शाने वाला एक गायन प्रतियोगिता है। ऑडिटोरियम प्रतिभागियों से भर गया जिन्होंने शानदार प्रदर्शनी प्रदान की। इस इवेंट में व्यावसिक लाइट और साउंड का आयोजन किया गया जिसने अनुभव में चार चांद लगा दिए। एक प्रख्यात गायक ने आरंभिक प्रेरणादायक प्रस्तुती के साथ इस शाम की शुरुआत की। प्रत्येक प्रतियोगी ने अपनी वोकल प्रतिभा प्रदर्शित की, जिससे श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। इस प्रतियोगिता में गायन की कला का आयोजन किया गया जिसने प्रतिभाशाली व्यक्तियों को उनकी प्रतिभा को निखारने और अभूतपूर्व संगीत इवेंट तैयार करने हेतु एक मंच प्रदान किया।

#### 6.4.4.घ) म्यूजिकल ट्रिविया

म्यूजिकल ट्रिविया क्वीज, एक रोचक टीम प्रतियोगिता ने संगीत प्रेमियों को उनकी ज्ञान प्रदर्शित करने के लिए एकत्रित किया। इस इवेंट में अत्यधिक उत्साह रहा। चूंकि टीमों में एक मित्रवत् और प्रतिस्पर्धी वातावरण में अपनी संगीतीय विशेषज्ञता का परीक्षण करने के लिए एकत्रित हुए थे। एक अति उत्साही मेजबान ने अत्यधिक रोचक अनुभव सृजित करते हुए इस शाम को भव्य बना दिया। टीमों ने काफी उत्सुकता से प्रश्नों के उत्तर दिए जो संगीत के इतिहास से लेकर गानों और कलाकारों की पहचान तक की श्रेणी में थे। इस इवेंट का आयोजन प्रतिभागियों की

जानकारी को चुनौती देते हुए तथा इसे एक मनोरंजक एवं मित्रवत् प्रतियोगिता बनाते हुए संगीत के प्रेम का आयोजन किया गया।

#### 6.4.4.ड) उत्कृष्ट

उत्कृष्ट, हमारे छात्रों द्वारा संचालित इवेंट में हमारी प्रतिभाओं द्वारा प्रस्तुत संगीत काफी भव्य था। उन्होंने इस तरीके और कौशल के साथ प्रदर्शन किया और गाया कि प्रत्येक व्यक्ति विस्मृत रह गया। धीमे भावुक गानों से लेकर उत्साहजनक ध्वनियों तक उन्होंने इस इवेंट का वास्तव में अभूतपूर्व बना दिया और हमारे हृदय को प्रसन्नता से भर दिया।



#### 6.4.4.च) गणतंत्र दिवस

गणतंत्र दिवस पर हमारे कॉलेज ने प्रेरणादायी संगीतीय प्रस्तुती से होत-प्रोत एक भव्य समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर स्टेज पर हमारे प्रतिभावान छात्रों द्वारा मधुर ध्वनियां और वाद प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गईं। प्रत्येक प्रस्तुती में देश भक्ति का संगीत और पारंपरिक प्रस्तुतियां शामिल थीं जिन्होंने राष्ट्रीय गर्व की गहन भावना उत्पन्न की। श्रोता विभिन्न मेलोडी से विस्मृत रह गए जिन्होंने शानदार तरीके से एकता और विविधता की भावना को उजागर किया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर संगीतीय प्रस्तुतियों ने हमारी एकत्रित विरासत को याद दिलाया और हमारे मूल्यों के प्रति अवगत करवाया।



#### 6.4.4.छ) मातृभाषा दिवस

मातृभाषा दिवस के दौरान प्रत्येक व्यक्ति ने अपनी मातृभाषाओं में मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिससे भव्य संगीतीय प्रस्तुतियां देखी गईं। इस अवसर पर स्टेज पर ऐसे कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिन्होंने हमारी विविध भाषाओं का आयोजन किया। प्रत्येक गायक ने गानों में अपनी आत्मा समाहित कर दी जिसने श्रोताओं के साथ एक गहन संबंध स्थापित किया। इन प्रस्तुतियों ने लोगों को इकट्ठे लाने, गर्व और एकता की भावना पैदा करने के लिए भाषा की शक्ति को प्रदर्शित किया। मातृभाषा दिवस एक ऐसा यादगार समारोह था जिसमें संगीत की सर्व सुलभ भाषा के माध्यम से हमारी भाषाई विरासत को सम्मानित किया।

#### 6.4.4.ज) जातीय दिवस

जातीय दिवस पर, परिसर में रोचक संगीत प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गईं। छात्रों ने पारंपरिक गायन और भव्य नृत्यों के माध्यम से अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर वातावरण काफी संगीतमय और मनमोहक हो गया जिसने हमें विभिन्न सांस्कृतियों से परिचित करवाया। इन प्रस्तुतियों ने हमारी विविध समुदायों का आयोजन किया और संगीत की सर्वसुलभ भाषा के माध्यम से हर व्यक्ति को इकट्ठा किया। यह एक मधुर संगीत से भरा दिन था जिसने हमारे दिलों को हमारी विरासत के लिए प्रशंसा और प्रसन्नता से भर दिया।



#### 6.4.4.झ) अभिसर्ग

**गृह प्रस्तुतियां:** हमारे कॉलेज के सबसे भव्य इवेंट अभिसर्ग में हमारे प्रतिभावान छात्रों के बैंड द्वारा भव्य संगीत प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गईं। इस अवसर पर स्टेज पर उनके उत्साही संगीत और मेलोडीज प्रस्तुत किए गए। बैंड के सदस्यों ने बाधारहित इकट्ठे प्रस्तुत किया जिससे उनकी प्रतिभा प्रदर्शित हुए। उनकी प्रस्तुती ने अभिसर्ग को वास्तव में अभूतपूर्व बनाते हुए श्रोताओं पर दीर्घ प्रभाव छोड़ा।





**रिदम रियोट:** रिदम रियोट, बैंड प्रतियोगिता का अंततः मुकाबले ने विभिन्न कॉलेजों के छात्र संगीतकार इकट्ठे हुए। इस अवसर पर वातावरण काफी गतिमान हो गया चूंकि प्रत्येक बैंड ने अपनी अन्नय प्रस्तुती और स्टाइल प्रस्तुत करते हे स्टेज पर धूम मचा दी। वातावरण काफी सशक्त, सोलो और रिदम से परिपूर्ण हो गया। यह प्रतियोगिता काफी कड़ी थी क्योंकि सभी बैंड ने सर्वोच्च स्थान के लिए कड़ा मुकाबला किया जिसमें उन्होंने अपनी संगीतीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रिदम रियोट ने संगीत के लिए अपना जुनून दर्शाया और साथी कलाकारों के लिए स्वयं को निखारने का एक मंच प्रदान किया जिससे श्रोताओं के समक्ष प्रतिभागी कॉलेजों के बैंड द्वारा अत्यधिक प्रभावशाली प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई।



**म्युजिकल ट्रेजर हंट:** म्युजिकल ट्रेजर हंट, अभिसर्ग के दौरान उत्साही अनौपचारिक इवेंट ने उत्सवों का माहौल परिवर्तित कर दिया। प्रतिभागियों ने जटिलताओं को हल करते हुए संगीत का आनंद लिया और जिससे उन्हें परिसर में छुपे हुए संगीत तक पहुंचाया। प्रत्येक साक्ष्य किसी संगीतीय घटक से जुड़ा था जैसे कि सॉन्ग सिनीपेट अथवा संगीतीय वाद साक्ष्य। प्रतिभागियों ने विभिन्न स्थानों की खोज की और काफी आश्चर्य प्रस्तुत किया। इस इंटरएक्टिव और मनोरंजक इवेंट ने संगीत के साथ ट्रेजर हंट में योगदान दिया। जिससे अभिसर्ग के दौरान यादगार अनुभव पैदा हुआ।

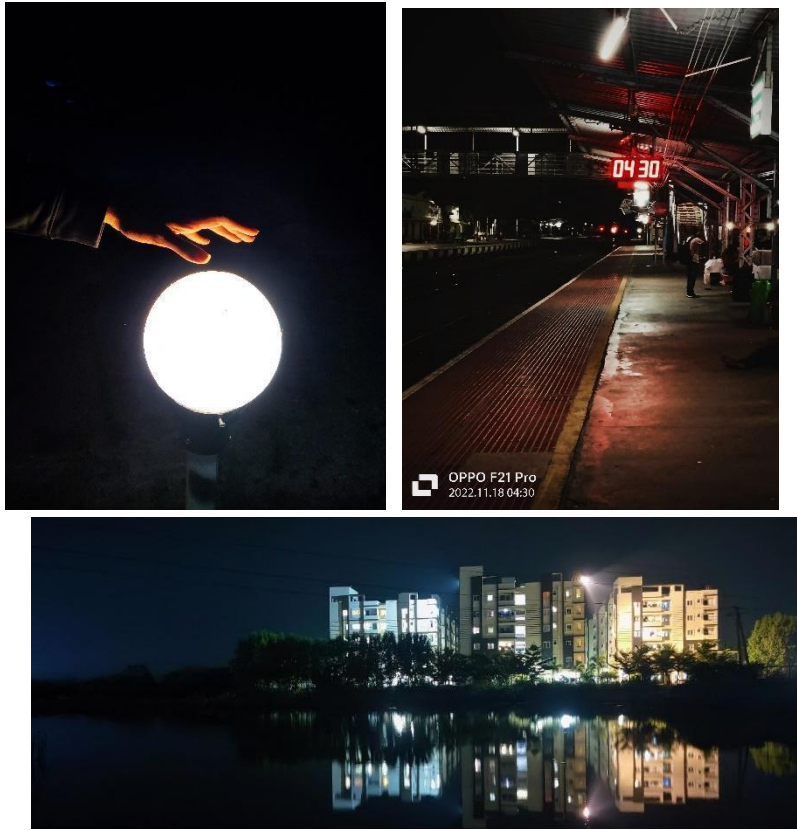
#### 6.4.5. एफ/स्टॉप फोटोग्राफी क्लब

फोटोग्राफी क्लब एफ/स्टॉप उन फोटोग्राफी उत्साही छात्रों का एक समूह है जो यादगार क्षणों

की कला को समाहित करने के लिए परस्पर इकट्ठे हुए। सृजनात्मकता और तकनीकी कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए यह क्लब सदस्यों को फोटोग्राफी के लिए उनके जुनून को साझा करने का एक मंच है।

#### 6.4.5.क) फोटो जीनियर फोटोग्राफी प्रतिस्पर्धा (क्लब सदस्य) (नवंबर, 22)

यह क्लब सदस्यों के लिए क्लब द्वारा संचालित एक प्रतियोगिता है जिसमें प्रत्येक प्रतिस्पर्धी को प्रतियोगिता के दिन प्रदान किए गए विषय पर फोटो लेनी होती है।



#### 6.4.5.ख) कक्षा फोटो सत्र – जातीय दिवस (25-03-2023)

यह क्लब जातीय दिवस 2023 के अवसर प्रत्येक वर्ष छात्रों के लिए एक कक्षा फोटो सत्र का आयोजन करता है। इस क्लब में व्यक्तिगत फोटो सत्र भी आयोजित किए जाते हैं।



#### 6.4.5.ग) कैमरा ऑन – फोटोग्राफी प्रतिस्पर्धा @ अभिसर्ग 2023 (7,8,9 अप्रैल, 23)

कैमरा ऑन अभिसर्ग 2023 के लिए एफ/स्टॉप द्वारा संचालित एक फोटोग्राफी प्रतिस्पर्धा है। इस प्रतिस्पर्धा में तीन दौर होते हैं जिसमें प्रत्येक टीम उस दौर के लिए विषय पर पिक्चर प्रस्तुत करती है और यह पिक्चर परिसर में ही ली जानी चाहिए।





#### 6.4.5.घ) जूनियर के लिए प्रस्तावना सत्र (30-01-2023)

क्लब और उसकी गतिविधियों के बारे में जूनियर्स के लिए एक प्रस्तावना सत्र का आयोजन किया गया ताकि उनमें क्लब के कार्यक्रम और लक्ष्य की बेहतर समझ प्रदान की जा सके और उनमें क्लब में ज्वाइन करने की रुचि जगाई जा सके।

#### 6.4.5.ङ) क्लब सदस्यों के लिए फोटोग्राफी बेसिक सत्र

नए ज्वाइन करने वाले क्लब के सदस्यों के लिए फोटोग्राफी के मूल विषयों के संबंध में एक सत्र का आयोजन किया गया। यह सत्र कैमरा, कलर थ्योरी और अन्य महत्वपूर्ण बातें जो फोटोग्राफर के लिए उपयोगी होती हैं, के संबंध में है।

#### 6.4.5.च) फोटोबूथ @ अभिसर्ग 2023 (7,8,9 अप्रैल, 2023)

एफ/स्टॉप ने अभिसर्ग 2023 के लिए एक फोटोबूथ – फोटोग्राफी प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को एफ/स्टॉप और कला क्लब द्वारा प्रदान किए गए प्रोप का प्रयोग करते हुए तस्वीरें लेनी थीं। विजेताओं की तस्वीरों को क्लब के अधिकारिक इन्ट्राग्राम के पेज पर अपलोड किया गया।



इसके अतिरिक्त यह क्लब छात्र परिषदों, क्लबों और प्रबंधन द्वारा आयोजित सभी सांस्कृतिक एवं तकनीकी इवेंटों की तस्वीर लेता है



## 6.4.6. मेराकी – आर्ट क्लब

### 6.4.6.क) पेंट औरा (8 अप्रैल, 2023):

अत्यधिक प्रतीक्षित मुख्य पेंटिंग इवेंट 'पेंट औरा'। टीम के सदस्य को अपनी टीम के सदस्य के मुख पर शानदार संदेश देते हुए रोचक पेंटिंग दर्शानी होती है। यदि यह पेंटिंग भारतीय संस्कृति से संबंधित है तो इस पर बोनस प्वाइंट दिए जाते हैं। निर्णय कला के सौंदर्य और पेंटिंग के स्पष्ट सुसंगतिकरण के आधार पर दिया जाता है। यह इवेंट प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित किया। कला संबंधित सामग्री प्रदान की जाती है और रोचक पुरस्कारों के साथ कलाकारों की सराहना की जाती है।



#### 6.4.6.ख) कूल चार 7 जून, 2023:

एक अन्य रोचक कला प्रतियोगिता कूल चार का सांय 2–5 बजे आयोजन किया गया। प्रतिभागियों को अपने स्वप्न को अथवा उनके आदर्शों को अपनी कला में प्रदर्शित करने के लिए कहा गया। यह कई कलाकारों की छुपी हुई प्रतिभाओं को उजागर करने और उनकी सराहना करने के लिए आयोजित किया गया था, इस प्रतियोगिता ने कलाकारों और उत्साही छात्रों की उनके विचारों को आगे लाने में सहायता प्रदान की। यह छात्रों की सृजनात्मकता में वृद्धि करता है और उनकी सृजनात्मकता के लिए कूल पुरस्कार दिए जाते हैं।



#### 6.4.6.ग) हॉल-ओ-वीन 19 नवंबर, 2023:

इस शीर्षक को हॉलोवीन के रूप में चुना गया था और इसके प्रतिभागी अपनी इच्छा के किसी भी कला को चुनते हैं। चाहे वह स्केचिंग, पेंटिंग, डिजिटल-आर्ट इत्यादि कुछ भी हो। सर्वोच्च कला को क्लब के सदस्यों द्वारा चुना जाता है। यह इवेंट एक घंटे की अवधि का होता है। हम इस बात से काफी उत्साहित हैं कि हमें छात्रों से इस अवसर पर काफी भागीदारी प्राप्त हुई

और यह इवेंट एक भव्य सफल इवेंट रहा।

#### **6.4.7. माइस-एन-सीन (फिल्म क्लब)**

##### **6.4.7.क) फिल्म स्क्रीनिंग (4 अक्टूबर 2022)**

फिल्म क्लब (माइस-एन-सीन) द्वारा संचालित एक फिल्म स्क्रीनिंग एक ऐसा इवेंट है जिसमें फिल्म उत्साही, छात्र और समुदाय के सदस्य फिल्म को देखने और उस पर विचार-विमर्श करने के लिए एकत्रित होते हैं। यह स्क्रीनिंग फिल्म क्लबों अथवा सोसाइटियों द्वारा आयोजित की जाती है, जो कि विशिष्ट रूप से छात्रों द्वारा संचालित संगठन होते हैं परंतु वे अन्य समुदायों में भी हो सकते हैं।

किसी फिल्म क्लब द्वारा संचालित फिल्म स्क्रीनिंग का उद्देश्य फिल्म प्रेमियों के लिए परस्पर एकत्रित होना और सिनेमा की कला के रूप में सराहना करना होता है। ये इवेंट अधिकांशतः किसी विशिष्ट शीर्षक, निदेशक अथवा फिल्म इतिहास की अवधि पर केंद्रित होते हैं। वे कई श्रेणियों की फिल्मों का प्रदर्शन कर सकते हैं जिनमें क्लासिक, स्वतंत्र फिल्में, विदेशी फिल्में अथवा हाल ही में जारी इवेंट हो सकते हैं।

स्क्रीनिंग के पश्चात् अक्सर पोस्ट-स्क्रीनिंग विचार-विमर्श होते हैं जिनमें प्रतिभागी अपने विचारों, निष्कर्षों और फिल्म के प्रति उनकी सोच के बारे में विचार-विमर्श कर सकते हैं। ये विचार-विमर्श वार्ता, अवस्थापनात्मक विचारों और विविध दृष्टिकोणों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करते हैं। प्रतिभागी फिल्म के शीर्षक, संकेत, ढांचे और सिनेमेटोग्राफी का विश्लेषण कर सकते हैं जिससे फिल्म निर्माण की कला की गहन प्रशंसा हो सकती है।

फिल्म क्लबों द्वारा आयोजित फिल्म स्क्रीनिंग में समग्र अनुभव में वृद्धि करने के लिए अतिरिक्त गतिविधियां भी शामिल की जा सकती है। इनमें फिल्म, ट्रिविया प्रश्न मंच, पोस्टर प्रदर्शनी, लघु फिल्म स्क्रीनिंग, अथवा फिल्म अथवा इसके विषय से संबंधित जीवंत प्रस्तुतियां शामिल हो सकती है।

समग्र रूप से फिल्म क्लब द्वारा प्रस्तुत फिल्म स्क्रीनिंग फिल्म उत्साहियों के लिए एक गहन और सौहार्दपूर्ण अनुभव पैदा करती है। यह विविध फिल्मों को ढूंढने, गहन समझ पैदा करने और सिनेमा की सराहना करने तथा फिल्म मेकिंग की कला के जुनून को साझा करने वाले समान विचार धारा के व्यक्तियों को जोड़ने का मंच प्रदान करता है।



#### 6.4.7.ख) प्रस्तावना सत्र 21 फरवरी 2023

किसी फिल्म क्लब द्वारा संचालित प्रस्तावना सत्र नए सदस्यों के स्वागत करने और उन्हें क्लब की गतिविधियों से परिचित कराने एवं फिल्म उत्साहियों के समुदाय की भावना पैदा करने के लिए तैयार किया जाता है। यह सत्र विशिष्ट रूप से क्लब के आयोजकों के अभिवादन के साथ आरंभ किया जिन्होंने क्लब के इतिहास, उद्देश्य और लक्ष्यों का परिदृश्य प्रदान किया।

उन्होंने उन गतिविधि की श्रेणियों को बतलाया जो सदस्य उम्मीद कर सकते हैं जैसे कि फिल्म स्क्रीनिंग, विचार-विमर्श, कार्यशालाएं और सहयोगी परियोजनाएं, इसमें विविध एवं समावेशी फिल्म संस्कृति के संवर्धन हेतु क्लब के समर्पण पर जोर दिया गया। आयोजकों ने सदस्य बनने की प्रक्रिया भी बताई और इसके लाभ तथा सक्रिय भागीदारी के विषय में भी बताया। इस सत्र में अधिकांशतः प्रश्न और उत्तर तथा विचार-विमर्श भी शामिल होते हैं जिसमें प्रतिभागियों को प्रश्न पूछने, शंकाये दूर करने और आयोजकों तथा अन्य प्रतिभागियों के साथ वार्ता करने की अनुमति भी होती है। इस सत्र के अंत तक प्रतिभागी फिल्म क्लब के उद्देश्य, उसके मूल्यों और उपलब्ध अवसरों की ठोस जानकारी प्राप्त करते हैं जो उन्हें स्वयं को गतिमान फिल्म समुदाय ने शामिल करने के लिए प्रेरित करती हैं।

यह प्रस्तावना सत्र प्रतिभागियों के लिए समान विचारधारा वाले व्यक्तियों को जोड़ने के लिए अवसर प्रदान करता है जो फिल्म के लिए जुनून साझा करते हैं। अनौपचारिक पहलुओं के अतिरिक्त यह नेटवर्किंग और सामाजिकीकरण के लिए भी स्थान तैयार करता है। इसमें प्रतिभागी अनौपचारिक विचार-विमर्शों, सिफारिशों के आदान-प्रदान में शामिल हो सकते हैं और ऐसे संबंध स्थापित कर सकते हैं जो सत्र के बाद भी जारी रहते हैं। यह सत्र एक समावेशी और फिल्म क्लब अनुभव के लिए चरण स्थापित करता है जिसमें सदस्य सिनेमा के प्रति उनके प्रेम को गहरा कर सकते हैं, फिल्म की एक कला के रूप में समझ पैदा कर सकते हैं और उन अन्य सदस्यों के साथ सहयोग कर सकते हैं जो फिल्मों के माध्यम से स्टोरीटेलिंग की शक्ति की सराहना करते हैं।

#### 6.4.7.ग) मूवी ट्रिविया, नवंबर, 2022, 9 अप्रैल, 2023

इस फिल्म क्लब ने रोचक मूवी ट्रिविया इवेंट आयोजित किया जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी सीटें आरक्षित की। 10 हजार रुपए की उदार पुरस्कार के साथ प्रतिभागी काफी अधिक संख्या में थे और यह प्रतियोगिता काफी कड़ी थी। ट्रिविया प्रतिस्पर्धा ने आईकोनिक मूवी, प्रसिद्ध निदेशकों, यादगार उद्धरणों और विभिन्न शीर्षकों को शामिल करते हुए फिल्मों से संबंधित शीर्षकों की व्यापक श्रेणी शामिल थी। प्रतिभागियों को उनके ज्ञान का परीक्षण करने और शीघ्रता से सीखने

की चुनौती दी गई। क्योंकि उन्होंने सटीक उत्तर देने के लिए मुकाबल किया। यह इवेंट न केवल एक भव्य अनुभव था बल्कि फिल्म उत्साहियों को अपनी विशेषज्ञता को दर्शाने और क्लब के अन्य सदस्यों के साथ सिनेमा के लिए उनके जुनून को साझा करने का अवसर प्रदान किया। पुरस्कार राशि के साथ प्रतिस्पर्धा वातावरण ने एक ऐसी चुम्बकीय ऊर्जा उत्पन्न कर दी जिसने प्रत्येक व्यक्ति को समूचे ट्रिविया सत्र के दौरान प्रेरित रखा।

फिल्म क्लब द्वारा आयोजित मूवी ट्रिविया इवेंट एक मनोरंजक प्रतियोगिता से अधिक था दृ इसका सिनेमा के प्रदर्शन और जुनूनी फिल्म प्रेमियों को इकट्ठा लाने के रूप में आयोजन किया गया। 10 हजार की प्रभावशाली राशि ने प्रतिभागियों के लिए उत्साह और प्रोत्साहन में वृद्धि की जिसमें वे अपने मूवी ज्ञान को प्रदर्शित कर पाए।

जैसा कि प्रश्न पूछे गए वातावरण संभावित प्रश्नों के साथ होत-प्रोत था और प्रतिभागियों ने सही उत्तर देते हुए अपनी जानकारी से परिचित करवाया। इस इवेंट ने न केवल उनके फिल्म ज्ञान का परीक्षण किया अपितु प्रतिभागियों के बीच विचार-विमर्श और मित्रवत् वाद-विवादों को भी प्रोत्साहित किया जिससे उत्साह की भावना पैदा हुई।

अंततः मूवी ट्रिविया इवेंट ने क्लब के भीतर फिल्म समुदाय की गति प्रदर्शित की जिसमें सदस्य मूवी के लिए उनके प्रेम का आयोजन करने, साझा किए गए हितों को एकत्रित करने और यादगार क्षणों को सृजित करने के लिए एकत्रित हुए।



#### 6.4.7.घ) लघु फिल्म प्रतियोगिता 22 नवंबर, 2022, 7 अप्रैल, 2023

फिल्म क्लब ने लघु फिल्म प्रतियोगिता आयोजित की जिसमें प्रतिभागियों को श्रोताओं को एक समान रूप से शामिल किया गया। 30 हजार रुपए की प्रभावशाली पुरस्कार राशि के साथ इस

प्रतियोगिता ने संभावित फिल्म निर्माताओं और प्रत्येक पृष्ठभूमि के सृजनात्मक स्टोरीटेलर को आकर्षित किया। इस इवेंट ने फिल्म निर्माताओं के लिए प्रतिभा, कल्पना और लघु फिल्मों के माध्यम में उनकी योग्यताओं को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान किया।

प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों का दोहन करते हुए अपने उद्घरण तैयार किए और इससे निर्णायकों तथा दर्शकों पर लंबा प्रभाव पड़ा। प्रतियोगिता ने नवाचार एवं सृजनात्मकता की भावना उत्पन्न की, फिल्म निर्माताओं को सीमाओं को लांघने के लिए प्रेरित किया, उनकी कला के साथ प्रयोग करने और बड़ी स्क्रीन पर कहानियों को प्रस्तुत करने का मंच प्रदान किया। अत्यधिक पुरस्कार राशि ने आशाओं और प्रेरणा के स्तर में वृद्धि की जिससे उत्कृष्ट लघु फिल्मों का प्रदर्शन हो सका और श्रोताओं को प्रेरणा मिल सकी।

फिल्म क्लब द्वारा आयोजित लघु फिल्म प्रतियोगिता मात्र सृजनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन नहीं था बल्कि यह फिल्म निर्माण की कला का आयोजन भी था। फिल्म निर्माताओं ने अपनी प्रस्तुतियों में अपने हृदय और भावनाओं को रखा जिसमें उन्होंने जीवन के प्रति उनके दृष्टिकोण को साझा किया और श्रोताओं को अपनी स्टोरीटेलिंग प्रतिभा से अवगत कराया। विविध श्रेणी की प्रविष्टियों ने विभिन्न दृष्टिकोण, संस्कृतियों और कलात्मक प्रकृति का परिचय दिया जिससे अभिव्यक्ति के माध्यम के रूप में लघु फिल्मों के गहन प्रभाव का पता लगा। इस प्रतियोगिता ने फिल्म निर्माताओं के बीच समुदाय की भावना सृजित की और संबंधों में वृद्धि की तथा फीडबैक एवं सकारात्मक आलोचना का मंच प्रदान किया।



30 हजार रुपए की पुरस्कार राशि ने फिल्म क्लब की वचनबद्धता को उभरती हुई प्रतिभा की सहायता करने और अप्रत्याशित फिल्म निर्माण के प्रति उनके जुनून को दर्शाया।

अंत में, लघु फिल्म प्रतियोगिता केवल पुरस्कार मात्र नहीं थी बल्कि यह स्टोरीटेलिंग के लिए जुनून और उभरते हुए फिल्म निर्माताओं को निखारने का अवसर भी थी



#### 6.4.7.ड) स्किट प्रतियोगिता (17 फरवरी, 2023), (08 अप्रैल, 2023):

एक थियेटर प्रतियोगिता (स्किट) जहां प्रतिभागी एक-दूसरे के साथ उनके कार्यों के आधार पर प्रतिस्पर्धा करते हैं चिट-चौट (अप्रैल 9, 2023), श्री विद्या, एक प्रसिद्ध अभिनेत्री, फिल्म निर्माता और आलोचक के साथ इस सत्र ने फिल्म निर्माण के जगत में फिल्म निर्माण, विपणन और आलोचना के जगत में मूल्यवान विचार प्रदान किए। वार्ता के दौरान, साझा किए गए उनके अनुभव और ज्ञान ने फिल्म निर्माण की सहयोगी प्रकृति पर प्रकाश डाला, प्रभावी विपणन नीतियों और स्टोरीटेलिंग के महत्व को उजागर किया। छात्रों के साथ वार्तालाप करते हुए श्री विद्या ने न केवल उनके प्रश्नों का उत्तर दिया बल्कि उन्हें फिल्म उद्योग के लिए उनके जुनून हेतु प्रेरित एवं प्रोत्साहित भी किया। इस सत्र में आनंद और उत्साह की भावना देखी गई जिससे सभी प्रतिभागियों के लिए इसे एक यादगार एवं गहन अनुभव बना दिया।



## इम्पेक्ट

संस्थान से स्नातक होने वाले छात्रों का प्रत्येक बैच अच्छी नौकरी और उच्चाध्ययन के अवसर तलाशेगा यह एक संतोषजनक क्षण होगा जबकि परिसर को छोड़ते हुए सभी स्नातक छात्र उस उपलब्धि को हासिल कर सकें जिनकी वह आशा रखते हैं।

यद्यपि समग्र तैयारी क्रमशः बेहतर है, संस्थान द्वारा यह प्रदर्शित किया जाना अभी बाकी है कि छात्र कुछ सर्वोच्च आईआईआईटी के मुकाबले अच्छी नौकरियों प्राप्त कर पाएंगे। व्यक्तिगत स्तर पर महबूती और सुधार के क्षेत्रों पर एक चरणबद्ध दृष्टिकोण से ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। यह मुख्यतः लक्षित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कैरियर दिशानिर्देशों के लिए वैयक्तिक मेंटरिंग पर ध्यान केन्द्रित करता है।

सौभाग्यवश, हमारे यहां उत्कृष्ट संकाय सदस्य हैं जिन्होंने अग्रणी विश्वविद्यालयों से अपनी शिक्षा प्राप्त की है और उनमें से कुछ का महत्वपूर्ण उद्योग अनुभव है। किसी अन्य तुलनीय संस्थान के पास यह अनन्य लाभ नहीं है जिसको शिक्षण-अधिगम और शोध में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। वे नौकरियों और उच्च अध्ययन से सफलता को संकाय के रूप में उनकी भूमिका का अभिन्न अंग मानते हैं।

आईआईआईटी श्रीसिटी यह घोषणा करते हुए प्रसन्न है कि संकाय सदस्यों ने एक नए मेंटरशिप कार्यक्रम **इम्पेक्ट** के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शायी है। इस कार्यक्रम के तहत छात्रों के एक समूह को व्यापक दिशानिर्देशों के लिए प्रत्येक संकाय को सौंपा जाता है। वे छात्रों को दिशानिर्देश प्रदान करेंगे और छात्रों में आवश्यक कौशल को विकसित करने में सहायता प्रदान करेंगे तथा यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके कैरियर के लक्ष्य हासिल हों।

इम्पेक्ट एक सेमी-स्ट्रक्चर्ड कार्यक्रम है। यह लक्ष्यों को निर्धारित करने, प्रगति को ट्रैक करने और प्रत्येक छात्र के लिए अंतिम परिणाम प्राप्त करने के लिए निर्मित किया गया है। प्रत्येक संकाय सदस्य प्रभाविता को हासिल करने के लिए विविध औपचारिक-सह-अनौपचारिक दृष्टिकोण अपना सकता है।

संकाय सदस्य यह सुनिश्चित करते हुए साप्ताहिक आधार पर छात्रों के साथ नियमित संपर्क करेंगे कि इम्पेक्ट कार्यक्रम सफल हो और छात्रों की उत्कृष्टता प्राप्त करने में सहायता की जा सके।

इम्पेक्ट का लक्ष्य एक महत्वपूर्ण प्रभाव डालना है ताकि परिवर्तनकारी परिणाम प्राप्त हो सकें। विश्व में कई बड़ी चीजें एक छोटे तरीके से आरंभ की जा सकती हैं। हर व्यक्ति को बड़ी चीजें प्राप्त करने के लिए मिलकर कार्य करना चाहिए जो संस्थान की अधिक उंचाईयों तक ले जाएगा।

## फ़ेवराईट 25

### स्लो लर्नरों के लिए सहायता

संस्थान का शिक्षण-अधिगम की गुणवत्ता में सुधार करने पर अत्यधिक जोर है ताकि छात्रों के लिए प्लेसमेंट और उच्च अध्ययन के मूल्यवान अवसर पैदा किए जा सकें। तथापि, सामाजिक-आर्थिक और ग्रामीण पृष्ठभूमि के कारण पहले वर्ष के छात्रों का एक वर्ग बाकी कक्षा के साथ नहीं चल पाता है। ऐसे छात्रों की सहायता करने के लिए विशेष प्रयास किए जाते हैं। पहला ऐसे छात्र जिनका कक्षा के निचले 25 प्रतिशत में निरंतर मूल्यांकन रहता है, उनकी पहचान की जाती है। ऐसे छात्रों की "फ़ेवराईट 25" नामक एक कार्यक्रम के माध्यम से परामर्श और सहायता की जाती है। संकाय सदस्य, छात्र, कर्मचारी और अन्य इन छात्रों की उनकी प्रदर्शन में सुधार हेतु स्वयंसेवी रूप से प्रयास करते हैं। इसके अतिरिक्त, सेमेस्टर की परीक्षाओं में अनुत्तीर्ण होने वाले छात्रों की सहायता के लिए फॉरमेटिव एसेसमेंट (एफए) आरंभ किया गया है। एफए के अंतर्गत छात्रों को अतिरिक्त कक्षाएं और परामर्श दिया जाता है तथा वे अगले सेमेस्टर आरंभ होने से पहले सभी निरंतर मूल्यांकन और अंतिम परीक्षा को पूरा करते हुए विषयों को उत्तीर्ण करते हैं। यह छात्रों की सक्षमता के अपेक्षित स्तर प्राप्त करने में सहायता प्रदान करता है जिससे वे वर्ष को ड्राप किए बगैर प्रौन्नत पाठ्यक्रम लेने हेतु पूरी तरह से तैयार हो जाते हैं।

## 7. लोग/मानव संसाधन

### 7.1 संकाय:

वर्तमान और भविष्य की भूगोलीय-सामाजिक-आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हम विश्व स्तरीय संकाय की भर्ती पर अत्यधिक जोर देते हैं जो कि शिक्षण एवं शोध क्षेत्रों में मजबूत हों।

सभी संकाय सदस्य पोस्ट-डॉक्टरल के न्यूनतम तीन वर्ष के अनुभव के साथ विश्व की महत्वपूर्ण संस्थाओं से पीएचडी धारी है और लगभग सभी का वैश्विक अनुभव है। उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों तथा सम्मेलन की कार्यवाहियों में लेख प्रकाशित किए हैं तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर विभिन्न कार्यशालाओं में भाग लिया/आयोजन किया है।

क्र. सं.	नाम	पदनाम	क्षेत्र
1.	प्रो. जी. कन्नाबिरन	निदेशक	सीएसई
2.	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	एसोसिएट प्रोफेसर	सीएसई
3.	डॉ. विश्वनाथ पुलबाईगिरी	एसोसिएट प्रोफेसर	सीएसई
4.	डॉ. बालाजी रमण	एसोसिएट प्रोफेसर	सीएसई
5.	डॉ. ओडेलु वांगा	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड I)	सीएसई
6.	डॉ. मृणमय घोराय	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	सीएसई
7.	डॉ. नेहा अग्रवाल	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	सीएसई
8.	डॉ. पीयूष जोशी	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	सीएसई
9.	डॉ. पी. वी. अरुण	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	सीएसई
10.	डॉ. निखिल त्रिपाठी	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	सीएसई
11.	डॉ. अरिजीत राँय	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	सीएसई
12.	डॉ. हीमांगशु शर्मा	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	सीएसई
13.	डॉ. गिरीश जी एन	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)	सीएसई
14.	डॉ. बालसुब्रमण्यम कंदस्वामी	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
15.	डॉ. श्रीजा एसआर	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
16.	डॉ. अन्नुश्री बवलानी	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
17.	डॉ. भीमप्पा हलावर	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
18.	डॉ. शठाना	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
19.	डॉ. अमित प्रसाद	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
20.	डॉ. राकेश कुमार सनोदिया	सहायक प्रोफेसर	सीएसई

21.	डॉ. बी. कृष्णा प्रिया	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
22.	डॉ. प्रियम्बदा सुबुद्धि	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
23.	डॉ. एस. मणिप्रिया	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
24.	डॉ. चन्द्र मोहन डी	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
25.	डॉ. पवन कुमार बी. एन.	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
26.	डॉ. कमलाकांता सेठी	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
27.	डॉ. वी. रमेश कुमार	सहायक प्रोफेसर	सीएसई
28.	डॉ. आमिलपुर संतोष	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
29.	डॉ. लोकेन्द्र चौहान	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
30.	डॉ. के. शिव प्रसाद	एसोसिएट प्रोफेसर	ईसीई
31.	डॉ. हृषिकेश वेंकटरमन	एसोसिएट प्रोफेसर	ईसीई
32.	डॉ. अनीश चंद तुरलापति	एसोसिएट प्रोफेसर	ईसीई
33.	डॉ. कंदीमल्ल दिव्यब्रम्हम	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड I)	ईसीई
34.	डॉ. राजा वरा प्रसाद येर्रा	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड I)	ईसीई
35.	डॉ. अचिंतय कुमार सरकार	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड I)	ईसीई
36.	डॉ. प्रियंका द्विवेदी	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड I)	ईसीई
37.	डॉ. पद्मिनी सिंह	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
38.	डॉ. नमिता ए.एस.	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
39.	डॉ. राजीव कुमार	सहायक प्रोफेसर	
40.	डॉ. ई. पॉल ब्रेनर्ड	सहायक प्रोफेसर	ईसीई
41.	डॉ. मैनाक ठाकुर	सहायक प्रोफेसर	गणित और डाटा विज्ञान
42.	डॉ. चिरंजीत रे	सहायक प्रोफेसर	गणित और डाटा विज्ञान

## 7.2 विजिटिंग संकाय

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	संकाय का नाम
1	आईटी प्रोजेक्ट प्रबंधन	श्री जयदीप दास
2	पर्सनल ग्रोथ लैब	डॉ. जोस एमएफ
3	व्यावसायिक संचार, अनिवार्य अंग्रेजी और प्रौन्नत संचार कौशल	डॉ. दिव्या जॉन
		डॉ. वनिता
		डॉ. श्रीमती वेंकटलक्ष्मी
4	विकास हेतु आईसीटी	डॉ. पंकज कुमार



5	मौसम परिवर्तन और प्रभाव	डॉ. राजी पी
6	नियोजनीयता के लिए कौशल	डॉ. रवि थीलागन
7	उर्जा और पर्यावरण विज्ञान	डॉ. रुबेन सुधाकर
8	मात्रा सूचना और कम्प्यूटिंग	डॉ. बृजेश मिश्रा
		डॉ. शिवकुमार
9	मैक्रो आर्थिक और व्यक्तिगत वित्त	श्री के एम पदमानाभन
10	नवाचार और उद्यमिता	श्री सतीश मेदापति
11	एप्टीटयूट और रिजनिंग	सुश्री शबाना इमरान खान
12	मानव मूल्यों की स्थापना	आर्ट ऑफ लिविंग

### 7.3 कर्मचारी

क्र. सं.	नाम	पदनाम
1	इवानी वीएसएसआर सोम्याजुलु	प्रबंध, रजिस्ट्रार कार्यालय
2	पी वी सोमेश्वर राव	सहायक प्रबंधक (लेखा)
3	के लालिन कुमार रेड्डी	सहायक प्रबंधक—एफ एंड ए
4	एस. ज्योति रानी	सहायक प्रबंधक, ईसी लैब
5	जी सिरी बाबू	सहायक प्रबंधक
6	उदियापुरम तुलसीदास	शारीरिक शिक्षा अनुदेशक
7	पी पूर्ण चंद्रा	कनिष्ठ प्रोजेक्ट इंजीनियर
8	विजय कुमार एस	इंजीनियर, सीएसई लैब
9	कोटेश्वरराव बी	इंजीनियर, सीएसई लैब
10	ए कोरियन	इंजीनियर, ईसी लैब
11	ए सुनीता	प्रशासनिक सहायक
12	एम. सुरेश रेड्डी	ईसी लैब के लिए टयूटर
13	एम सुकीर्ती व्यास	सहायक—शैक्षिक
14	जी मुरलीकृष्णन	पुस्तकालय सहायक
15	एम. तिरिपालु	सहायक (लेखा)
16	डी सुनील	सहायक (एफएंडए)
17	पी नरेश	वरिष्ठ प्रशिक्षु
18	आई रवि तेजा	वरिष्ठ प्रशिक्षु
19	जी.प्रसुना ओडुरु	रेसिडेंट वार्डन (बालिका छात्रावास)
20	जी. वैकेया	अटेंडर
21	डी. भास्कर	सुपरवाइजर—हाउसकीपींग (ऑपरेशन और रखरखाव)
22	बी सुरेश	कार्यालय सहायक
23	एम.कार्तिक	प्रशिक्षु

24	सुप्रिया राजा	प्रशिक्षु
25	टी.जी.किरुबकरण	प्रशिक्षु
26	एन.महेश बाबू	प्रशिक्षु
27	टी. सुगन्या	हैल्पर
28	पी. नरेन्द्र	तकनीशियन
29	के.गिरि	इलेक्ट्रिशियन
30	के. मुनिरत्नम्मा	केयर टेकर – गर्ल्स हॉस्टल
31	के. कनकेश्वर राव	प्लंबर
32	एस किशोर	इलेक्ट्रिशियन

#### 7.4 सलाहकार

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	डी.हरि कृष्णम राजू	सलाहकार (प्रापण एवं परिवहन)
2	अभिनय इराला	वरिष्ठ प्रशिक्षण एवं नियोजन अधिकारी
3	एम मिचायेलू	प्रशिक्षण और नियुक्ति अधिकारी
4	श्री पी. कृष्णा मूर्ति	प्रबंधक (टीबीआई)

## 8. शोध तथा विकास

### शोध एवं विकास:

अप्रैल, 2022 से मार्च, 2023 तक की अवधि के दौरान पीजी और यूजी छात्रों तथा उनके सहयोगियों के साथ संकाय के सदस्यों ने प्रभावशाली 17 जर्नल लेख प्रकाशित किए। इनमें अधिकांशतः एलसीवियर, आईईईई ट्रांजिक्शन, जर्नल ऑफ सेमी-कंडक्टर डिवाइसेस, सोलर एनर्जी, सिंज्रर, एसएई मोबिलिटी इंजीनियरिंग और जर्नल ऑफ बिजनेस परफॉर्मेंस तथा सप्लाइ चैन मॉडलिंग जैसे अंतर्राष्ट्रीय जर्नल प्रकाशन शामिल हैं। उल्लेखनीय रूप से संकाय सदस्यों और छात्रों ने इस अवधि के दौरान 20 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुतियां प्रस्तुत की। इसके अतिरिक्त, इस अवधि के दौरान 1 भारतीय पेटेंट भी दायर किया गया।

### 8.1 शोध प्रकाशन

#### जर्नलों में प्रकाशन

1. शाथना राजमोहनय इलाविकिया ई; श्रीजा एस आर; (2022)। इंजीनियरिंग ऑप्टिमाइजेशन समस्याओं के लिए खोज अंतरिक्ष आघूर्ण कसाव के साथ मल्टी कोहॉर्ट व्हेल ऑप्टिमाइजेशनय तंत्रिका कंप्यूटिंग और अनुप्रयोग।
2. श्रीजा. एस. आर., देबासिस सामंता; मोटर इमेजरी ईईजी संकेतों के विरल प्रतिनिधित्व-आधारित वर्गीकरण में शब्दकोश में कमी; मल्टीमीडिया उपकरण और अनुप्रयोग; फरवरी 2023.
3. श्रीजा. एस. आर., शाथना राजमोहन, मंजीत सिंह सोढ़ी, देबासिस सामंता, पबित्र मित्रा; ईईजी सिग्नल से आई ब्लिंक कलाकृतियों को हटाने के लिए शब्दकोश सीखना और लालची एल्गोरिदमय सर्किट, सिस्टम और सिग्नल प्रोसेसिंगद्व अप्रैल 2023 (स्वीकृत)
4. नेहा अग्रवाल, रोहित कुमार, "औद्योगिक साइबर भौतिक प्रणालियों का सुरक्षा परिप्रेक्ष्य विश्लेषण (आई-सीपीएस): एक दशक-व्यापी सर्वेक्षण।" आईएसए लेनदेन, एल्सेवियर, 130, 10-24, 2022
5. रोहित कुमार, नेहा अग्रवाल, "आरबीएसी-एलबीआरएम: आईओटी-एज-फॉग नेटवर्क के लिए एक आरबीएसी आधारित लोड बैलेंसिंग सहायता प्राप्त कुशल संसाधन प्रबंधन ढांचा।" आईईईई सेंसर पत्र, 2022
6. रोहित कुमार, नेहा अग्रवाल, "सॉफ्टवेयर-परिभाषित वाहन नेटवर्क (एसडीवीएन) पर एक सर्वेक्षण: एक सुरक्षा परिप्रेक्ष्य" द जर्नल ऑफ सुपरकंप्यूटिंग, 1-33, 2022

7. सरवनी, सी. एच., शिव राम दुबे, और मृण्मय घोरई। “यूएफकेटी: सीएनएन प्रूनिंग के लिए महत्वहीन फिल्टर ज्ञान हस्तांतरण।” न्यूरोकंप्यूटिंग 514 (2022): 101–112।
8. सरवनी, सी.एच., एट अल. “हर्ल: सक्रियण मानचित्रों और वर्ग लेबलों के बीच उच्च प्रासंगिकता के आधार पर फिल्टर प्रूनिंग।” तंत्रिका नेटवर्क 147 (2022): 186–197।
9. गोरीपति, रवि, मैनाक ठाकुर, और नागेश कोलागनी; “विश्लेषणात्मक पदानुक्रम प्रक्रिया में संभाव्य दृष्टिकोण का उपयोग करके संसाधन प्रबंधन प्रणालियों की इष्टतम रैंक पहचान के लिए एक रूपरेखा।” जल नीति (2022)।
10. एजुरोथु, पवन साई संतोष, सुभोजित मंडल, और मैनाक ठाकुर। “क्लस्टर आधारित हाइब्रिड ग्राफ न्यूरल नेटवर्क दृष्टिकोण का उपयोग करके भारत में पीएम2.5 सांद्रता का पूर्वानुमान।” एशिया-पैसिफिक जर्नल ऑफ एटमॉस्फेरिक साइंसेज (2022): 1–17।
11. मंडल, एस., और ठाकुर, एम. (2023)। एक शहर-आधारित पीएम2.5 स्थानिक रूप से चौकस क्लस्टर-आधारित ग्राफ न्यूरल नेटवर्क मॉडल का उपयोग करके पूर्वानुमान ढांचा। जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन, 405, 137036।
12. नादेज्दा ब्रियांत्सेवा, लोकेंद्र चौहान, माटेओ परसानी, सदस्य, और मोहम्मद-स्लिम अलौनी तीन आयामी उप-प्रसार आधारित आणविक संचार पर इवेनसेंस प्रक्रिया का प्रभाव, नैनोबायोसाइंस पर आईईईई लेनदेन।
13. एल. चौहान और एम.-एस. अलौनी, “प्रत्येक नैनो चीजों के इंटरनेट पर विभिन्न संचार प्रणालियों के साथ आणविक संचार प्रणाली का इंटरफेसिंग,” आईईईई इंटरनेट ऑफ थिंग्स जर्नल में, डीओआई: 10.1109/JIOT.2023-3273030.
14. एम राहिल, बीएन अनूप, जीएन गिरीश, एआर कोठारी, एसजी कुलागुडी, जेनी राजन, “ए डीप एन्सेम्बल लर्निंग-बेस्ड सीएनएन आर्किटेक्चर फॉर मल्टीक्लास रेटिनल फ्लूइड सेगमेंटेशन इन ओसीटी इमेजेज”, आईईईई एक्सेस, वॉल्यूम 11, पेज 17241–17251, आईईईई, मार्च 2023। (प्रभाव कारक: 3.47)
15. राकेश कुमार सनोदिया, श्रेयश मिश्रा, सत्य राजेंद्र सिंह आर., अरुण पी.वी., मैनिफोल्ड एंबेडेड ज्वाइंट जियोमेट्रिकल एंड स्टैटिस्टिकल एलाइनमेंट फॉर विजुअल डोमेन एडाप्टेशन, नॉलेज-बेस्ड सिस्टम्स, वॉल्यूम 257, 2022, 109886. <https://doi.org/10.1016/j.knosys.2022.109886> [आईएफ: 8.139, क्यू1]
16. पी.वी. अरुण, और ए. कार्निएली, “फसल-विशिष्ट फेनोलॉजिकल विशेषताओं पर

विचार करते हुए वनस्पति सूचकांक वक्रों का संवर्द्धन, वर्णक्रमीय अनमिक्सिंग के लिए कैप्सूल-आधारित अव्यक्त स्थान एन्कोडिंग," रिमोट सेंसिंग में चयनित अनुप्रयोगों के आईईईई जर्नल, वॉल्यूम 15, पीपी. 1235–1243, 2022. <https://doi.org/10.1109/JSTARS.2022.3142395> [आईएफ: 4.715, क्यू1]।

17. पी.वी. अरुण, और ए. कार्निएली, "स्पेक्ट्रल अनमिक्सिंग के लिए कैप्सूल-आधारित लेटेंट स्पेस एन्कोडिंग," आईएसपीआरएस जर्नल ऑफ फोटोग्रामेट्री एंड रिमोट सेंसिंग, वॉल्यूम 183, 2022, सं. 1, पीपी. 307–320, जनवरी 2020। <https://doi.org/10.1016/j.isprsjprs.2021.11.008> [आईएफ: 11.774, क्यू1]।

## 8.2 सम्मेलन की कार्यवाही/प्रस्तुतियां

1. सादु एस, दुबे एसआर, श्रीजा एसआर. कन्वेंशनल न्यूरल नेटवर्क के लिए मोमेंट सेंट्रलाइजेशन आधारित ग्रेडिएंट डिसेंट ऑप्टिमाइजर। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर कंप्यूटर विज्ञान और मशीन इंटेलिजेंस (सीवीएमआई), 12–13 अगस्त 2022, आईआईआईटी इलाहाबाद, प्रयागराज, भारत
2. शाथना राजमोहन, एस आर श्रीजा, ई इलविकया, एमएस3ए: मल्टी-स्वार्म सैल्य सर्च ऑप्टिमाइजेशन के साथ रैपर आधारित फीचर चयन, डेटा-संचालित कंप्यूटिंग और इंटेलिजेंट सिस्टम में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एडीसीआईएस 2022), सितंबर 23–25, 2022, बिट्स पिलानी, केके बिरला गोवा परिसर, भारत
3. संतोष कुमार सतपथी, हरि किशन कोंडावेती, एस आर श्रीजा, मशीन लर्निंग दृष्टिकोण के आधार पर ईईजी मस्तिष्क संकेतों का उपयोग करके नींद के स्टेजिंग के लिए एक स्वचालित प्रणाली, आईईईई 19वीं भारत परिषद अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इंडिकॉन 2022, 24 – 26 नवंबर, कोच्चि केरल, भारत
4. संतोष कुमार सतपथी, हरि किशन कोंडावेती, एस आर श्रीजा, स्वचालित स्लीप स्टेजिंग के लिए स्टैकिंग लर्निंग पर आधारित कुशल एन्सेम्बल मॉडल का विकास, सूचना विज्ञान, कंप्यूटिंग और प्रौद्योगिकियों के लिए नवाचार और इंटेलिजेंस पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (3आईसीटी) 2022, सखीर, बहरीन
5. संतोष कुमार सतपथी, हरि किशन कोंडावेती बी, एस आर श्रीजा, हिरल मधानी, नितिनसिंह राजपूत, देबब्रत स्वैन; मल्टी-मोडल सिग्नल का उपयोग करके स्वचालित नींद चरणों के वर्गीकरण के लिए एक गहन शिक्षण दृष्टिकोणय प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस; खंड 218, 2023, पृष्ठ 867–876
6. शाथना राजमोहन, मणितेज एम, शंकर एस, पवन के टी, डीप लर्निंग मॉडल और

कंप्यूटर विज्ञान का उपयोग करके फलों की ऑनलाइन ग्रेडिंग, इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटेशन (स्कोपस) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पीआईईटी, 2022, जयपुर

7. शाथना राजमोहन, श्रीजा एस आर, इलाकिया ई, एमएस3ए: मल्टी-स्वर्म सैल्य सर्च ऑप्टिमाइजेशन के साथ रैपर आधारित फीचर चयन, प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन डेटा-संचालित कंप्यूटिंग और इंटेलिजेंट सिस्टम (एडीसीआईएस), 2022, बिट्स गोवा (स्कोपस)
8. प्रामीला एम, शाथना राजमोहन, डीप लर्निंग तकनीकों का उपयोग करके कानूनी निर्णय की भविष्यवाणी पर एक अध्ययन, आईईईई सिलचर सबसेक्शन कॉन्फ्रेंस 2022, (आईईईई सिलिकॉन)
9. अथर्व डी, शाथना राजमोहन, जॉट्स: उन्नत जनसंख्या वृद्धि तकनीकों के साथ माइक्रोब्लॉग सारांश के लिए एक विभेदक विकास आधारित दृष्टिकोण, आईईईई सिलचर उपधारा सम्मेलन 2022, (आईईईई सिलिकॉन)
10. के.सी. जाबू, एम. घोरई और आर. वी. प्रसाद, एपीएफनेट: सिमेंटिक सेगमेंटेशन के लिए अटेंशन पिरामिडल पयूजन नेटवर्क, सीवीएमआई, 2022 ।
11. एस. जे. ऐथल, एस. पी. अधिकारी, एम. घोरई और एच. मिश्रा, ऑब्जेक्ट डिटेक्शन के लिए बैलेंस्ड सैंपलिंग बेस्ड एक्टिव लर्निंग, सीवीएमआई, 2022 ।
12. के. लैम्बैट और एम. घोरई, इमेज कलराइजेशन के लिए मल्टी-स्केल कंट्रास्टिव लर्निंग, सीवीएमआई, 2022 ।
13. किशोर, एसआर नंधा, मैनाक ठाकुर और सुभोजित मंडल. "अपतटीय पवन स्थल पर हवा की गति का पूर्वानुमान-एक केस स्टडी।" महासागर 2022-चेन्नई। आईईईई, 2022 ।
14. कुसुरु, दुर्गेश, वी बाला नागा ज्योति, इमांडी राजू, तुरलापति अनीश चंद और ठाकुर मैनाक। "हिंद महासागर की सतह की हवा की गति के लिए एक गाऊसी गामा मिश्रण मॉडल।" महासागर 2022-चेन्नई में, पृष्ठ 1-5। आईईईई, 2022 ।
15. मंडल, सुभोजित, मैनाक ठाकुर, अनीश सी. तुरलापति, रियाज उददीन शेख, और लेनवे जियोवानी. "पीएम 2.5 अनुमान के लिए प्रिज्मा हाइपरस्पेक्ट्रल डेटा का अनुप्रयोग: नई दिल्ली, भारत पर एक केस स्टडी।" आईजीएआरएसएस 2022-2022 आईईईई अंतर्राष्ट्रीय भूविज्ञान और रिमोट सेंसिंग संगोष्ठी। आईईईई, 2022 ।
16. अभिनव कुमार, लोकेंद्र चौहान, प्रभात कुमार शर्मा, न्यूरो-स्पाइक सिनैप्टिक

कम्युनिकेशन में रेंज विस्तार: त्रुटि प्रदर्शन विश्लेषण ईएआई, बीआईसीटी, ओकिनावा, जापान, 2023।

17. हेमंत पसुपुलेटी, अभिषेक आर. कोठारी, जी.एन. गिरीश, “ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी स्कैन में मल्टीपल रेटिनल पैथोलॉजी सिंथेसिस के लिए अनसुपरवाइज्ड इमेज टू इमेज ट्रांसलेशन”, कंप्यूटर विजन एंड इमेज प्रोसेसिंग (सीवीआईपी-2022) पर सातवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में; वीएनआईटी नागपुर, भारत: स्प्रिंगर, नवंबर 2022। (स्वीकृत और प्रस्तुत)।
18. सरवनन, एम., बबलानी, ए., रंगीसेट्टी, एन. (2022)। एक क्लासिफायरियर के रूप में स्पाइकिंग न्यूरल नेटवर्क का विकास: एक प्रायोगिक समीक्षा। इन: सिंह, एम., त्यागी, वी., गुप्ता, पी.के., फलुसर, जे., ऑरेन, टी. (संस्करण) कंप्यूटिंग और डेटा विज्ञान में प्रगति। आईसीएसीडीएस 2022। कंप्यूटर और सूचना विज्ञान में संचार, खंड 1614। स्प्रिंगर, चाम।
19. बालाजी, टी.के., बबलानी, ए. और श्रीजा, एस.आर., 2022, फरवरी। गहन और मशीन लर्निंग दृष्टिकोण का उपयोग करके भारत में कोविड-19 टीकों पर ओपीनियन माइनिंग। 2022 में सूचना प्रौद्योगिकी में नवीन रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआईटीआईआईटी) (पीपी. 1-6)। आईईईई।
20. एम. एम. साहू, पट्टाथल विजयकुमार, ए., हेरमैन, आई., मैथ्यू, एस. के., और पोडवाल, ए.: भूवैज्ञानिक वर्णक्रमीय मिश्रणों को अमिश्रित करने के लिए बिंदु प्रसार फंक्शन का अनुमान, ईजीयू महासभा 2022, वियना, ऑस्ट्रिया, 23-27 मई 2022, ईजीयू22-8712, <https://doi.org/10.5194/egusphere-egu22-8712>, 2022.

### 8.3 जारी प्रायोजित परियोजनाएं (2022-23)

1. डॉ. पी.वी. अरुण, एसईआरबी – सीआरजी, एक सामान्य स्थानिक डेटा वेयरहाउसिंग ढांचे का विकास और संरक्षित क्षेत्र की निगरानी और भूस्खलन संवेदनशीलता मानचित्रण के लिए चित्रण, 23,00,000 रूपए, जनवरी-2023।
2. डॉ. पी.वी. अरुण, इसरो, सीएच-2 डेटा का उपयोग करके चंद्र सतह के भूवैज्ञानिक मानचित्रण के लिए उन्नत मशीन लर्निंग दृष्टिकोण, 20,00,000 रूपए, नवंबर-2023।
3. डॉ. पी.वी. अरुण, इसरो, मल्टीमॉडल डेटा फ्यूजन के लिए उन्नत मशीन लर्निंग दृष्टिकोण, 25,00,000 रूपए, मार्च-2023.
4. डॉ. राजा वरा प्रसाद वाई- एमईआईटीवाई – सीसी और बीटी- “स्वायत्त यात्री

ड्रोन का डिजाइन और निर्माण” – 36,18,000 रूपए –  
26-जुलाई-19-25-जुलाई-22

5. डॉ. राजा वरा प्रसाद डॉ. बालाजी रमन और डॉ. दिव्यब्रह्मम कंदीमल्ल डीएसटी-एनएमआईसीपीएस-टीआईएच आईआईटी हैदराबाद – “एडवांस्ड एरियल मैपिंग (एएएम) राइडर: यूएवी का उपयोग करके आम के खेतों के लिए उपज का पता लगाने वाला सिस्टम” 49,96,100 रुपये 3 जुलाई 2021 से 2 जुलाई 2024
6. डॉ. बालाजी रमन, डॉ. पीयूष जोशी, डीएसटी-एनएमआईसीपीएस-टीआईएच आईआईटी हैदराबाद वास्तविक समय यातायात प्रवाह भविष्यवाणी और नियंत्रण के लिए ऊर्जा कुशल स्मार्ट ईडीजीई उपकरणों का डिजाइन, विकास और तैनाती, 40,00,002 रूपए, 23 जुलाई 2021 –22 जुलाई 2024
7. डॉ. बालाजी रमन, डॉ. नेहा अग्रवाल डीएसटी-एनएमआईसीपीएस-टीआईएच आईआईटी कानपुर– “सुरक्षित ड्रोन: यूएवी में क्रिप्टोग्राफिक मॉड्यूल का विश्लेषण, तैनाती और निर्णय। 37,00,480 रूपए नवंबर-21 से नवंबर-24 तक
8. डॉ हिमांगशु सरमा – एसईआरबी-एसआरजी- “स्कूल शिक्षा के लिए वीआर और एआर के माध्यम से गेम प्लेटफॉर्म का विकास” 16,40,720 रूपए दिसंबर-21 से दिसंबर-23

#### 8.4 पेटेंट दायर करना

1. इनोवेशन पेटेंट: “किसी व्यक्ति की सच्ची और भ्रामक स्थिति का निर्धारण करने के लिए एक प्रणाली और विधि” अन्नूश्री बबलानी, दामोदर रेड्डी एडला; रेड्डी, एनआईटी गोवा, स्वीकृत पेटेंट संख्या 2021102773, आईपी ऑस्ट्रेलिया, मार्च 2022



## 9. नवाचार और उद्यमिता विकास

नवाचार और उद्यमिता पर फोकस: आईआईआईटी श्री सिटी संकाय एवं छात्रों को उनकी क्षमता को पूरा करने एवं समाज की जरूरतों को पूरा करने में मदद करने के लिए नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देता है। हम कई तरीकों से उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देते हैं। आईआईआईटी श्री सिटी को मानव संसाधन विकास मंत्रालय की इनोवेशन सेल द्वारा इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल के रूप में कार्य करने के लिए चुना गया है। इसके अलावा, आईआईआईटी श्री सिटी ने छात्रों द्वारा नवीन विचार सृजित करने और उन्हें व्यावसायिक अवसरों में बदलने हेतु समर्थन और सक्षम करने के लिए एक उद्यमशीलता सेल (ई-सेल) की स्थापना की है। ई-सेल छात्रों को सामाजिक जिम्मेदारी के साथ सफल उद्यमी बनने का प्रशिक्षण देता है।

उद्यमशीलता के भाव को ध्यान में रखते हुए, हमने 2020 में टीबीआई, ज्ञान सर्कल वेंचर्स (आईआईटीएस (सीआईडी)), एक स्वतंत्र धारा 8 गैर-लाभकारी संगठन में नवाचार और उद्यमिता विकास केंद्र होने के नाते कानूनी इकाई का शुभारम्भ किया। बिजनेस इन्क्यूबेटर, इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और स्मार्ट मैनुफैक्चरिंग सहित कई क्षेत्रों में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की रणनीतिक प्राथमिकताओं में से एक है। हमारा दृढ़ विश्वास है कि ज्ञान सर्कल वेंचर्स नवोन्मेष और स्टार्टअप के लिए एक हब के रूप में काम करेगा, जिससे नई प्रौद्योगिकियों और व्यावसायिक अवसरों के विकास के साथ-साथ इस क्षेत्र में आर्थिक और सामाजिक विकास को सक्षम बनाया जा सकेगा।

आईआईआईटी श्री सिटी से जुड़े इनक्यूबेटर का प्राथमिक उद्देश्य, अपनी बौद्धिक पूंजी का उपयोग करके संस्थानों की उद्यमशीलता की भावना के निर्माण को प्रोत्साहित करना है। वर्तमान में, डॉ. जी. कन्नवीरन, निदेशक, आईआईआईटी श्री सिटी और श्री एम बालासुब्रमण्यम, अध्यक्ष, बीओजी-आईआईआईटी श्री सिटी कंपनी के निदेशक (सीआईडीआई) के रूप में कार्य करते हैं।

आईआईआईटी श्री सिटी में स्थित ज्ञान सर्कल वेंचर्स इनक्यूबेटियों और स्टार्टअप्स को बहुमूल्य सुविधाएं प्रदान करता है। जीसीवी के इनक्यूबेटियों को निम्न का एक्सेस मिलता है:

- मॉडर्न वर्क स्पेस
- संचार सुविधाएं
- कंप्यूटिंग सुविधाएं
- उपकरण प्रयोगशाला
- पुस्तकालय और सूचना केंद्र
- प्रशिक्षण और सम्मेलन सुविधाएं

इसके अलावा, इनक्यूबेटीज अकादमिक और उद्योग दोनों से मेंटर्स की विशेषज्ञता का लाभ उठा

सकते हैं। टीबीआई जो कि एक उच्च गुणवत्ता वाले तकनीकी संस्थान का हिस्सा है, में एक इनक्यूबेटी होना गर्व की बात है। स्टार्टअप्स को श्रमशक्ति की आवश्यकता होती है और उनके पास आईआईआईटी श्री सिटी के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को इंटर्न या पूर्णकालिक कर्मचारियों के रूप में काम पर रखने का अवसर होता है।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) द्वारा ज्ञान सर्किल वेंचर्स के प्रस्ताव को प्रौद्योगिकी ऊष्मायन और उद्यमियों के विकास (टिडे 2.0) ऊष्मायन केंद्र के रूप में कार्य करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। उनके द्वारा जीसीवी को ग्रुप 2 केंद्र के रूप में चुनकर फंडिंग किया जा रहा है।

सामाजिक प्रासंगिकता के पूर्व-पहचाने गए क्षेत्रों में आईओटी, एआई, ब्लॉक-चेन, रोबोटिक्स इत्यादि जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने में लगे इनक्यूबेटरों को वित्तीय और तकनीकी सहायता के माध्यम से तकनीकी उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एमईआईटीई द्वारा टाइड 2.0 की शुरुआत की गई थी।

ज्ञान सर्किल वेंचर्स में टाइड 2.0 केंद्र निम्नलिखित दो कार्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न चरणों में नवप्रवर्तनकर्ताओं और स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान करेगा।

#### **गृह उद्यमि (ईआईआर) कार्यक्रम:**

- एक गृह उद्यमि (ईआईआर) एक व्यक्ति/छात्र/स्टार्ट-अप है जो अपने विचार को प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट (पीओसी) में विकसित और मान्य करने के लिए तैयार है।
- ये जीसीवी इनक्यूबेटर स्पेस से काम करेंगे
- जीसीवी टीबीआई, पीओसी के विचार विकास, सत्यापन और उसके बाद के विकास का समर्थन करेगा।
- प्रत्येक ईआईआर को अनुदान के रूप में अधिकतम 4 लाख रु. प्रदान किए जाएंगे।

#### **अनुदान कार्यक्रम:**

- एक निश्चित प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट वाले नवीन स्टार्ट-अप को अनुदान के लिए पात्र माना जा सकता है। न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद बनाने और स्टार्ट-अप को गो-टू-मार्केट चरण तक आगे बढ़ाने के लिए अनुदान प्रदान किया जाता है।
- प्रत्येक स्टार्ट अप को अनुदान के रूप में अधिकतम 7 लाख रु. प्रदान किए जा सकते हैं।
- जीसीवी टीबीआई पूरे कार्यक्रम में परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

मैटी टिडे 2.0 कार्यक्रम के तहत अपने पहले कोहर्ट के रूप में, जीसीवी ने वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 9 स्टार्टअप (8 अनुदान और 1 ईआईआर) को चुना और वित्त पोषित किया।

स्टार्टअप्स का विवरण इस प्रकार है:-

क्र. सं.	स्टार्टअप/कंपनी	मुख्य नवाचारी /सीईओ	नवाचार संक्षेप	तकनीक	अनुप्रयोग क्षेत्र
1	रेकिंडल ऑटोमेशन प्रा. लि. चैन्नई	राधाकृष्णन जोथीराम	केंद्रीकृत निगरानी और अंतःशिरा द्रव के स्वचालित रोक के लिए एक स्मार्ट अंतःशिरा ड्रिपर प्रणाली	एआई	हेल्थकेयर
2	हाइवरिक्स टेक्नोलॉजीस, चैन्नई	हेमलथा आर	ली-आयन बैटरी उपकरणों के लिए स्मार्ट ग्रीन चार्जिंग समाधान की अगली पीढ़ी	आईओटी	स्मार्ट चार्जिंग
3	एक्वा सोल्यूशन कृष्णा	जोगी साई प्रसन्ना	एक्वा फार्मों की फीडिंग और निगरानी के लिए एक्वाकल्चर स्मार्ट मॉनिटरिंग सिस्टम	आईओटी	एक्वाकल्चर
4	एलएसपीओटी प्रवेन टेक, इरोड	सुनील विग्नेश	मानव मुद्रा को बनाए रखने और बनाए रखने के लिए इंटेलीजेंट वियरेबल डिवाइस	एमएल	प्ररेवेंटिव हेल्थकेयर
5	मेडक्योर मेडिकल सोल्यूशन	पॉल प्रदीप जे	हाइब्रिड हरित प्रौद्योगिकी का उपयोग करके इनडोर वायु गुणवत्ता निगरानी और शुद्धिकरण प्रणाली	आईओटी	पर्यावरण
6	नंधा इंफोटेक कोयम्बतूर	विग्नेशवरन टी	सेंस लुटो – उन्नत मृदा निगरानी और फसल प्रबंधन प्रणाली	आईओटी	कृषि
7	मेलोन एआई प्रा. लि.	डॉ. मसूद इकरम	कापेमो: आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस कैमरा	एआई	खुदरा
8	इक्यूजोन मेडीटेक प्रा. लि.	राजनंदिनी बी	रिमोट मॉनिटरिंग के साथ नेगेटिव प्रेशर वाउंड थेरेपी	आईओटी	हेल्थकेयर
9	हाइड्रोड्राइव प्रा. लि.	तरुण के कारानम	घर पर जैविक सब्जियों की खेती के लिए ऑटोमेटेड और सेल्फ सस्टेनेबल एरोपोनिक टॉवर	आईओटी	हाइड्रोफोनिक्स

उपर्युक्त स्टार्टअपस (रेकिंडले, हिवरीक्स एक्वा, हाइड्रोड्राइब, नंदा और मेडक्योर) में छः ने पहले ही कार्यक्रम पूरा कर लिया है। मेडक्योर मेडिकल सॉल्यूशनस को एमईआईटीवाई द्वारा टीआईडीई 2.0 योजना के तहत 35 लाख रूपए के निवेश के लिए चुना गया है।

दूसरे कोहोर्ट के भाग के रूप में जीसीवी वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान 9 स्टार्टअपस '7 अनुदान और 2 ईआईआर' का चयन और वित्तपोषण किया। इन स्टार्टअपस का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्रम संख्या	नाम	संगठन	टेकनोलाजी	क्षेत्र
1.	मेघवरमन पी	मेगरोनिक कोन्टीरिवेंस प्रा. लि.	आईओटी / रोबोटिक्स	कृषि
2.	शिव नागराजु	फार्मक्स इनोवेशन प्रा लि	आईओटी	कृषि
3.	वर्षन मोहन	प्रिस्टन ऑटोमेशनस प्रा. लि.	एलएल एंड आईओटी	उर्जा क्षेत्र
4.	विष्णु प्रिया	करातु साइंटिफिक सॉल्युशनस एलएलपी	एमईएमएस	स्वास्थ्य देखभाल
5.	आकांशी वैश्य	वर्किफाई	एएल / एमएल, रोबोटिक्स	पर्यावरण
6.	पदमानाभन के	पवन एम्पावन सॉल्युशनस	आईओटी	वियरेबल डिवाइस
7.	अभिषेक कौशल	रेडिएट हैल्थकेयर इनोवेशनस प्रा. लि.	एआई और आईओटी	स्वास्थ्य देखभाल
8.	मंजु भार्गवी		एआई और आईओटी	स्वास्थ्य देखभाल
9.	राजा सुरेश	एकलव्य इनोवेटिव सॉल्युशनस	आईओटी	विज्ञापन

